ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अब हम दुनिया की नवाचार राजधानी बनने की दिशा में बढ़ा रहे कदम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 16 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-226

79वें स्वतंत्रता दिवस पर ऐतिहासिक लाल किले से

पीएम मोदी का आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और एकजुटता का आह्वान

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व में बढते संरक्षणवाद के बीच विकसित और वैश्विक रूप से हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आत्मनिर्भरता और स्वदेशी को मूल मंत्र बताते हुए राजनीतिक दलों और सभी देशवासियों से इसके लिए अपनी पूरी शक्ति लगाने का पुरजोर आह्वान किया है।

श्री मोदी ने भारत के खिलाफ व्यापार के क्षेत्र में बढ रहे दबावों के बीच कहा कि विकसित भारत के लिए आत्मनिर्भरता अनिवार्य शर्त है। उन्होंने कहा कि भारत अपने किसानों तथा कमजोर वर्गों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा और स्वदेशी को अपनी मजबूती के लिए अपनाकर दूसरों को मजबूर करेगा।

प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को यहां 79 वें स्वतंत्रता दिवस पर ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से 12 वीं बार राष्ट्र को संबोधित करते हुए अपने अब तक के सबसे लंबे भाषण में देश के समक्ष चुनौतियों , देश की ताकत और देश के भविष्य का खाका प्रस्तुत किया जिसमें रक्षा और सुरक्षा से लेकर आर्थिक , सामाजिक और तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया है। उन्होंने इसी संदर्भ में नयी योजनाओं और पहलों की घोषणा की जिसमें युवाओं के लिए रोजगार योजना, सैन्य और असैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए मिशन सुदर्शन चक्र, अवैध घुसपैठियों से निपटने के लिए उच्च अधिकार प्राप्त मिशन, जीएसटी में नयी पीढी के सुधार, देश को दस लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सुधारों पर कार्य बल के गठन , लड़ाकू विमानों के लिए स्वदेशी इंजन के विकास , परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता में विस्तार और खनिज तेल तथा गैस के लिए गहरे समुद्र में अन्वेषण के लिए समुद्र मंथन जैसी कई घोषणाएं शामिल हैं। उन्होंने सेमिकंडक्टर मिशन की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में इसी वर्ष माइक्रोचिप का विनिर्माण शुरू हो जायेगा। उन्होंने अंतरिक्ष में भारत की ऊंची उडान का जिक्र किया और कहा कि देश गगनयान मिशन की अपने बल पर सफलता तथा अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

पाकिस्तान को सीधा और अमेरिका को दिया अप्रत्यक्ष संदेश

आपरेशन सिंदूर भारतीयों के आक्रोश की अभिव्यक्ति

श्री मोदी ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत अब परमाणु धमकी में आने वाला नहीं है और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए सेनाओं को खुली छूट दी गयी है। सिंधु जल संधि को अन्यायपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत इसे मौजूदा स्वरूप में स्वीकार नहीं करेगा।

उन्होंने भारत के खिलाफ व्यापारिक कार्रवाई कर रहे देशों को करारा संदेश देते हुए दोहराया कि भारत अपने किसानों , पशुपालकों और मछुआरों के हित के साथ कभी कोई समझौता नहीं करेगा और न ही किसी देश के चंगुल में आयेगा। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी की भावना को मजबूत करने के लिए सभी दलों से मिलकर काम करने का आह्वान किया।

आपातकाल लगा संविधान का गला घोंटने वाले पापियों को न भूलें

खून और पानी साथ-साथ नहीं बहेंगे

जीएसटी में होंगे चार की जगह दो स्लैब, सस्ती होंगी आम लोगों के इस्तेमाल की चीजें

प्रधानमंत्री ने दुकानदारों से अपनी दुकान पर 'यहां स्वदेशी माल बिकता है' के बोर्ड लगाने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने लालकिले की प्राचीर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्र सेवा की सराहना करते हुए संगठन को उसके शताब्दी वर्ष की शुभकामनाएं भी दी।

श्री मोदी ने लाल किले से पिछले संबोधन में किये गये पंच प्रणों का उल्लेख करते हुए कहा, विकसित भारत के लिए न रूकेंगे, न झुकेंगे, परिश्रम की पराकाष्ठा करेंगे और 2047 में अपनी आंखों के सामने विकसित भारत बना कर रहेंगे।

विरासत को भारत का गौरव तथा आभूषण बताते हुए उन्होंने कहा कि हम जीवन में, व्यवस्थाओं में और नियम, कानून परंपराओं में गुलामी का एक भी कण नहीं बचने देंगे। उन्होंने देश की एकता को शक्तिशाली मंत्र बताते हुए कहा कि हम एकता की डोर को कटने नहीं देंगे। उन्होंने कहा, यह कर्तव्य पूजा और तपस्या से कम नहीं है और उसी भाव से हम सब मातृभूमि के कल्याण के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा करेंगे। हम अपने आप को खपा देंगे, जो भी सामर्थ्य है, अवसर है उसे नहीं छोड़ेंगे और नये अवसर बनायेंगे।

उन्होंने भाषण के समापन पर जय हिन्द के उद्घोष से पहले कविता की इन पंक्तियों में अपने भावों का उद्गार करते हुए कहा कि ...

परिश्रम में जो तपा है, उसने ही इतिहास रचा है।

जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है।

समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है।

उन्होंने कहा कि ये पंक्तियां बहुत सुंदर हैं जो हमें हर क्षण की महत्ता समझने और उसे व्यर्थ न गँवाने के लिए प्रेरित करती हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपरेशन सिंदूर को सीमा पार से आतंकवाद के खिलाफ भारत की जनता के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताते हुए कहा है कि भारतीय सेना की कार्रवाई में ▶10पर

हाईकोर्ट से ऊपर नहीं है सुप्रीम कोर्ट : बीआर गवई

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

देश आज अपना 79वां यौमे आजादी मना रहा है। मुल्कभर में इस खास मौके पर कई जगहों पर प्रोग्राम आयोजित किए गए। लाल किले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झंडा फहराया। तो वहीं सुप्रीम कोर्ट में भारत के चीफ जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई ने झंडा फहराया। इस दौरान सीजेआई ने एक बार फिर कॉलेजियम सिस्टम को सही बताया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों में कई वकील अच्छा काम कर रहे हैं। उन वकीलों के कामों को अलग -अलग हाईकोर्ट में इस्तेमाल में लाना चाहिए।

सीजेआई गवई ने बताया कि कई वकीलों को हाईकोर्ट में जज नियुक्त करने में सफलता मिली है और भी नामों की सिफारिश की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट में जश्ने आजादी के मौके पर आयोजित प्रोग्राम सीजेआई भूषण रामकृष्ण गवई ने कहा, हम जानते हैं कि अलग-अलग राज्यों से आने वाले वकील बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हैं और उनकी सेवाओं का इस्तेमाल विभिन्न उच्च न्यायालयों में किया जाना चाहिए। मैं अपने सीनियर सहयोगियों के साथ मिलकर यहां के कुछ वकीलों के नाम उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश के रूप में प्राप्त करने में सफल रहा हूं। हम कुछ और नामों की सिफारिश करने की प्रक्रिया में भी हैं। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम भी हाईकोर्ट के कॉलेजियम को नामों की सिफ़ारिश करने के लिए निर्देशित नहीं कर सकता। चीफ जस्टिस गवई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट उच्च न्यायालयों को निर्देश नहीं दे सकता। दोनों कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट हैं। ▶10पर

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने विपक्षी दलों पर लगाया आरोप

वोट चोरी के दावों के पीछे विदेशी एजेंडा

हैदराबाद, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने विपक्षी दलों पर वोट चोरी के दावों के माध्यम से एक विदेशी एजेंडा चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके ये दावे भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय साजिशों का हिस्सा हैं। पवन कल्याण की जन सेना पार्टी सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन का हिस्सा है।

काकीनाडा में स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में, पवन कल्याण ने विपक्षी दलों के चुनावी ईमानदारी पर उनके चयनात्मक दृष्टिकोण की आलोचना की। उन्होंने कहा, जब विपक्षी नेता राष्ट्रीय स्तर पर हारते हैं, तो वे वोट चोरी का आरोप लगाते हैं। जब वे जीतते हैं, तो उन्हें कोई वोट चोरी नहीं दिखती। जब वे विजयी हुए, तो

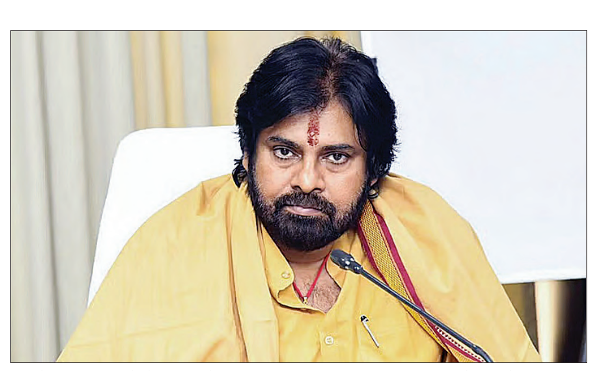

हमने कभी ऐसे आरोप नहीं लगाए।

उन्होंने 2024 के आंध्र प्रदेश चुनावों का हवाला दिया, जिसमें गठबंधन सरकार ने 164 विधानसभा सीटें जीतीं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल अब ईवीएम में गड़बड़ी का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का यह दोहरा रवैया राष्ट्रीय से लेकर राज्य स्तर तक फैला हुआ है।

कल्याण ने विपक्षी दलों की चुनावी शिकायतों को राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक संदर्भ में देखा। उन्होंने कहा, हमारे देश में आंतरिक अस्थिरता पैदा करना दुश्मन देशों की रणनीति है। उनके शब्दों को अंतरराष्ट्रीय साजिशों का हिस्सा माना जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, किसी किले को भेदने के लिए, बाहर से हमला करने के बजाय अंदर से किसी के दरवाजा खोलने पर हमला करना आसान होता है। विदेशी शक्तियाँ ऐसे आंतरिक दुश्मन तलाशती हैं जो उनके साथ सहयोग करें और खुफिया जानकारी दें। ये विपक्षी आवाजें विदेशी शक्तियों का एजेंडा चला रही हैं, और लोगों को इस पर ध्यान देना चाहिए।

पवन कल्याण ने भारत के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि विभाजन के बाद से लगातार धार्मिक हिंसा के बावजूद, भारत ने कभी भी अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण को नहीं छोड़ा है। उन्होंने डॉ. अब्दुल कलाम जैसे नेताओं को भारत के सर्वोच्च पदों पर बिठाए जाने को इस प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, इस तरह की समावेशी प्रथाएं पाकिस्तान में मौजूद नहीं हैं, जहां एक हिंदू क्रिकेटर को खत्म कर दिया जाएगा और कोई मजबूत हिंदू नेता दिखाई नहीं देता है। ▶10पर

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का बड़ा बयान

हर नागरिक अपनी नागरिकता और मताधिकार साबित करें

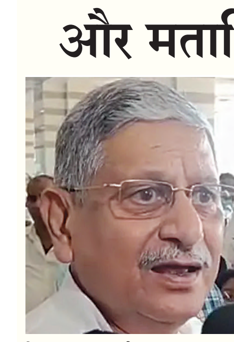

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि देश के हर नागरिक को यह साबित करना होगा कि वह भारत का नागरिक है और इसी आधार पर उसे मतदाता होने का अधिकार मिलेगा। उन्होंने साफ किया कि जो इस देश का मतदाता है, उसे साबित करना होगा कि वह इस देश का नागरिक है और तभी वह मतदाता कहलाएगा।

राहुल गांधी की 17 अगस्त से शुरू होने वाली वोट अधिकार यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए ललन सिंह ने कहा कि उनको घूमने दीजिए। संविधान की किताब लेकर पहले भी घूम चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर जो कहा है, वह हम सबने सुना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा का समर्थन करते हुए ललन सिंह ने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि खून और पानी एक साथ नहीं हो सकता है। ▶10पर

किश्तवाड़ में बादल फटने की घटना

अब तक 60 की मौत, 69 लापता

पीएम मोदी ने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया

नई दिल्ली/किश्तवाड़, 15 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बादल फटने की घटना के बाद से अब तक 60 लोगों की मौत हो गई है और 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से फोन पर बात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। गुरुवार को किश्तवाड़ के सुदूर पहाड़ी गांव चिसोटी में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। अधिकारियों के अनुसार, अब तक बरामद किए गए 60 शवों में से 30 की पहचान कर ली गई है, जिनमें दो केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवान भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान इस त्रासदी की जानकारी दी। 160 से अधिक लोगों को अब तक बचाया जा चुका है, जिनमें से 38 की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि 69 लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। प्रशासन ने लोगों और तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए पदर में एक नियंत्रण कक्ष-सह-हेल्प डेस्क स्थापित किया है। इसके लिए 9858223125, 6006701934 जैसे कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। सेना की राष्ट्रीय राइफल्स के जवान भी बचाव अभियान में जुटे हैं। बादल फटने से चिसोटी और उसके आसपास के इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। कम से कम 16 आवासीय घर, सरकारी इमारतें, तीन मंदिर, चार पानी की मिलें और एक ▶10पर

मिसाइलें-रडार-एआई और लेजर डिफेंस हवा में राख होंगे दुश्मन के हथियार

कैसा होगा भारत का सुदर्शन चक्र?

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की। यह योजना भारत के आकाश को हवाई खतरों से बचाने के लिए बनाई गई है। जन्माष्टमी से एक दिन पहले किया गया यह ऐलान भगवान कृष्ण के पौराणिक अस्त्र से प्रेरित है। यह पूरी तरह स्वदेशी होगी, जो सेना और आम लोगों के लिए जरूरी ढांचों की सुरक्षा करेगी और दुश्मन पर सटीक हमला करने की क्षमता से लैस होगी।

सिनियर डिफेंस कॉरेस्पोंडेंट संदीप उन्नीथन के मुताबिक, यह मिशन इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम नेटवर्क और इंटीग्रेटेड रॉकेट फोर्स को जोड़ सकता है। भगवान कृष्ण के पौराणिक सुदर्शन चक्र से प्रेरित यह योजना राष्ट्रीय सुरक्षा कवच पहल के तहत चलेगी और हॉस्पिटल्स, धार्मिक स्थलों, और अन्य संवेदनशील जगहों को नई तकनीकों से सुरक्षित करेगी। मई में पाकिस्तान ने भारतीय नागरिक ढांचों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसके बाद यह मिशन शुरू किया गया है। वहीं, पाकिस्तान के पीएम शहबाज़ शरीफ ने भी 14 अगस्त को चीन की तर्ज पर रॉकेट फोर्स बनाने की घोषणा की।

सुदर्शन चक्र मिशन का मकसद है भारत के सबसे आधुनिक एयर डिफेंस नेटवर्क को एक उन्नत मिसाइल स्ट्राइक फोर्स के साथ जोड़ना। भारत का आईएसीसीएस (इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम) एक स्वदेशी, पूरी तरह ऑटोमेटेड और रियल-टाइम एयर डिफेंस सिस्टम ले लैस होगा। यह सेंसर, रडार और वेपन सिस्टम्स को जोड़कर पूरे आसमान की सटीक तस्वीर देगा, जो वायु, थल और नौसेना के ▶10पर

स्वतंत्रता को कायम रखने के लिए कड़ी मेहनत और त्याग की जरूरत : मोहन भागवत

भुवनेश्वर, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सर संघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारतीयों को स्वतंत्रता को लेकर आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। स्वतंत्रता को कायम रखने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत और त्याग करना होगा। मोहन भागवत ने भुवनेश्वर स्थित आरएसएस कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत का पूरी दुनिया के प्रति भी कर्तव्य है जो अनगिनत समस्याओं से जूझ रही है और 2000 साल से उनसे उबर नहीं पा रही है। संघ प्रमुख ने कहा, ''हमारे पूर्वजों ने सर्वोच्च बलिदान देकर भारत को स्वतंत्रता दिलाई। हमें भी इसे कायम रखने, देश को आत्मनिर्भर बनाने और विवादों में उलझी दुनिया का मार्गदर्शन करने के लिए 'विश्व गुरु' के रूप में उभरने के लिए उतनी ही मेहनत करनी होगी।'' भागवत ने कहा कि भारतीयों को उसी तरह कड़ी मेहनत करनी चाहिए जो उनके पूर्वजों ने स्वतंत्रता दिलाने के लिए तीन पीढ़ियों तक की। उन्होंने कहा, ''भारत के धर्म और ज्ञान के आधार पर यह होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया को मार्ग भी दिखाना होगा। भागवत ने कहा कि भारत विश्व में शांति और प्रसन्नता लाता है और दूसरों के साथ अपने धर्म को साझा करता है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, हमें आज़ादी इसलिए मिली ताकि हमारे देश में हर कोई सुख, साहस, सुरक्षा, शांति और सम्मान प्राप्त कर सके। हालांकि, दुनिया लड़खड़ा रही है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम दुनिया को समाधान प्रदान करें और धार्मिक सिद्धांतों पर आधारित अपने दृष्टिकोण के आधार पर सुख और शांति से भरी ▶10पर

हमसफर एक खोज: विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए विशेष मैट्रिमोनी मीट का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर एवं जीतो केकेजी जोन के संयुक्त तत्वावधान में संपूर्ण जैन समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों को एक सकारात्मक एवं सुरक्षित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से हमसफर एक खोज नामक विशेष मैट्रिमोनी मीट का आयोजन 6 सितंबर 2025 को बेंगलूरु स्थित त्रिपुरा वासिनी पैलेस ग्राउंड्स में किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र के पश्चात इस आयोजन की औपचारिक घोषणा एवं प्रचार प्रसार हेतु पोस्टर विमोचन समारोह जीतो ऑफिस, राजाजीनगर में तथा जीतो जेवर एक्सपो के लॉन्च अवसर पर सम्पन्न हुआ। इस

अवसर पर जीतो जेवर एक्सपो एंड द ब्राइडल स्टोरी के टाइटल स्पॉन्सर निर्मल ज्वैलर्स (संजय नगर) एवं पावर्ड बाय स्पॉन्सर ड्रेसकोड ने हमसफर एक खोज कार्यक्रम के लिए बधाई संदेश प्रेषित किया। पोस्टर का अनावरण जीतो मेन विंग, महिला विंग, यूथ विंग के पदाधिकारियों एवं समाज के वरिष्ठजनों द्वारा किया गया।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा यह आयोजन केवल दो व्यक्तियों को नहीं, बल्कि दो परिवारों को जोड़ने की एक प्रेरक पहल साबित होगा। हम चाहते हैं कि यह मंच युवाओं को अपने जीवनसाथी की खोज में सहजता, सम्मान और विश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करे। हमारा प्रयास है कि यहां से बनने वाले रिश्ते आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनें। महामंत्री विजय सिंघवी ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए समाज के सभी परिवारों से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। संयोजक अरुण नाहर ने गतिविधि-आधारित कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। सह-संयोजक सुनील लोढ़ा ने कहा इस आयोजन का उद्देश्य एक ऐसे सशक्त समाज का निर्माण करना है। इस अवसर पर जीतो से राजेंद्र दूधोडिया, जीतो महिला विंग चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, सह-मंत्री एवं मैट्रिमोनी मेंटर मीना बड़ेरा, मैट्रिमोनी संयोजिका संगीता नागोरी, सह-संयोजिका सुनीता मरलेचा, रेणु रांका, मधु तातेड, रचना सिंघवी, जीतू कवाड़, वसंती चोपड़ा, सारिका मेहता तथा टेक्निकल सपोर्ट टीम से विनोद कोठारी एवं शंकर दक उपस्थित रहे।

महावीर लिंब सेंटर में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन द्वारा किम्स परिसर में संचालित महावीर लिंब सेंटर में स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति की भावना और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों, कर्मचारियों और अतिथियों ने एकत्रित होकर ध्वजारोहण किया और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

ध्वजारोहण के उपरांत लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलेछा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा भारत के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण और गौरवशाली दिन 15 अगस्त 1947 है। यह वही दिन है जब हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें स्वतंत्रता दिलाई। उसी दिन पहली बार दिल्ली के लाल किले पर स्वतंत्र भारत का तिरंगा फहराया गया था। हम हर वर्ष इस दिन को उत्सव के रूप में मना कर देश के प्रति अपने सम्मान और कृतज्ञता को व्यक्त करते हैं। इस अवसर पर फेडरेशन के उपाध्यक्ष अशोक कोठारी ने कहा महावीर लिंब सेंटर में प्रतिवर्ष आयोजित इस समारोह में उपस्थित रहकर भाग लेना हम सभी के लिए गर्व की बात है। यह न केवल देशभक्ति की भावना को जागृत करता है, बल्कि समाज सेवा से जुड़ी हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूती प्रदान करता है। फेडरेशन के निदेशक बीरबल बिश्नोई ने कार्यक्रम के समापन पर सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में निदेशक सुनील भुरट, कन्वीनर सुभाष चंद्रा डंक सहित टेक्नीशियन टीम के सदस्य के. सुदर्शन, सुरेश, चिदंबरम, हुसैन सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थे।

महालक्ष्मी को सौभाग्य और शुभता का प्रतीक है श्रीयंत्र: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा ने श्रीयंत्र महालक्ष्मी महापूजन की जानकारी देते हुए कहा कि महालक्ष्मी को सौभाग्य और शुभता का प्रतीक माना जाता है। उनका आशीर्वाद जीवन में सुख और समृद्धि लाता है। आध्यात्मिक पूर्णता और दिव्यता का प्रतीक भी है। जैन धर्म में, उन्हें सौंदर्य और दिव्यता का प्रतीक माना जाता है। जिस घर में श्रीयंत्र की स्थापना होती है उस घर में अष्ट लक्ष्मी का वास होता है। मान्यता है कि श्रीयंत्र माता लक्ष्मी का ही एक अंश है, इसलिए इसमें महा लक्ष्मी का

वास होता है। ऐसा भी माना जाता है कि श्रीयंत्र जिस जगह पर भी होता है, वहां का वातावरण शुद्ध और पवित्र हो जाता है। ऐसा होने से माता लक्ष्मी के आगमन में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं हो पाता, इसलिए घरों में श्रीयंत्र की स्थापना करना लाभदायक माना जाता है। श्रीयंत्र की स्थापना से कारोबार में सफलता, समृद्धि, आर्थिक मजबूती और पारिवारिक सुख प्राप्त होते हैं। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि 16 अगस्त को राज राजेश्वरी मां भगवती महालक्ष्मी श्रीयंत्र महा-पूजन का आयोजन श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ द्वारा रेणुका मंदिर में आयोजित किया गया है। महेंद्र जैन ने बताया कि श्रीयंत्र महालक्ष्मी महापूजन का विशाल पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

दो दिवसीय एक्सेल प्लस एआई कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो यूथ विंग बेंगलूरु साउथ ने जीतो सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सी.एफ.ई) के तहत, 13-14 अगस्त को जीतो ऑफिस, चामराजपेट में 2-दिवसीय एक्सेल प्लस एआई टूल्स कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को उन्नत एक्सेल कौशलों के साथ-साथ नवीनतम एआई टूल्स के साथ सशक्त बनाना था, जिससे पारंपरिक स्प्रेडशीट उपयोग और आधुनिक एआई-संचालित उत्पादकता के बीच की खाई को पाटा जा सके। कार्यशाला का शुभारंभ नवकार मंत्र के पाठ के हुआ, जिसके बाद दीप प्रज्वलन हुआ। जीतो यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें कार्यक्रम का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया, जो उनके

व्यावसायिक और प्रोफेशनल विकास में सहायक होगा। 2-दिवसीय कार्यशाला, विशेषज्ञ प्रशिक्षक सी.ए. राहुल गांधी के नेतृत्व में, 41 उत्साही प्रतिभागियों का स्वागत किया, जिन्होंने एक्सेल और एआई-संचालित टूल्स में हाथों-हाथ अनुभव प्राप्त किया। इंटरैक्टिव सत्रों, मार्गदर्शित अभ्यासों और लाइव डेमो के माध्यम से, प्रतिभागियों ने वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के लिए व्यावहारिक एक्सेल कौशल हासिल किए, उत्पादकता बढ़ाने के लिए एआई-संचालित टूल्स और तकनीकों से परिचित हुए, और स्मार्ट निर्णय-निर्माण के लिए दैनिक कार्यप्रवाह में एआई को एकीकृत करने के लिए प्रेरित हुए।

कार्यशाला ने प्रतिभागियों पर गहरा प्रभाव डाला, एक्सेल और एआई-संचालित डेटा टूल्स में उनके कौशल को बढ़ाया, दैनिक कार्यों में स्वचालन की संभावनाओं के प्रति उनकी जागरूकता बढ़ाई, और जितो यूथ समुदाय के भीतर नेटवर्किंग को मजबूत किया। कार्यक्रम का समापन 14 अगस्त 2025 को एक प्रमाणपत्र वितरण समारोह के साथ हुआ, जहां प्रतिभागियों ने सत्रों के व्यावहारिक मूल्य और सीखे गए कौशल को लागू करने के लिए उनके उत्साह को उजागर करते हुए अपनी प्रतिक्रिया साझा की। कार्यक्रम ने सफलतापूर्वक सीखने को व्यावहारिक अनुप्रयोग के साथ जोड़ा, प्रतिभागियों को उनकी पेशेवर उत्पादकता बढ़ाने के लिए शक्तिशाली टूल्स से लैस किया। ज्ञान, कौशल और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देकर, कार्यशाला जीतो यूथ बेंगलूरु साउथ की पेशेवरों को सशक्त बनाने और निरंतर सीखने को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण थी। कार्यक्रम में मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, कोषाध्यक्ष यश जैन, प्रबंध समिति के सदस्य कृष मेहता, संयोजक रिद्धि मेहता और सह-संयोजक हर्ष जैन की उपस्थिति उल्लेखनीय थी।

हम जन-जन में देशभक्ति की ज्योति प्रज्वलित करें: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस पर साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने कहा कि इस पावन मातृभूमि ने अनेकों महापुरुषों को जन्म दिया, जिन्होंने अपने प्राणों से भी अधिक देश और धर्म को चाहा। इसी मिट्टी ने अनगिनत ऋषियों और महात्माओं को जन्म दिया, जिनके त्याग, तप और बलिदान से यह भूमि पावन हुई। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने न केवल अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी, बल्कि भारत के हर नागरिक के दिल में स्वाभिमान, त्याग और एकता की लौ प्रज्वलित की। हम महात्मा गांधी, नेताजी सुभाषचंद्र

बोस, चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव, भगतसिंह जैसे वीर सेनानियों के बलिदान को स्मरण करते हैं। यह अवसर हमें प्रेरित करता है कि हम जन-जन में देशभक्ति की ज्योति प्रज्वलित करें। देश के प्रति वफादार रहना प्रत्येक प्राणी का संकल्प होना चाहिए। देश हमारे लिए सर्वोपरि है, देश सुरक्षित है, तो हम सुरक्षित हैं। इसलिए हमें अटूट देशभक्ति और समर्पण भाव होना अनिवार्य है। हमारी संस्कृति ही हमारे देश की रीढ़ है। अध्यात्म की दृष्टि से देखें तो आज भी हम पूर्णत: स्वतंत्र नहीं हैं। अंग्रेज चले गए, पर अपनी भाषा का प्रभुत्व छोड़ गए, और दुर्भाग्य से आज भारत में उसी को प्रमुखता दी जाती है। यह हमारी सबसे बड़ी विडंबना है।

जिनशासन की प्रभावना भारतीय संस्कृति से ही संभव है, पाश्चात्य संस्कृति से नहीं। सच्ची देशभक्ति ही आत्मभक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है, क्योंकि देश है तो हम हैं। प्रवचन के पूर्व संघ के प्रांगण में राष्ट्र ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्र गान गाया गया। मंत्री नेमीचंद दलाल ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी और कहा धर्म और राष्ट्र के प्रति हमारी श्रद्धा बनी रहे और हमारे भीतर देशभक्ति एवं एकता की भावना का निर्माण हो। धर्मसभा में साध्वी ऋषिता ने भावपूर्ण स्तवन प्रस्तुत किया, साध्वी उपासना ने वीरांगना रानी सोहन की रोचक श्रृंखला को आगे बढ़ाया, और साध्वी निर्मला ने मांगलिक प्रदान किया। इस मौके पर इचलकरंजी संघ से राजेन्द्र कोठारी, विलास गांधी, कल्याण बोहरा, सम्पत गांधी, निलेश बोहरा व अन्य का बहुमान संघ की ओर से किया गया। राजेंद्र कोठारी एवं महावीरचंद धोका ने अपने विचार रखे। अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां मंजूनाथ नगर में स्थित मेट्रो फ्लेक्स जिम में शुक्रवार को देशभक्ति की भावना और हर्षोल्लास के साथ 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। ध्वजारोहण के साथ ही लोगों में प्रसादी का वितरण भी किया गया। इस मौके पर जिम के मालिक सुरेश टी.जे., सोमशेखर, योगेश, दिनेश, पन्नीर, उमाशंकर, महेश, मिथुन, जयंत कुमार और वीरशेट्टी मीनकेरे आदि अनेक लोग मौजूद रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, दक्षिण पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन बेंगलूरु मंडल ने मंडल रेलवे अस्पताल को दो वाटर प्यूरीफायर दान किए। साथ ही मरीजों को पौष्टिक पेय और माताओं को शिशु देखभाल किट वितरित किए। इस अवसर पर रीना सिंह, अध्यक्ष, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ, बेंगलूरु मंडल, निधि शर्मा, सचिव और भाग्यश्री, कोषाध्यक्ष, प्रभावती गजलक्ष्मी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और अन्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु मंडल ने 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने एमजी रेलवे कॉलोनी, बेंगलूरु स्थित रेलवे ग्राउंड में देशभक्ति के जोश के साथ 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड का निरीक्षण किया, जिसमें रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), छात्र, स्काउट और गाइड आदि विभिन्न टुकड़ियाँ शामिल थीं। समारोह में स्कूली छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। अपने संबोधन में, आशुतोष कुमार सिंह ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का स्वतंत्रता दिवस संदेश पढ़ा। उन्होंने दक्षिण पश्चिम रेलवे के

उत्कृष्ट सुरक्षा रिकॉर्ड पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दक्षिण पश्चिम रेलवे ने 2025 तक शून्य परिणामी रेल दुर्घटनाएँ बरकरार रखीं। उन्होंने 16 रोड ओवर ब्रिज, 27 रोड अंडर ब्रिज, 10 फुट ओवर ब्रिज, 2 सबवे और 3 उच्च-स्तरीय प्लेटफार्मों के निर्माण सहित प्रमुख बुनियादी ढाँचे की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। एक प्रमुख उपलब्धि के रूप में, केएसआर बेंगलूरु-जोलारपेट्टई मार्ग पर सेक्शनल गति को पहली बार 140 ट्रैक किलोमीटर पर 130 किमी प्रति घंटे तक बढ़ा दिया गया, जबकि अन्य प्रमुख मार्गों पर गति को 192 ट्रैक किलोमीटर पर 110 किमी प्रति घंटे तक बढ़ा दिया गया। जनवरी 2025 से जुलाई 2025 के अंत तक, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने 29.55 मिलियन टन माल ढुलाई की, जिससे 3,056 करोड़ का माल ढुलाई राजस्व प्राप्त हुआ। 2025 के पहले सात महीनों में, कुल प्रारंभिक राजस्व 5,468 करोड़ तक पहुँच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण पश्चिम रेलवे ने 8 नई ट्रेनें शुरू की हैं, 24 ट्रेनों का विस्तार किया है, 232 विशेष ट्रेनें चलाई हैं और यात्रियों की बढ़ती संख्या को पूरा करने के लिए कुल 1153 कोच बढ़ाए हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में, जनवरी से अब तक, 400 किलोवाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई है, जिससे 43.7 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ है और 2.65 करोड़ की बचत हुई है। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने 12,271 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए भी ऑर्डर दिए हैं, जिससे सौर ऊर्जा क्षमता बढ़कर 20 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन हो जाएगी, जिसका लक्ष्य सालाना 25 करोड़ की बचत करना और हमारे कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। इसी प्रकार से अन्य उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त मंडल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया, प्रवीण कटारकी वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, श्रेयांस चिंचवडे वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी आदि अधिकारी उपस्थित थे।

कर्नाटक पहले से ही भारत की आईटी राजधानी

अब हम दुनिया की नवाचार राजधानी बनने की दिशा में बढ़ा रहे कदम: सीएम

79वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि विकास के शिखर पर पहुँचकर समाज में योगदान देना ही सर्वोच्च स्वतंत्रता है। कर्नाटक पहले से ही भारत की आईटी राजधानी है और अब हम दुनिया की नवाचार राजधानी बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। शहर के माणिक शाह परेड ग्राउंड में 79वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण के बाद बोलते हुए, उन्होंने कहा कि कर्नाटक क्वांटम मिशन विज्ञान के भविष्य को आकार देगा। हम केवल रोजगार ही नहीं पैदा कर रहे हैं।

हम ऐसे विचार, आविष्कार और नवाचार पैदा कर रहे हैं जो लोगों के जीवन को बदल देंगे, और हमारे विचार सीमाओं से परे पहुँच गए हैं। केंद्र सरकार करों जैसे संसाधनों के वितरण में निष्पक्ष दृष्टिकोण नहीं अपना रही है। विभिन्न मंचों से इस बात पर आक्रोश है कि आईटी, ईडी, सीबीआई जैसी संवैधानिक संस्थाएँ लोकतंत्र और संविधान के सच्चे मूल्यों की रक्षा के लिए काम नहीं कर रही हैं। उन्होंने सभी जिम्मेदार नागरिकों से इस संबंध में आवाज उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को नशा मुक्त राज्य घोषित किया जाना चाहिए, और नई पीढ़ी को मोबाइल फोन, इंटरनेट आदि के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जो एक सामाजिक समस्या बनती जा रही है। इस संबंध में उन्होंने कहा कि हमने मोबाइल फोन छोड़ो - किताब थामो और कर्नाटक पढ़ो नामक एक कार्यक्रम तैयार किया है। मुख्यमंत्री अवसंरचना विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सड़कों और पुलों जैसे बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए 8 हजार करोड़ रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि तटीय और मलनाड क्षेत्रों में 31 करोड़ रुपये की लागत से 184 पैदल पुलों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इन्वेस्ट कर्नाटक के साथ 6,23,970 करोड़ रुपये का निवेश समझौता हुआ है और इससे छह लाख से ज्यादा रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। विदेशी निवेश के मामले में कर्नाटक देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में 56,30,000 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आकर्षित हुआ। कर्नाटक एक प्रमुख राज्य है जो बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिए बजट अनुदान का 20.1 प्रतिशत आवंटित करता है। उन्होंने कहा कि गारंटी योजनाओं ने महिलाओं के अधूरे सपनों को साकार कर रही हैं। किसान का बेटा वैज्ञानिक बने। बुनकर की बेटी उद्यमी बने और ऐसा माहौल बनाया जाए जहाँ हर बच्चे का भविष्य उसके अपने हाथों में हो।

अन्नभाग्य, शक्ति, गृहलक्ष्मी, युवानिधि और गारंटी योजनाओं पर अब तक 96,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि शक्ति योजना के तहत 500 करोड़ की यात्राओं के माध्यम से महिलाओं ने मुफ्त यात्राएँ की हैं। कर्नाटक प्रति व्यक्ति आय के मामले में शीर्ष पर है और पिछले 10 वर्षों में इसने 101 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि 2024-25 तक प्रति व्यक्ति आय 2,04,605 रुपये तक पहुँच जाएगी। उन्होंने कहा कि गारंटी योजनाओं के अलावा, लोगों के कल्याण के लिए सब्सिडी, प्रोत्साहन, छात्रवृत्ति और सामाजिक योजनाओं पर 1.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी सहित स्वतंत्रता संग्राम में कड़ी मेहनत करने वालों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और भारत-पाक संघर्ष में शहीद हुए सभी लोगों को याद करता है। यह गर्व की बात है कि कर्नाटक के विकास मॉडल को मान्यता मिल रही है। उन्होंने कहा कि हमने असमानता कम करने के लिए गारंटी योजनाएँ और जनकल्याणकारी कार्यक्रम लागू किए हैं।

पिछड़ा वर्ग आयोग के माध्यम से सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने अनुसूचित जातियों में आंतरिक आरक्षण और पिछड़े वर्गों के सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षणों के मुद्दे पर गंभीरता से विचार किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास मॉडल को दो वर्षों में 250 से अधिक पुरस्कार मिले हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हमें आवश्यक मात्रा में यूरिया उर्वरक की आपूर्ति नहीं की है, जो एक समस्या है और वह केंद्र सरकार से इसे तुरंत हल करने का आग्रह करेंगे। उन्होंने कहा कि डेयरी किसानों को 3,280 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है, जिसमें पिछली सरकार द्वारा बकाया छोड़े गए 609 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। राज्य में आवश्यकतानुसार नए आवासीय विद्यालय और छात्रावास स्थापित किए जा रहे हैं। 500 कर्नाटक पब्लिक स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं, और 2500 करोड़ रुपये की लागत से प्रथम श्रेणी महाविद्यालयों और पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों का उन्नयन किया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस को सार्थक बनाने का आह्वान

13 नए तकनीकी शिक्षा संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं, राज्य शिक्षा नीति आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी है, और कार्यान्वयन के लिए कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य भर में इसी मॉडल पर स्वयं सहायता समूहों के लिए सहयोगी कैफे स्थापित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने सभी से सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्वतंत्रता और न्याय की निरंतर रक्षा करने का संकल्प लेकर इस स्वतंत्रता दिवस को सार्थक बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु क्षेत्र में नागरिकों को डिजिटल संपत्ति रिकॉर्ड के रूप में ऑनलाइन ई-खाते उपलब्ध कराए जा रहे हैं, और हम इसे राज्य के बाकी हिस्सों में विस्तारित करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा हमने ई-खाता प्रणाली के साथ 4,000 वर्ग फुट तक ट्रस्ट मैप की अवधारणा को लागू किया है। हम बेंगलूरु और राज्य के बाकी हिस्सों के लोगों के लिए समस्या बने बी-खाता संबंधी भ्रम को दूर करके ई-खाता प्रदान करने के क्रांतिकारी निर्णय को लागू कर रहे हैं।

मेंगलूरु और उडुपी में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित

महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस और रानी लक्ष्मीबाई जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु और उडुपी में शुक्रवार को 79वां स्वतंत्रता दिवस गर्व और उत्साह के साथ मनाया गया। जिला मंत्री दिनेश गुंडू राव ने मेंगलूरु के नेहरू मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और औपचारिक सलामी गारद का नेतृत्व किया। राव ने अपने संबोधन में महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस और रानी लक्ष्मीबाई जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और एकता और प्रगति का आह्वान किया।

उन्होंने कर्नाटक की कल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डाला, जिनमें गृह लक्ष्मी (3.79 लाख महिलाओं को 1,377 करोड़ रुपये वितरित) और युवा निधि (5,283 युवाओं को 9.54 करोड़ रुपये की सहायता), साथ ही नए पुलों (200 करोड़ रुपये) जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और हृदय ज्योति (33,356 ईसीजी) जैसी स्वास्थ्य सेवा योजनाएं शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में भगन्ना वालिकर के नेतृत्व में एक परेड का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस, अग्निशमन सेवाओं और आपातकालीन इकाइयों ने भाग लिया।

एसएसएलसी और पीयूसी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छह अल्पसंख्यक छात्रों जिनमें केल्विन सोन्स (99.2 प्रतिशत) और आयशा (97.33 प्रतिशत) शामिल हैं को सम्मानित किया गया। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पुरस्कार 2024 और प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार प्राप्तकर्ता कुमारी सिंधुरा राजा को भी सम्मानित किया गया। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर, और विधायक वेदव्यास कामथ और डॉ भरत शेट्टी शामिल थे। उडुपी में, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने महात्मा गांधी जिला स्टेडियम में समारोह की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में विधायक यशपाल सुवर्णा, उडुपी नगर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष दिनाकर हेगड़े और जिला आयुक्त स्वरूप टी के सहित अन्य लोग उपस्थित थे। दोनों जिलों ने देशभक्ति की भावना का प्रदर्शन किया, जिसमें भारत के स्वतंत्रता संग्राम को श्रद्धांजलि के साथ-साथ विकास और सामाजिक कल्याण पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में ध्वजारोहण

मोदी का युवाओं को स्वतंत्रता का महत्व समझाने का कार्य: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के माध्यम से हमारे देश भारत के तिरंगे झंडे को घर-घर पहुँचाकर युवाओं को स्वतंत्रता का महत्व समझाने का एक महान कार्य किया है। उन्होंने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में ध्वजारोहण के बाद अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को स्वतंत्रता का महत्व समझना चाहिए। उन्होंने बताया कि मोदी की प्रेरणा से हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से इसे घर-घर पहुँचाने का कार्य किया है। बाबासाहेब ने हमें एक महान और सशक्त संविधान दिया है जो सभी को समानता और न्याय प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि संविधान और तिरंगा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि अगर आरएसएस नहीं होता, तो हम पाकिस्तान या बांग्लादेश बन जाते। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने कहा कि जाति, धर्म और भाषा को पहले रखकर देश को प्राथमिकता देना उचित नहीं है। इससे देश अखंड नहीं रह पाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना प्रत्येक भारतीय में होनी चाहिए। देश के सामने कई चुनौतियाँ और समस्याएँ हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि इनसे निपटने के लिए ज्ञान, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीक और कौशल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ऐसे मानव संसाधन वाले देश का भविष्य उज्ज्वल होता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदीजी ने इस संबंध में संदेश दिया है और कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस मौके पर सांसद पी.सी. मोहन, प्रदेश महासचिव प्रीतम गौड़ा, प्रदेश सचिव लक्ष्मी अश्विन गौड़ा, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथनारायण, पूर्व विधान परिषद सदस्य ए.एच. शिवयोगीस्वामी, पूर्व प्रदेश भाजपा सचिव जगदीश हिरेमनी, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हमारे कंधों पर तिरंगा और सीने पर संविधान

स्वतंत्रता कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे कीमत देकर खरीदा जा सके: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि लोकतंत्र बचाएँ, संविधान और चुनावी व्यवस्था की रक्षा करें, करों के असमान वितरण के खिलाफ लड़ें, तानाशाही को खत्म करने का संकल्प लें। 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के एक हिस्से के रूप में, शिवकुमार ने शुक्रवार को ध्वजारोहण के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा सभी को 79वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ। स्वतंत्रता कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे कीमत देकर खरीदा जा सके। यह जीवन की साँस है। हमारी पार्टी के नेताओं ने कड़ा संघर्ष किया और देश को आजादी दिलाई। इसलिए, आज हम सभी को पाँच प्रतिज्ञाएँ लेने की जरूरत है। हम लोकतंत्र की रक्षा करेंगे, संविधान, देश की चुनावी व्यवस्था और वोटों की रक्षा करेंगे, करों के असमान वितरण के खिलाफ लड़ेंगे और देश में तानाशाही को खत्म करके एक जन-हितैषी सरकार वापस लाएँगे। हमें इन पाँच प्रतिज्ञाओं को हर दिन याद रखना चाहिए। हमें 2029 तक दूसरे स्वतंत्रता संग्राम की प्रस्तावना लिखनी होगी। स्वतंत्रता दिवस हमारे इतिहास को बताने का दिन है। यह हम भारतीयों और कन्नड़ लोगों के लिए गर्व का दिन है। देश का पहला स्वतंत्रता संग्राम कर्नाटक में हुआ था। शिवमोग्गा जिले का एसूर स्वतंत्रता की घोषणा करने वाला पहला गाँव था। अंग्रेजों को हराने वाली पहली महिला कित्तूर की रानी चेन्नम्मा थीं। हमें 1930 में कांग्रेस नेता हनुमंतराव के नेतृत्व में अंकोला में शुरू हुए नमक सत्याग्रह को याद रखना होगा। इस प्रकार, कन्नड़ लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है। हमें इस इतिहास को फिर से जीना चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम में साढ़े छह लाख कांग्रेसियों ने अपने प्राणों की आहुति दी। हजारों अन्य लोगों ने अपने घरों, मठों और जीवन का बलिदान दिया। हमारे लिए राष्ट्रीय ध्वज फहराना और राष्ट्रगान गाना पर्याप्त नहीं है। हमें नई पीढ़ी को यह बताने की जरूरत है कि हम वह पार्टी हैं जिसने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। कांग्रेस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को साहस के साथ बोलना चाहिए। जब तक हममें यह साहस नहीं होगा, देशद्रोही हमें देशभक्ति का पाठ पढ़ाते रहेंगे। महात्मा गांधी, नेहरू और सरदार पटेल सहित कई कांग्रेस नेताओं को लेकर झूठी खबर फैलाई जा रही है। नेहरू ने 9 साल जेल में बिताए। उस समय देश कांग्रेस के नेतृत्व में एकजुट था। मौलाना आजाद, दादाबाई नवाबजी, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, नेहरू, अंबेडकर, वल्लभभाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सरोजिनी नायडू, गोपालकृष्ण गोखले, बिपिन चंद्रपाल और अन्य कई महान लोग हैं जिन्होंने देश के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा केवल कांग्रेसियों ने ही देश के लिए अपना जीवन, मन और धन समर्पित किया है। कई मौकों पर विपक्षी दल पूछते हैं कि कांग्रेस ने देश के लिए क्या योगदान दिया है। कहना चाहिए, कि कांग्रेस ने देश को आजादी, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज दिया। हमारे कंधों पर तिरंगा और सीने पर संविधान है। इसलिए हमें समाज में मानवता और स्वतंत्रता को याद रखना चाहिए। कांग्रेस ने देश को मानसिक, कानूनी, व्यक्तिगत, धार्मिक, बौद्धिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आजादी दी। कांग्रेस ने संविधान के तहत जीने और अपनी पसंद के जनप्रतिनिधि चुनने की आजादी भी दी। जो लोग छल-कपट से इस आजादी को खतरे में डालते हैं, वे न केवल संविधान विरोधी हैं, बल्कि जीवन-विरोधी भी हैं। उन्हें असामाजिक तत्व माना जाना चाहिए। उन्हें आजादी का दुश्मन माना जाना चाहिए। देशहित में, संविधान के साथ हो रही धोखाधड़ी को रोका जाना चाहिए। संविधान की आकांक्षाओं की रक्षा की जानी चाहिए। आज वोटों की चोरी देश के सम्मान के लिए खतरा बन रही है। हमारे नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने कर्नाटक से ही इसके खिलाफ लड़ाई की प्रस्तावना लिखी है। इसके लिए हम सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है। आपकी ढाई साल की मेहनत की बदौलत कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई है। कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है और लोगों के जीवन के बारे में सोचकर राजनीति कर रही है। लेकिन विपक्षी दल भावनाओं पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया हमें अगले नगर निगम और स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार रहना होगा। सरकार ने अगले छह महीनों में चुनाव कराने का फैसला किया है और आप सभी को इसके लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

कानून का पालन करना हम सभी की जिम्मेदारी: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि जिन लोगों ने गलत किया है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। सरकार की इच्छा धर्मस्थल मामले में विरोध के बजाय न्याय पाने की है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा मैंने धर्मस्थल को करीब से देखा है। मैं वहाँ की भक्ति और समर्पण से वाकिफ हूँ। आने वाले दिनों में धर्मस्थल के खिलाफ साजिश का पर्दाफाश होगा। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर सोमवार को विधानसभा में बहस का जवाब देंगे और देश की जनता को सच्चाई बताएंगे। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे चर्चा की है और उन्हें कुछ बातें बताई हैं। मुख्यमंत्री ने धार्मिक स्थलों से जुड़े झूठ, षड्यंत्र, अपमान और कुकृत्यों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा की बैठक में सभी को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। अगर आरोप झूठे हैं, तो सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, यह एक बड़ी बात है। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। कानून का पालन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। लेकिन उन्होंने कहा कि वे बेवजह के आरोप बर्दाश्त नहीं करेंगे। वे यहां किसी को नहीं बचाएंगे।

बेंगलूरु के अदुगोडी में 'संदिग्ध विस्फोट' में नाबालिग की मौत, नौ घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण-पूर्वी बेंगलूरु के अदुगोडी इलाके के विल्सन गार्डन में शुक्रवार को हुए एक 'संदिग्ध विस्फोट' में एक नाबालिग की मौत हो गई और कम से कम नौ लोग घायल हो गए। सभी घायलों को पास के एक अस्पताल ले जाया गया। यह घटना सुबह करीब 8.20 बजे चिन्नैयानपाल्या की एक छोटी सी बस्ती में एक छोटे से घर में हुई। पुलिस नियंत्रण कक्ष को सुबह 8.23 बजे विस्फोट की सूचना मिली और अग्निशमन विभाग को सुबह 8.25 बजे सूचित किया गया। विभाग के सूत्रों के अनुसार, दो दमकल गाड़ियाँ तुरंत भेजी गईं।

विस्फोट की तीव्रता के कारण इलाके में कम से कम 10 अस्थायी घर ढह गए। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी, जबकि अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग के कर्मचारी मलबा हटा रहे थे। घटनास्थल का दौरा करने वाले बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने कहा विस्फोट में दस घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। नौ लोग अस्पताल में भर्ती हैं और एक बच्चे की मौत हो गई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह सिलेंडर विस्फोट था, तो सिंह ने कहा कि विस्फोट की प्रकृति के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। घटनास्थल का दौरा करने वाले अन्य वरिष्ठ अधिकारियों में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सारा फातिमा भी शामिल थीं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

माध्यम गौशाला में मनाया स्वतंत्रता दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सरजापुर रोड स्थित माध्यम गौ शाला में 79 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने झंडा रोहण किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मां भारती के लिए शहादत देने वाले वीर सपूतों को याद कर उन्हे श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

इस अवसर पर गौमाता पूजन कर प्रसाद खिलाया गया। इस अवसर पर सुनील शर्मा, जे. बाबूलाल, महेंद्र शर्मा, राजेश शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, घनश्याम शर्मा, भूपेश कश्यप, गोविंद शर्मा, अविनाश शर्मा, विकास शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जैन समाज के अनेक सेनानियों ने सहयोग दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री मलयप्रभ सागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जैन समाज के अनेक सेनानियों ने सहयोग दिया और स्वतंत्रता हेतु अपने प्राणों का बलिदान दिया। स्वतंत्रता संग्राम में जैन समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलने वाले जैन समाज ने देश को अंग्रेजों से मुक्त कराने के लिए संघर्ष किया। जैन धर्म के सिद्धांतों, जैसे अहिंसा और सत्य, ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जैन धर्म अहिंसा पर जोर देता है, और इस सिद्धांत ने स्वतंत्रता आंदोलन में शांतिपूर्ण प्रतिरोध और सत्याग्रह के लिए प्रेरित किया। साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी ने कहा कि सत्य के मार्ग पर चलने और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जैनों ने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई। जैन समाज के कुछ प्रमुख योगदान जिसमें जैन समाज के उद्योगपतियों और व्यापारियों ने क्रांतिकारियों को आर्थिक सहायता और सामग्री प्रदान की। इस अवसर पर ज्ञान वाटिका के बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नृत्य नाटिका और गीत भी प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में ज्ञान वाटिका की अध्यापिकाओं का सहयोग रहा। इस अवसर पर हैदराबाद ज्ञान वाटिका के सदस्य भी उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जोगपाल्यम मित्र मंडल ने शुक्रवार को ध्वजारोहण कर राष्ट्र का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। अलसूर स्थित दसवीं स्ट्रीट के चौराहे पर मंडल ने बच्चों से ध्वजारोहण कराया और मिठाई वितरित की। भुवनेश्वरी देवी की पूजा करके राष्ट्र गान का गायन किया। इस अवसर पर महावीर छाजेड़, जिनेन्द्र बांठिया, देवराज सेठिया, सुरी राजपुरोहित, अंकुश छाजेड़, केयाँश बांठिया, शिवा आदि उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर बांटे वस्त्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्तिक सेवा ट्रस्ट द्वारा स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर क्लासीपाल्यम स्थित बिनोबा नगर में जरूरतमंदों में वस्त्र वितरण कर सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन चेयरमैन सतीश मित्तल, उप चेयरमैन श्याम बंसल, अध्यक्ष बिमल कुमार सरावगी, नरेश जैन, नरेश अग्रवाल, अशोक गर्ग, सोमसुन्दर बालन, अजय खेमका, गौरव जिंदल, गजेन्द्र अग्रवाल, पवन बंसल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर सेवा का लाभ लिया।

पिंजरे में रहने वाला व्यक्ति कभी सुखी नहीं हो सकता : संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि जिसके ऊपर कोई कर्जा नहीं है और दबाव नहीं है, वहीं मनुष्य संसार में सुखी और आनंदित है। स्वाधीनता सुख और पराधीनता दुख है। पराधीन मानव को तो सपने में भी सुख नहीं है। जिसके मन में डर है, कर्जा है उसको स्वादिष्ट भोजन भी अच्छा नहीं लग सकता है। इसलिए कहते हैं कि स्वतंत्रता में सुख है। पिंजरा भले ही सोने का हो, लेकिन पिंजरा तो पिंजरा ही होता है। पिंजरे में रहने वाला व्यक्ति कभी सुखी नहीं हो सकता है। पक्षी को अगर पिंजरे में बांध कर अच्छा अच्छा खिलाओगे तो भी वह दुखी ही रहेगा। पिंजरे के बाहर का पक्षी बिना खाए भी सुखी है। इस लिए जीवन में कभी भी पिंजरे जैसी स्थिति नहीं बनानी चाहिए। कर्ज लेकर दुखी मन से खाने के बजाय बिना खाए रह जाना बेहतर है। स्वतंत्रता में जो सुख है वह परतंत्रता में नहीं है। इस दिन हमें यह सोचना चाहिए कि हम गुलाम किस लिए हुए। क्योंकि एकता में दरार आई थी। मिल जुल कर रहोगे तो कोई कुछ नहीं कर सकता है। लेकिन बिखर जाओगे तो गुलाम बनना ही पड़ेगा।

गुलाम नहीं बनना है तो सभी के साथ मिल कर रहना सीखो। गुरुदेव ने फरमाया कि जब मनुष्य इकट्ठा होता है तो वहां लोग आने से भी डरते है। लेकिन वही जब बिखर जाते है तो लोग अपने हिसाब से बात बनाना शुरू करके और दूर करने का काम करने लगते है। जो भारत में है वह दुनिया में कही नहीं है। हमारी संस्कृति सबसे अलग है। यहां त्याग, तपस्या के साथ सब कुछ है।

आज जिस स्वतंत्रता दिवस को हम मना रहे हैं, उसके पीछे बहुत त्याग है। उनके त्याग को कभी भूलना नहीं चाहिए। इस स्वतंत्रता दिवस से हमे भी स्वंतत्र होने का संकल्प लेना चाहिए। कर्मों के बंधन से स्वतंत्र होना चाहिए। जीवन में आगे जाना है तो खुद को स्वतंत्र रखो। इस शरीर को तप त्याग में लगा कर मानव भव को स्वतंत्र करने का प्रयास करना चाहिए। इसी बीच उमराव कवंर जी की 103वीं जन्म जयंती मनाई गई। गुरुदेव ने बताया कि महापुरुषों के योगदान के साथ ही महासतियों का भी योगदान होता है। महासतियों के योगदान से कई महापुरुष हुए हैं। किशनगढ़ के पास एक गांव में उमराव कवंर जी का जन्म हुआ था। 13 वर्ष की उम्र में उनका विवाह हुआ और 17 वर्ष की उम्र में विधवा हो गई। महासति उमराव कवंर में अपार ज्ञान था। उमराव कवंरजी सरल स्वाभाव की धनी थी। उनसे बड़े बड़े जज भी डरते थे। एक बार अगर वह डांट देती थी तो सभी शांत हो जाते थे। कोई भी संत उनसे मिले बिना नहीं जाते थे। मैने भी उनको बहुत करीब से देखा है। ऐसे महान सति संतों के जीवन से मनुष्य को कुछ सीख कर कर्मों की निर्जरा करनी चाहिए। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को दोपहर के प्रवचन में पूज्य गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी के संस्मरण एवं प्रेरणा से संग्रहित जिस पुस्तक का प्रकाशन हुआ है, का विमोचन किया जाएगा।

खागा ने फहराया तिरंगा और अन्नदान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटका होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन ने स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर मामुलपेट स्थित गवर्मेंट स्कूल के पास ध्वजारोहण कर सलामी दी। इस अवसर पर सामुहिक राष्ट्रीय गान हुआ।

खागा अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सभी का स्वागत किया एवं कार्यक्रम का शुभारंभ देश भक्ति के मनमोहक गीतों के साथ किया। कार्यक्रम के पश्चात् खागा द्वारा अन्नदान का आयोजन किया गया। एवं व्यापारियों ने आपस में एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाईयां दी। सचिव कैलाश बालर ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर खागा के उपाध्यक्ष नरपतसिंह राजपुरोहित, सह सचिव बिशनसिंह विराणा, जोग सिंह पुरोहित, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, नेमीचंद जैन, गौतमचंद पोरवाल, कार्य समिति सदस्य चंपालाल जैन, राजेश बंदा, भंवरलाल पटेल, सिद्धार्थ जैन, गौरव शर्मा, राजेश बाहोती, धीरज पटीयात एवं मामूलपेट संघ के सरवना सहित कई व्यापारी बंधु उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय औद्योगिक क्षेत्र बोमसंद्रा के हुलिमंगला रोड पर स्थित डी. एस. मेक्स स्काय क्लासिक में 79वां स्वतंत्रता दिवस का आयोजन बहुत ही धूमधाम से किया गया। उपस्थित महिलाओं द्वारा राष्ट्र गीत का गायन किया गया। उपस्थित 93 वर्ष की अम्मा से लेकर नन्हें-मुन्हें बच्चे, नवजवानों ने आजादी के प्रति अपना उद्गार व्यक्त किया तथा राष्ट्र हित के लिए संकल्प शीलता का भाव दिखाया। इस मौके पर श्रीकांत शर्मा ने आजादी से ओतप्रोत एक कविता भी सुनाया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल टी. दासरहल्ली ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कन्या सुरक्षा स्थंभ पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया। ध्वजारोहण तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा गीता बाबेल द्वारा किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का गायन हुआ। इस मौके पर अध्यक्षा गीता बाबेल, मंत्री किरण मेहर, सह मंत्री सरोज मारू, प्रचार प्रसार मंत्री डिंपल चावत एवं प्रिया पितलिया, निवर्तमान अध्यक्षा नेहा चावत भी उपस्थिति थी।

बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन ने स्वतंत्रता दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक्स डीलर्स एसोसिएशन द्वारा दक्षिण भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक बाजारों में से एक एस पी रोड में भारतीय स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः ध्वजारोहण उपाध्यक्ष ललित डाकलिया, मदनलाल धोका, किशोर राजपुरोहित, उदेश राजपुरोहित, सहमंत्री विशाल बोहरा, दिनेश चारण आदि पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा किया गया। अध्यक्ष विशाल वरन्दानी और मंत्री अरुण लुणावत ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की। एसोसिएशन के प्रवक्ता और उपाध्यक्ष ललित डाकलिया ने पूरे वर्ष भर में एसोसिएशन द्वारा किए गए कार्यों को विस्तार से बताते हुए कहा कि ध्वजारोहण के पश्चात प्रतिवर्ष की भांति रंगारंग सांस्कृतिक समारोह का आयोजन भी किया गया, जिसमें देशभक्ति के गीत, कविताएं और नृत्य प्रस्तुत किए गए। तत्पश्चात लड्डू वितरण किए गए। इस अवसर पर एसोसिएशन के अनेक पदाधिकारी और सदस्यों के साथ आम जनता भी उपस्थित थी। कार्यक्रम में अनिल राजपुरोहित, रिषी राजपुरोहित, विनोद पुरोहित आदि सदस्यों का सहयोग रहा।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत रद्द किए जाने के बाद

पुलिस ने अभिनेता दर्शन और 7 सह-आरोपियों को गिरफ्तार किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ फिल्म स्टार दर्शन को गुरुवार को होसाकेरेहल्ली स्थित अपनी पत्नी के अपार्टमेंट पहुँचते ही हिरासत में ले लिया गया। रेणुकास्वामी हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी जमानत रद्द किए जाने के बाद, दर्शन शहर से बाहर थे। पुलिस द्वारा उन्हें अदालती आदेश की सूचना देने और उनके सामने पेश होने का निर्देश दिए जाने के बाद, वे शहर लौट आए। वे एक महंगी एसयूवी में आए थे, लेकिन बीच रास्ते में ही किसी दूसरी गाड़ी में चले गए, कथित तौर पर अपार्टमेंट के पास जमा मीडिया से बचने के लिए। इसके बाद वे पिछले दरवाजे से परिसर में दाखिल हुए। इससे पहले, पुलिस ने दर्शन की करीबी सहयोगी और सह-आरोपी पवित्रा गौड़ा को मामले के छह अन्य आरोपियों के साथ गिरफ्तार किया। उन्हें औपचारिकताओं के लिए अन्नपूर्णेश्वरी नगर पुलिस स्टेशन ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि दर्शन सहित सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए अदालत में पेश करने से पहले अनिवार्य चिकित्सा परीक्षण कराया गया। ये गिरफ्तारियाँ तब हुईं जब सर्वोच्च न्यायालय ने चित्रदुर्ग निवासी रेणुकास्वामी की हत्या के सिलसिले में दर्शन और अन्य को निचली अदालत द्वारा दी गई जमानत को रद्द कर दिया। रेणुकास्वामी की जून में हुई मौत ने कर्नाटक में व्यापक जन-ध्यान और विवाद पैदा कर दिया था।

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बन्नूर कस्बा स्थित डाक घर में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। मुख्य अथिति महेंद्र सिंह राजपुरोहित रहे। डाक विभाग की ओर से राजपुरोहित का सम्मान किया गया। उन्होंने डाक विभाग के अधिकारियों के साथ तिरंगा फहराया। आजादी का पर्व मनाते हुए आपस में एक दूसरे को बधाईयां देते हुए मुंह मीठा कराया गया। इस मौके पर डाक विभाग के अधिकारी मादप्पा, कुमार, देवराज, महादेव, लक्ष्मी, कृष्ण गौड़ा, आनंद आदि उपस्थित रहे।

मातृछाया ने दृष्टिबाधित बच्चों के साथ मनाया स्वतंत्रता का पर्व

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मातृछाया जैन महिला संगठन ने पीन्या स्थित नेत्रहीन विद्यालय ब्लेस्स सोसायटी ऑफ रूरल एंड अर्बन डेवलपमेंट में ध्वजारोहण एवं सेवा कार्य आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसमें विद्यालय प्रबंधन एवं मातृछाया संगठन के पदाधिकारी सम्मिलित रहे। राष्ट्रीय ध्वज लहराते ही देशभक्ति के गीतों और जयघोष से विद्यालय का वातावरण गूंज उठा। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने स्वागत करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें अपने देश के बलिदानों की याद दिलाता है और हमें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा भी देता है। देश का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा जब सभी बच्चे शिक्षा से जुड़ेंगे। सचिव रेशमा बड़ोला ने कहा बच्चों की शिक्षा में सहयोग करना राष्ट्र-निर्माण में सीधा योगदान है। आज जो बीज बोया है, वह कल सशक्त भारत का वृक्ष बनेगा। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि विद्यालय की वर्तमान आर्थिक कठिनाइयों को देखते हुए मातृछाया संगठन ने दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म, नोटबुक, स्टेशनरी सामग्री एवं मिठाइयाँ वितरित की। साथ ही समाज के लोगों को अच्छी स्थिति में अनुपयोगी कपड़े, बेडशीट्स, फुटवियर और शैक्षणिक सामग्री दान करने के लिए प्रेरित किया गया। कोषाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि कोई भी बच्चा शिक्षा के अवसर से वंचित न रहे। हर बच्चा देश की अनमोल पूँजी है। इन बच्चों के सपनों को पंख देना भी देशभक्ति है। विद्यालय प्रबंधन ने इस सहयोग के लिए मातृछाया संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योगदान इन छात्रों के शिक्षा के साथ आत्मविश्वास भी मजबूत बनाएगा। इस अवसर पर कांता समदड़िया, बबिता श्रीश्रीमाल, पुष्पा सोनिगरा, मीना सोनिगरा, लीला भंसाली, रीटा जैन, त्रिशला दांतेवाड़िया, रिंकू श्रीश्रीमाल, कंचन जैन, पवन मुथा, सारिका लुंकड़, हेमा बंदामुथा, सुनीता भंडारी, भावना जैन, कविता नाहर, नीतू भंसाली, प्रियंका रांका, किरण खांटेड़, पवन ओस्तवाल आदि सदस्याएं उपस्थित रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बनेरघट्टा के गोटीगेरे स्थित, सोलारिस अपार्टमेंट में 15 अगस्त का कार्यक्रम अनोखे अंदाज में मनाया गया। जहां अपार्टमेंट के सभी छोटे बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। जिसमें पहले बच्चों द्वारा ही ध्वजारोहण किया गया। उसके बाद सभी बच्चों ने एक एक करके अपनी प्रस्तुति दी। जिसमें देशभक्ति के गीतों के द्वारा देशभक्तों की लड़ाई और उनके बलिदानों को नाटक द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिससे उपस्थित दर्शक और अपार्टमेंट के निवासियों को देशभक्ति का एक अनोखा नजारा देखने को मिला। अपार्टमेंट के अध्यक्ष विक्रम और सचिव निलोय ने छोटे बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें पुरस्कार और मिठाई दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री पार्श्व संस्कार वाटिका राजाजीनगर में देश भक्ति के गीतों के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों की वेश भूषा में भाग लेकर कार्यक्रम को मनमोहक बनाकर बड़े ही शानदार तरीके के प्रस्तुति दी। इस अवसर पर श्री पार्श्व संस्कार वाटिका के संचालकों के साथ टीचर, युवा टीम ने भी भाग लिया। प्रकाश भोजानी ने यह जानकारी दी।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, हैदराबाद ने 79वें स्वतंत्रता दिवस को उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), स्थानीय प्रधान कार्यालय, कोटी, हैदराबाद ने 79वें स्वतंत्रता दिवस को देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रचनात्मक और आकर्षक गतिविधियों के साथ उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर हमारी साझा विरासत और मूल्यों का उत्सव मनाया गया।

मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम)एस. राधाकृष्णन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय गान गाया। अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में, श्री राधाकृष्णन ने भारत की कमी से आत्मनिर्भरता तक की उल्लेखनीय यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपनी बचपन की यादों को साझा करते हुए बताया कि कैसे वे राशन की कतारों में खड़े होते थे और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए विदेशी सहायता और गेहूं आयात पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि आज भारत न केवल खाद्यान्न निर्यात कर रहा है, बल्कि आर्थिक मजबूती भी हासिल कर चुका है।

उन्होंने राष्ट्र निर्माण में नागरिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को सबसे प्रभावशाली संस्थानों में से एक बताया। उद्योग, सेवाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में एसबीआई भारत के विकास का मजबूत आधार रहा है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि एसबीआई न केवल देश का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक है, बल्कि सबसे लाभदायक कंपनी और विश्व स्तर पर सबसे भरोसेमंद ब्रांडों में से एक है।

तेलंगाना में एसबीआई के 60 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, सीजीएम श्री राधाकृष्णन ने इस वर्ष प्रत्येक जिले में बाजार हिस्सेदारी को 1% बढ़ाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य घोषित किया। उन्होंने सभी नेताओं-मुख्य महाप्रबंधकों, महाप्रबंधकों, शाखा प्रबंधकों, सहायक महाप्रबंधकों और कर्मचारी संघों-से इस मिशन में एकजुट होने और एसबीआई की समावेशी बैंकिंग नीति को मजबूत करने का आह्वान किया।

श्री राधाकृष्णन ने पूर्वोत्तर भारत में अपने अनुभव साझा करते हुए वहां की रसद संबंधी चुनौतियों की तुलना तेलंगाना की सुगमता और अवसरों से की। उन्होंने सभी से यहां उपलब्ध विशेषाधिकारों को पहचानने और अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का आग्रह किया।

पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए, उन्होंने सभी को हमारी साझा मानवता और सहकर्मियों, ग्राहकों सहित सभी नागरिकों की सुरक्षा और समर्थन की जिम्मेदारी की याद दिलाई। उन्होंने दैनिक व्यवहार में मान्यता, सम्मान और दयालुता के महत्व पर जोर दिया, चाहे वह सलामी का जवाब देना हो या अधीनस्थों की सराहना करना।

सीजीएम ने अपने भाषण का समापन एसबीआई को तेलंगाना में न केवल सबसे बड़ा, बल्कि सबसे अच्छा बैंक बनाने के आह्वान के साथ किया। उन्होंने करुणा, नेतृत्व और सामूहिक संकल्प के साथ ग्राहकों और सहकर्मियों की सेवा करने का आग्रह किया, जैसा कि हम अपने देशवासियों के प्रति प्रेम महसूस करते हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में कर्मचारियों और उनके परिवारों की सक्रिय भागीदारी के साथ विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। कर्मचारियों ने देशभक्ति गीत गाए और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए। खेल, नृत्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों और उनके बच्चों को सम्मानित किया गया।

इस आयोजन में श्रीमती शेनबगा देवी, अध्यक्ष, एसबीआई लेडीज क्लब, रवि कुमार वर्मा (महाप्रबंधक, नेटवर्क-1), सतीश कुमार (महाप्रबंधक, नेटवर्क-2), उप-महाप्रबंधक, अन्य वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवार उपस्थित थे।

श्रीश्याम मंदिर, काचीगुडा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन आज

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री काँची कामकोटि पीठम् श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में काचीगुडा, वीरन्नागुट्टा स्थित श्री श्याम मंदिर में शनिवार, दि. 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर भक्तों के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। यह जानकारी मंदिर समिति के मंत्री इंद्रकरण अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी। महोत्सव के दिन, भक्तगण सुबह 6.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक और फिर शाम 4.00 बजे से रात 12.00 बजे तक मंदिर में दर्शन कर सकेंगे। इस दौरान लड्डू गोपाल की भव्य झाँकी, श्याम बाबा का अद्भुत श्रृंगार, छप्पन भोग और फूलों से भव्य सजावट आकर्षण का केंद्र होंगे।

जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर रात्रि 7.00 बजे से मध्यरात्रि तक भजन संध्या का आयोजन किया गया है। इसमें श्याम के लाडले (हैदराबाद), प्रियंका गुप्ता (कोलकाता) और तुषार चौधरी (कोलकाता) अपनी मधुर वाणी में भजन प्रस्तुत करेंगे। मध्यरात्रि 12.00 बजे धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

मंदिर समिति के मंत्री इंद्रकरण अग्रवाल ने सभी सदस्यों, दानदाताओं और भक्तों से परिवार सहित मंदिर में पधारकर दर्शन और प्रसाद का लाभ लेने का आग्रह किया है।

मिधानि ने 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया नए भारत के निर्माण का संकल्प

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने 79वां स्वतंत्रता दिवस अपने कार्यालय परिसर में देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया। इस समारोह में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस. वी. एस. नारायण मूर्ति, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मूर्ति द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके बाद सीआईएसएफ दल ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया। मिधानि टीम और सीआईएसएफ की परेड ने संगठन के अनुशासन को प्रदर्शित किया। अपने संबोधन में डॉ. मूर्ति ने कहा, स्वतंत्रता दिवस केवल हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह भविष्य के लिए हमारी जिम्मेदारियों को निभाने का भी दिन है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की नींव केवल युद्धभूमि पर नहीं, बल्कि कारखानों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और देशभक्त पेशेवरों के दिलों में बनती है।

डॉ. मूर्ति ने भारत की रक्षा उत्पादन में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में स्वदेशी रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है, जबकि रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ तक पहुंच गया है। उन्होंने गर्व से कहा कि मिधानि ने इस प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कंपनी ने मिसाइल, एयरोस्पेस, नौसेना प्रणालियों, ऊर्जा और अंतरिक्ष कार्यक्रमों जैसे इसरो के गगनयान मिशन के लिए आवश्यक सामग्रियों का स्वदेशीकरण और आपूर्ति की है। साथ ही, इसने उन्नत मिश्र धातुओं, आर्मर समाधानों और रणनीतिक परियोजनाओं के लिए विशेष सामग्रियों के विकास में भी सफलता हासिल की है।

सीएमडी ने मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड की परिकल्पना साझा करते हुए मिधानि को उन्नत सामग्रियों का वैश्विक केंद्र बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कर्मचारियों के समर्पण की सराहना की और उन्हें नवाचार और राष्ट्र गौरव के साथ काम करने का संदेश दिया।

समारोह में बीपीडीएवी स्कूल के छात्रों और मिधानि कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इसके बाद, मेधावी छात्रों, उत्कृष्ट कर्मचारियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदेमातरम् के साथ हुआ, जो राष्ट्र की प्रगति और सुरक्षा के प्रति मिधानि की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

अग्रवाल शिक्षा समिति में भव्य स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया, जिसमें देश के लिए बलिदान देने वाले पूर्वजों को श्रद्धांजलि दी गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता और विशिष्ट अतिथि के रूप में केयर अस्पताल के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एम. श्रीनिवास राव उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि अनिरुद्ध गुप्ता द्वारा ध्वजारोहण किया गया। समिति के एन.सी.सी. कैडेट्स और स्कूल के विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट कर तिरंगे को सलामी दी। मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में बताया कि अग्रवाल शिक्षा समिति को 100 वर्ष पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि समिति श्रेष्ठ शिक्षा प्रदान कर विद्यार्थियों को उत्तम नागरिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए नए पाठ्यक्रम भी जोड़े जा रहे हैं।

डॉ. श्याम सुंदर (चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड) ने विद्यार्थियों से मेहनत करने और देश की उन्नति में योगदान देने का आग्रह किया।

डॉ. एम. श्रीनिवास राव ने कहा कि आजादी हमें सैनिकों के संघर्ष से मिली है और विद्यार्थियों को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने स्वयं को इसी समिति का पूर्व छात्र बताते हुए गर्व महसूस किया और विद्यार्थियों को दूसरों के गुणों को अपनाने की सलाह दी। अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने देश की आजादी को बनाए रखने और उसकी प्रगति में योगदान देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगे के तीन रंग हमारी आन, बान और शान हैं और विद्यार्थियों को अनुशासित और समय का पाबंद रहने की सीख दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। 'संस्कार एक धारा' संस्था के श्री रामनिवास बंसल और श्री भगत सिंह को भी सम्मानित किया गया। समिति में 20 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले कर्मचारियों को और वार्षिक परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 'एल.एन. गुप्ता मैरिट पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। एस.डी.एस. कॉलेज के एन.सी.सी. कैडेट्स को उनके अनुशासन और सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें सभी प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

एनएमडीसी ने 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया, नए भारत के विजन पर जोर

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी ने हैदराबाद स्थित अपने मुख्यालय और देश भर में फैली अपनी खनन इकाइयों में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस वर्ष का समारोह 'नए भारत' की थीम पर केंद्रित था, जिसने भारत की आत्मनिर्भरता और प्रगति को दर्शाया।

एनएमडीसी के सीएमडी अमिताभ मुखर्जी ने हैदराबाद के कॉर्पोरेट कार्यालय में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक श्री विनय कुमार (तकनीकी), श्री जॉयदीप दासगुप्ता (उत्पादन), और श्रीमती प्रियदर्शिनी गद्दाम (मानव संसाधन) सहित अन्य कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य मौजूद थे।

इस समारोह में, श्री मुखर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि यह स्वतंत्रता दिवस विशेष रूप से वीरता से परिपूर्ण है, क्योंकि यह केवल हमारी स्वतंत्रता का स्मरण नहीं, बल्कि उसकी रक्षा का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एनएमडीसी राष्ट्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 में 55 मिलियन टन उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जिसके जरिए 2030 तक 100 मिलियन टन के लक्ष्य को पार करने की उम्मीद है।

उन्होंने एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एलएसएल) की हालिया उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें एक ही दिन में 11,205 टन हॉट मेटल का उत्पादन, वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 25.7 करोड़ रुपये का कर-पश्चात लाभ, और 1.2 एमएम थीक हॉट रोल्ड कॉइल का सफल रोलआउट शामिल है। उन्होंने बताया कि एनएसएल ने लोगों और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की यह भावना एनएमडीसी से विरासत में ली है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, एनएमडीसी ने पिछले सप्ताह अपने कॉर्पोरेट कार्यालय और छत्तीसगढ़-कर्नाटक में स्थित परियोजनाओं में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

समारोह के दौरान विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिससे कर्मचारियों के बीच एकजुटता और टीम वर्क की भावना को बढ़ावा मिला।

यह समारोह एनएमडीसी की राष्ट्र के विकास और 'नए भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप सभी के लिए एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य के निर्माण के प्रति कंपनी की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव आज

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिंद्रा हिल्स स्थित श्री पहाड़ी श्याम मंदिर में हर साल की तरह इस साल भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

महोत्सव के दौरान, भक्तों के लिए मंदिर 16 अगस्त को सुबह 8.00 बजे से मध्यरात्रि 12.00 बजे तक खुला रहेगा। भक्तगण लड्डू गोपाल की अलौकिक झाँकी और श्रृंगार के दर्शन कर सकेंगे।

शाम 7:15 बजे से आधी रात तक भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से कोलकाता के विवेक शर्मा, हैदराबाद के प्रतीक दाहिमा और पंकज ओझा अपनी मधुर आवाज में भजन प्रस्तुत करेंगे। भजन संध्या का संगीत संयोजन दिल्ली के देव म्यूजिकल ग्रुप द्वारा किया जाएगा।

रात्रि 12.00 बजे धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस शुभ अवसर पर गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जन्माष्टमी महोत्सव की मुख्य सेवाएं झाबरमल बाबुलाल डाकोतिया परिवार द्वारा प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, कई अन्य परिवारों और संस्थाओं ने भी विभिन्न सेवाओं में सहयोग दिया है, जिनमें प्रमुख हैं:

ड्राईफ्रूट भोग: बाबूलाल सुभाषचंद अग्रवाल परिवार, फ्रूट्स सेवा: महेंद्र अग्रवाल (जगदंबा पर्ल्स),

खिलौने की सेवा: मदन ठाकुर परिवार, सिकंदराबाद, बाबा के भोग की सेवा: मनीष बंसल परिवार, कोमपल्ली, श्रृंगार सेवा: श्रीकिशन अमर टिबडेवाल परिवार, राजाप्रसाद मनोजकुमार अग्रवाल परिवार, मेसर्स राधे ज्वेल्स, अशोक कुमार जैन परिवार, श्री तामा मंडल, देव्यानी मंडल और श्री गोपाल जालान परिवार। श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, अशोक सिंघानिया, अक्षय डाकोतिया, प्रवीण अग्रवाल, ब्रिजेश मोदी और राहुल अग्रवाल ने सभी भक्तों और श्याम प्रेमियों से बड़ी संख्या में पधारकर इस उत्सव में शामिल होने का आग्रह किया है।

श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने हेतु विधायक टी. राजा सिंह को आमंत्रित करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया। साथ में हैं विजय अग्रवाल ।

झंडा फहराकर सीएम योगी ने दी स्वतंत्रता दिवस की बधाई

आजादी का अर्थ राष्ट्रीय कर्तव्यों का पालन : योगी

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई दी

भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई दी और स्वतंत्रता संग्राम के उन महान नायकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने देश को सैकड़ों वर्षों की गुलामी से मुक्ति दिलाई। सीएम योगी ने कहा कि यह स्वतंत्रता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और असंख्य क्रांतिकारियों के त्याग, बलिदान और संघर्षों का परिणाम है, जिन्होंने उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम तक देश को एकजुट कर आजादी की लड़ाई लड़ी।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, भारत के संविधान के शिल्पी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और अन्य स्वाधीनता सेनानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता का यह पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति जागरूकता और संकल्प का अवसर है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 'विकसित भारत' के संकल्प की ओर तेजी से अग्रसर है। भारत का संविधान अपने अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। भारत के संविधान ने सम और विषम परिस्थितियों में पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध करके देश के अंदर सामाजिक न्याय, बंधुता और समता के उन संकल्पों को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है।

सीएम योगी ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के शौर्य और स्वदेशी हथियारों जैसे मिसाइलों और ड्रोनों, की ताकत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह भारत की आत्मनिर्भरता और सामर्थ्य का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के माध्यम से स्थानीय उत्पादन को आगे बढ़ाने उसकी ब्रांडिंग करने, उसे मार्केट से लिंक करने, उसको नई डिजाइन और नई तकनीक व पैकेजिंग के साथ न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश और दुनिया के मार्केट तक पहुंचाने के लिए जो कार्यक्रम चला वह प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल के उस अभियान को एक नई ऊंचाई प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को जीवन का हिस्सा बनना देश के स्वाधीनता दिवस का एक संकल्प बनना चाहिए। सीएम योगी ने देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में सिविल पुलिस और अन्य संगठनों की भूमिका की भी सराहना की। सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रेरणा लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के हर नागरिक को अपने कर्तव्यों के प्रति संकल्पबद्ध होकर विकसित भारत के सपने को साकार करना होगा।

चार पीढ़ियों का विवाद पांच मिनट में खत्म होगा

यूपी सरकार जल्द लाने जा रही है नायाब योजना

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के स्टांप एवं पंजीयन मंत्री रवींद्र जायसवाल ने विकसित भारत विकसित यूपी के विजन-2047 पर चर्चा करते हुए बड़े बदलावों की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न न्यायालयों में सबसे ज्यादा मामले पारिवारिक विवादों के हैं। हम जल्द ऐसी योजना लाने जा रहे हैं जिसमें चार पीढ़ियों में आपसी सहमति से विवाद का खात्मा मात्र पांच मिनट में पांच हजार रुपए के स्टांप से हो जाएगा। किराये संबंधी विवाद भी बहुत हैं। इन्हें भी कम करने के लिए रेंट एग्रीमेंट के रजिस्ट्रेशन के नियमों को शिथिल कर ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है कि मात्र 1000, 2000, या 3000 में ही इसका पंजीकरण किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि पासपोर्ट कार्यालय की तर्ज पर रजिस्ट्री ऑफिस को भी अत्याधुनिक बनाया जाएगा। छोटे मूल्य के स्टांप पेपर पर स्टांप वेंडरों का कमीशन बढ़ाया जा रहा है। एटीएम की तर्ज पर स्टांप पेपर की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद तुरंत स्वतः दाखिल खारिज की व्यवस्था भी की जा रही है। घर बैठे बहुत से प्रपत्रों की रजिस्ट्री कराने की व्यवस्था भी की जा रही है। स्टांप ड्यूटी का भुगतान कई माध्यमों से किया जाने की व्यवस्था की जा रही है। अब विवाह का पंजीयन विवाह स्थल पर ही कराने की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कौटिल्य ने कहा था कि कर वसूली संतुलित होनी चाहिए इतनी कि राज्य के खर्च पूरे हों, लेकिन प्रजा पर बोझ न पड़े। कर वसूली के बाद भी प्रजा के पास अपने जीवन और व्यापार के लिए पर्याप्त संसाधन बचे। कर वसूली का तरीका धीरे-धीरे और न्यायसंगत हो।

जैसे सूर्य वाष्प उठाकर बाद में वर्षा के रूप में पानी वापस देता है, वैसे ही राज्य को कर के रूप में ली गई राशि को सार्वजनिक सेवाओं, सुरक्षा, विकास और कल्याण योजनाओं के रूप में प्रजा को लौटाए, इसी सिद्धांत पर विभाग काम कर रहा है।

इसी का नतीजा है कि बिना स्टांप ड्यूटी बढ़ाए विभाग का राजस्व तीन गुना बढ़ा है। पिछले आठ वर्ष से सर्किल रेट में बढ़ोतरी नहीं की गई है। इसके बावजूद आठ साल में रजिस्ट्री की संख्या 28 लाख से बढ़कर 50 लाख हो गई हैं।

आम लोगों के लिए सरकार की जुमलेबाजी

विधायकों के वेतन में 67 हजार की बढ़ोत्तरी

मंत्रियों को होगा फायदा पेंशन भी बढ़ी

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। आम नागरिकों का काम तो सरकार की जुमलेबाजियों से चल जाता है। लेकिन सांसदों और विधायकों को उनकी अनुत्पादकता का पुरस्कार तो मिलना ही चाहिए। सरकारी कर्मचारियों को उसके पेंशन से भले ही वंचित कर दिया गया हो, लेकिन सांसदों विधायकों को शानदार वेतन के अलावा पेंशन भी मिलनी चाहिए। लिहाजा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सभी विधायकों का पूरा ख्याल रखा और विधायकों की सैलरी, उनकी पेंशन और सुविधाएं बढ़ा दी। लोकतंत्र में मौज उन्हीं के लिए रिजर्व है।

विधानसभा और विधान परिषद सदस्यों और मंत्रियों के वेतन और भत्ते बढ़ा दिए गए हैं। इस बढोतरी के बाद विधायकों को सीधे तौर पर हर माह 67750 रुपए और मंत्रियों को 77750 रुपए का फायदा होगा। इसके अलावा कुछ अन्य भत्ते भी रहेंगे। मानसून सत्र के अंतिम दिन बृहस्पतिवार को संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने उत्तर प्रदेश राज्य विधान मंडल सदस्य एवं मंत्री सुख-सुविधा विधि (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।

विधेयक रखते हुए संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि करीब नौ साल पहले अगस्त 2016 में वेतन एवं भत्ते बढ़े थे। सभी दलों की मांग पर कमेटी बनाई गई। कमेटी की संस्तुति के आधार पर बढोतरी की गई है। यह बढोतरी एक अप्रैल 2025 से प्रारंभ होकर प्रत्येक पांच वर्ष के बाद आयकर अधिनियम 1961 (अधिनियम संख्या 43 सन 1961) की धारा 48 के तहत उपबंधित लागत मुद्रास्फीति सूचक के आधार पर वृद्धि की जाएगी। इसके तहत मंत्रियों के वेतन 40 के स्थान पर 50 हजार कर दिया गया है, जबकि विधायकों का 25 की जगह 35 हजार रुपए प्रतिमाह किया गया है।

संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि विधान परिषद के पूर्व सदस्य को 6 वर्ष पूर्ण करने पर 2 हजार प्रतिमाह का अतिरिक्त पेंशन दी जाएगी। प्रथम वर्ष के पश्चात प्रतिवर्ष 2 हजार बढ़ते रहेंगे। अगर किसी का कार्यकाल 6 माह या उससे ज्यादा है तो उसे एक पूरा वर्ष माना जाएगा। वहीं पारिवारिक पेंशन जो अब तक 25 हजार रुपए थी, वह अब बढ़ाकर 30 हजार कर दी गई है। पूर्व विधायकों के लिए रेलवे कूपन प्रतिवर्ष 1 लाख रुपए का मिलता था। इसे बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपए कर दिया गया है। इसमें रेल और हवाई जहाज के लिए 50 हजार रुपए और निजी वाहन के पेट्रोल-डीजल के लिए एक लाख रुपए नगद ले सकते हैं। अगर बाद में ये बच जाते हैं तो ये भी परिवर्तनीय हैं। इससे सरकार पर कुल मिलाकर 105 करोड़ 63 लाख रुपए का वार्षिक बोझ आएगा।

धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर उभरेगा बरेली

दिसंबर 2026 तक विकसित होंगे मंदिर परिसर

बरेली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बरेली शहर को पर्यटन के मानचित्र पर उभारने के लिए नाथ मंदिरों के सुंदरीकरण सहित कई अन्य परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है। दिसंबर 2026 तक इनमें से ज्यादातर प्रोजेक्ट पूरे करने के साथ ही मंदिरों के परिसर को भी विकसित करने की तैयारी है। दावा है कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रवींद्र कुमार ने बताया कि नाथ संप्रदाय और भगवान शिव के अनुयायी अधिकतर देशों में हैं। उनका 12 ज्योतिर्लिंग के साथ प्रमुख धार्मिक स्थलों पर आना-जाना लगा रहता है।

हालांकि, शहर के सात शिव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहर को धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर उभारने पर जोर दिया। बीडीए ने इसे आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री के गुरु महंत अवैद्यनाथ के नाम पर स्वागत द्वार का निर्माण कराया। शिव के प्रतीकों के साथ और द्वार भी बन रहे हैं। लोक निर्माण विभाग ने करीब 50 करोड़ की लागत से कॉरिडोर की सड़कें बनाकर सातों नाथ मंदिरों तक आवागमन आसान किया है।

मंदिरों को सजाने-संवारने और धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए कार्ययोजना बनाने वाले वास्तुविद सुमित अग्रवाल ने कहा कि मंडल के तमाम लोग दूसरे राज्यों और विदेश में बस गए। इनके साथ सनातन को मानने वाले लोगों का आकर्षण नाथ नगरी के मंदिर विकसित होते ही बढ़ेगा। ग्रेटर बरेली में विकसित हो रहा रुद्रावनम और नाथ म्यूजियम परियोजना इसे विस्तार देगी।

आने वाले दिनों में शिव और उनसे जुड़े प्रतीकों की वजह से शहर को नई पहचान मिलेगी।

शहर के सात नाथ मंदिरों में तीन, अलखनाथ, मढ़ीनाथ और तपेश्वरनाथ मंदिर महाभारत काल के हैं। आवागमन की सुविधाएं न होने की वजह से अभी तक देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं न के बराबर आते हैं। अब यह संख्या बढ़ाने के लिए नाथ कॉरिडोर की की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। इसमें शिव मंदिर भी विकसित होंगे।

एक साल में काम पूरा कराने की तैयारी है। तुलसी मठ में बहुउद्देशीय भवन का निर्माण शुरू हो गया। सात नाथ मंदिर भी विकसित होंगे। धोपेश्वरनाथ, त्रिवटीनाथ, मढ़ीनाथ, तपेश्वरनाथ, पशुपतिनाथ, वनखंडीनाथ, अलखनाथ मंदिर के साथ तुलसी मठ का सुंदरीकरण होना है। इसमें अलखनाथ, पशुपतिनाथ, वनखंडीनाथ, त्रिवटीनाथ, तपेश्वरनाथ में सात दिनों के भीतर काम शुरू होगा। पर्यटन अधिकारी मनीष सिंह ने बताया कि 61.83 करोड़ की कार्ययोजना में मंदिर परिसर के साथ तुलसी मठ भी विकसित होगा। कांवड़ स्थल और फोकस वॉल के निर्माण पर पर्यटन विभाग ने अमल शुरू कराया है।

फोकस वॉल पर पहली डिजाइन में शिव परिवार की कांस्य कलाकृति के साथ ही दोनों ओर कलश, त्रिशूल, डमरू आदि उकेरे जाएंगे। फोकस वॉल की दूसरी डिजाइन में शिव का तांडव करता अक्स दिखेगा। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज, रुहेलखंड विश्वविद्यालय, सुरेश शर्मानगर, डीडीपुरम, सौ फुटा तिराहा, एयरपोर्ट, स्टेडियम सहित शहर में 19 स्थानों पर फोकस वॉल को भित्ति चित्रों और नक्काशीदार शिल्प से सजाया जाएगा।

हाईकोर्ट का अहम फैसला : अब एक जमानतदार पर भी मिलेगी रिहाई

सभी जिला जजों को दिया गया निर्देश

प्रयागराज, 15 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में दो के बजाए एक जमानतदार के होने पर भी कैदी को जेल से रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि कई ऐसे मामले संज्ञान में आए हैं कि धनाभाव के चलते तमाम कैदी दो जमानदार की व्यवस्था न कर पाने के कारण लंबे समय तक जेल में बंद रहते हैं।

अब दो के बजाय एक जमानतदार से भी रिहाई मिलेगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सामाजिक और आर्थिक स्थिति की वजह से दो जमानतदारों की व्यवस्था नहीं कर पाने पर कई वर्षों से जेल में बंद रहने के कई मामलों का संज्ञान लेकर यह फैसला दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर

की एकल पीठ ने गोरखपुर की बच्ची देवी की अर्जी पर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि मजिस्ट्रेट या संबंधित न्यायालय आरोपी की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को देखते हुए संतुष्टि पर अब दो के बजाय केवल एक ही जमानतदार पर जमानत स्वीकृत करें। साथ ही जमानत बॉन्ड राशि आरोपी की वित्तीय क्षमता के अनुसार तय की जाए।

हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि यदि कोई अभियुक्त सात दिनों के भीतर जमानती पेश नहीं कर पाता है तो जेल अधीक्षक को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को सूचित करना होगा। इसके बाद उसकी रिहाई के लिए एक वकील की व्यवस्था की जाएगी, ताकि वह बाहर आ सके। अगर किसी अभियुक्त पर कई राज्यों में कई मामले दर्ज हैं तो अदालत गिरीश गांधी बनाम भारत संघ के मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार उसे तुरंत रिहा करेगी।

हाईकोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया है कि वह मुख्य न्यायाधीश के समक्ष इस आदेश की एक प्रति रखें ताकि नए दिशानिर्देश जारी करने पर विचार किया जा सके। साथ ही कोर्ट ने रजिस्ट्रार (अनुपालन) को निर्देश दिया है कि इस आदेश की एक प्रति सभी जिला न्यायाधीशों, पुलिस महानिदेशक, अपर महानिदेशक (अभियोजन) और निदेशक, न्यायिक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, लखनऊ को भेजी जाए। इन अधिकारियों को सुनिश्चित करना होगा कि यह निर्देश प्रभावी ढंग से लागू हो।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक और महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। कोर्ट ने उन आरोपियों को सीधे न्यायिक हिरासत (जेल) में भेजने पर रोक लगा दी है जिन्हें पुलिस ने जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया था। साथ ही निर्देश दिया कि यदि आरोप पत्र गिरफ्तारी के बिना दायर किया गया है तो ट्रायल कोर्ट अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजने के बजाय सीधे जमानत बॉन्ड पर रिहा कर सकता है। अभियुक्त को अलग से जमानत आवेदन दायर करने की आवश्यकता नहीं होगी।

गिरीश गांधी पर 13 अलग-अलग मुकदमे दर्ज थे। सभी में जमानत मिल गई लेकिन वह केवल दो जोड़ी जमानतदार ही ला पाया। बाकी मुकदमों के लिए 22 अन्य जमानतदार नहीं ला पाया और उसे जेल में ही रहना पड़ा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 13 मुकदमों में दो जोड़ी जमानतदार पर ही रिहा करने का आदेश दिया। गोरखपुर के शांति नगर के बिछिया में याची की कृष्णा हार्डवेयर पेंट्स सेंटर नाम से दुकान है। अधिकृत कंपनी के अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान उनकी दुकान से नकली एशियन पेंट्स बरामद हुआ था। 2021 में उन पर धोखाधड़ी, कॉपीराइट अधिनियम सहित कई आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया। चार्जशीट का संज्ञान लेकर ट्रायल कोर्ट ने समन आदेश जारी किया था। याची ने समस्त कार्यवाही को रद्द करने की मांग कर हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में उपस्थित होकर बेल बॉन्ड भरने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि जब तक विशेष परिस्थितियां न हो हिरासत में न लिया जाए।

देवहा नदी में छोड़ा गया 51 हजार क्यूसेक पानी

पीलीभीत के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा

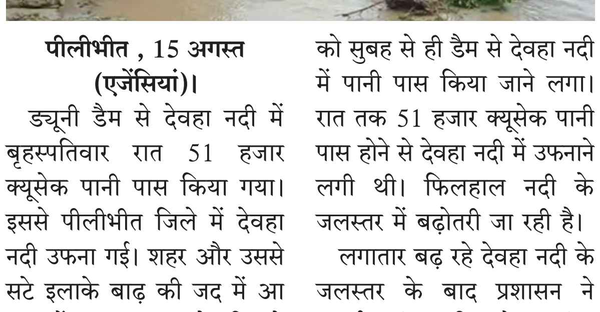

पीलीभीत , 15 अगस्त (एजेंसियां)। ड्यूनी डैम से देवहा नदी में बृहस्पतिवार रात 51 हजार क्यूसेक पानी पास किया गया। इससे पीलीभीत जिले में देवहा नदी उफना गई। शहर और उससे सटे इलाके बाढ़ की जद में आ गए हैं। शुक्रवार को निचले इलाकों में बाढ़ का पानी भरने लगा। बाढ़ के खतरे से लोगों की बेचैनी बढ़ रही है। जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। बाढ़ चौकियों को अलर्ट किया गया है। लोगों को सतर्क किया जा रहा है।

पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के बाद ड्यूनी डैम में पानी का दबाव बढ़ गया। बृहस्पतिवार को सुबह से ही डैम से देवहा नदी में पानी पास किया जाने लगा। रात तक 51 हजार क्यूसेक पानी पास होने से देवहा नदी में उफनाने लगी थी। फिलहाल नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी जा रही है।

लगातार बढ़ रहे देवहा नदी के जलस्तर के बाद प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। तहसील सदर की टीम ने शहर और आसपास के निचले इलाकों में पहुंचकर लोगों को नदी के किनारे न जाने समेत जरूरी सामान को सुरक्षित करने के प्रति जागरूक किया।

ड्यूनी डैम से पानी छोड़े जाने के बाद शहर के बेनी चौधरी, फीलखाना इलाके बाढ़ की जद में आ गया है।

संपादकीय

मंत्रिमंडल की लॉटरी

मानसून का मंत्रिमंडल सत्र तो हो गया, अब विधानसभा सत्र के आगाज की तिथि एवं मजमून तैयार हो रहा है। जाहिर है आपदा के वक्त सरकार की भूमिका और सियासत की परिभाषा में संगत होनी चाहिए, लेकिन बादल फटने का मूड और खड्डों के किनारे टूटने का उसूल बदल गया। हिमाचल इसी मानसून से बहुत कुछ देख रहा है-कहीं पानी पुलों के ऊपर, तो कहीं शहर की गलियां खड्डें बन रही हैं। ऐसे में राहत के न परचम और न ही पांव गिने जाएंगे, फिर भी मंत्रिमंडल की बैठक के सारे उद्बोधन आश्वासन दे रहे हैं कि टूटे घरों की खिड़कियां, पुनः देख पाएंगी अपनी राहत की नींव और सरकार की इच्छाशक्ति की छत करीब आएगी। सरकार टूटे घर को सात लाख और क्षतिग्रस्त को एक लाख हर्जाना देने का हिसाब लगा रही है। मंत्रिमंडल के चार दिन, कई घरों, बेरोजगारों और कर्मचारी इश्तिहारों पर सपने लिख गए। तीन लाख सालाना आय तक, करुणामूलक नौकरी की पात्रता का संदेश कई परिवारों के उजड़े दरिया में समुद्र खोज लाएगा, तो नर्सिंग पाठ्यक्रम में बढ़ती सीटों के आगोश में अभिभावक अपनी औलाद के सपनों को हकीकत में बदल पाएंगे। जाहिर है कई फैसले आवश्यकतानुरूप लिए गए, कई आशा बढ़ाने को लिए गए और कई कारनामा दिखाने को लिए गए, लेकिन प्रदेश के गाल थपथपाने के लिए भी कई सुर्खियां सामने आई हैं। मंत्रिमंडल के सामने आपदा के खुले दरवाजे, विपक्ष की गश्त, बेरोजगारों की कतार, विकास की गुहार और प्रदेश की महत्त्वाकांक्षा के उद्गार लगातार सुने गए, तो हिमाचल के संसाधनों की देखरेख में सियासत के बिल्ले चमकाने की भी आहट रही। इसलिए हिमाचल में अब लॉटरी के खेल-खेल में सौ करोड़ जुटाए जाएंगे यानी शराब के धंधे के बाद लॉटरी का चस्का, प्रदेश के खजाने का रुतबा बढ़ाएगा। अगर पड़ोस में लॉटरी का वसंत काम आया, तो हमारे आंगन में पतझड़ क्यों रखी जाए। चार दिन में भर्तियों की टोकरियां भरी गईं, तो पर्यटन निवेश के जरिये रोजगार को आमंत्रित किया जा रहा है। टूरिज्म क्षेत्र में निवेश प्रोत्साहन परिषद का गठन एक नई हुंकार पैदा कर रहा है। देखना होगा कि कितने कदम लेकर परिदृश्य में नया चमन करवट लेता है। सोलन-सिरमौर में सेटेलाइट टाउन बनाने की उमंग से आवासीय जरूरतों को शगुन मिलने की संभावना बढ़ जाती है, लेकिन पूरे प्रदेश के नक्शे से निकल कर रीयल एस्टेट का जादू चंडीगढ़ के आसपास जिस रफ्तार से बढ़ा है, वहां हिमाचल को शहरीकरण की संपूर्णता में पढना होगा। बसा-बसाया बीबीएन अगर हर रात यहां के शहरीकरण से एक शहर चुराकर रोज चंडीगढ़ की ओर निकल जाता है, तो समझना यह भी होगा कि कहां बस्ती और मंजिल बनानी पड़ेगी। हिमाचल में मोहाली व पंचकूला की तर्ज पर ऊना में एक बड़े शहर की गुंजाइश की भी परख होनी चाहिए। सियासी तौर पर शहरी निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण की पहल से कांग्रेस के राष्ट्रीय मंसूबों का स्थान पक्का किया जा रहा है। हैरानी बस यही है कि मंत्रिमंडल की बैठक और बाहर की चहल पहल में कहीं अंतर पैदा हो रहा है। हिमाचल के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रदेश में रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन की मांग करते हैं, लेकिन इधर केंद्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला परिसर के ईंट-पत्थरों पर एतबार नहीं करते। मंत्रिमंडल केंद्रीय विश्वविद्यालय के देहरा परिसर को उन्नीस करोड़ का पानी पिलाने के लिए उदारता दिखाता है, लेकिन जदरांगल परिसर के अस्तित्व के लिए तीस करोड़ के भुगतान पर खामोश रहता है। जदरांगल परिसर को लेकर उदासीनता की सूची में धूमल व जयराम सरकारों के बाद सुक्खू सरकार भी शामिल हो गई है, यह अब स्वीकार कर लेना चाहिए। भले ही पर्यटन निगम के दफ्तर ने कश्मीर हाउस परिसर को निजी हाथों में जाने से रोक लिया, मगर धर्मशाला के शैक्षणिक माहौल को शिफ्ट करने के लिए सीयू कैंपस का खेल जारी है।

> जाहिर है आपदा के वक्त सरकार की भूमिका और सियासत की परिभाषा में संगत होनी चाहिए, लेकिन बादल फटने का मूड और खड्डों के किनारे टूटने का उसूल बदल गया। हिमाचल इसी मानसून से बहुत कुछ देख रहा है-कहीं पानी पुलों के ऊपर, तो कहीं शहर की गलियां खड्डें बन रही हैं। ऐसे में राहत के न परचम और न ही पांव गिने जाएंगे, फिर भी मंत्रिमंडल की बैठक के सारे उद्बोधन आश्वासन दे रहे हैं कि टूटे घरों की खिड़कियां, पुनः देख पाएंगी अपनी राहत की नींव और सरकार की इच्छाशक्ति की छत करीब आएगी। सरकार टूटे घर को सात लाख और क्षतिग्रस्त को एक लाख हर्जाना देने का हिसाब लगा रही है। मंत्रिमंडल के चार दिन, कई घरों, बेरोजगारों और कर्मचारी इश्तिहारों पर सपने लिख गए। तीन लाख सालाना आय तक, करुणामूलक नौकरी की पात्रता का संदेश कई परिवारों के उजड़े दरिया में समुद्र खोज लाएगा

वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

ललित गर्ग

> मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस "भगवा आतंकवाद" की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है। अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है।

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस "भगवा आतंकवाद" की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है। अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'अहिंसा परमो धर्मः' की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी। भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रूवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और

उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की ज़रूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के 'हिंदू आतंकवाद' की ब्रेकिंग न्यूज़ चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पर्दापाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया। मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी। इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था।

इस पूरे प्रकरण में न्यायपालिका की देरी और जांच एजेंसियों की लापरवाही स्वयं अदालत द्वारा उजागर की गई। अदालत ने कहा कि ना तो घटनास्थल का स्केच बनाया गया, ना फिंगरप्रिंट लिए गए, ना बम के सटीक स्रोत की पुष्टि हुई और ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण था। अभियोजन पक्ष ने जिस मोटरसाइकिल को बम के लिए इस्तेमाल होने की बात कही थी, वह भी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़ी नहीं पाई गई। यह सब कुछ बताता है कि पूरा केस पूर्वग्रहों, दुर्भावना और राजनीतिक साजिश से प्रेरित था। यदि न्याय के नाम पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया जाए, तो वह केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि समस्त समाज और संस्कृति को दंडित करने जैसा होता है। प्रश्न यह उठता है-तो क्या अब तक इन आरोपियों को गलत तरीके से आतंकवादी घोषित कर वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया? हिंदू धर्म और आतंकवाद-ये दो शब्द आपस में मेल नहीं खाते। सनातन संस्कृति का मूल आधार ही शांति, सहिष्णुता और करुणा है। विश्व में यदि कोई धर्म ऐसा है जिसने 'युद्ध नहीं, यज्ञ', 'हिंसा नहीं, अहिंसा' का मार्ग दिखाया है, तो वह हिंदू धर्म है। राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, विवेकानंद और गांधी-इन सभी की परंपरा में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं। 'भगवा आतंकवाद' एक गढ़ा गया मिथक था, जो ना केवल हिंदू समाज को कलंकित करता है, बल्कि भारत की आत्मा को भी चोट पहुंचाता है। भगवा वस्त्र तो त्याग, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। उसे बम और खून से जोड़ना स्वयं भारतीयता के खिलाफ साजिश है। इस फैसले ने जहां एक ओर निर्दोषों को न्याय दिया, वहीं दूसरी ओर यह देश के जनमानस को आत्ममंथन का अवसर भी देता है, क्या हम इतनी आसानी से किसी को भी आतंकवादी घोषित कर देंगे? क्या हम किसी राजनीतिक विचारधारा के विरोध के कारण पूरे धर्म को कटघरे में खड़ा कर देंगे? क्या धर्म का दुरुपयोग कर वोटबैंक की राजनीति करते रहेंगे? साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की प्रतिक्रिया-"आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है" इस बयान में उनके दर्द एवं यथार्थ को समझने की आवश्यकता है। यह केवल एक साध्वी की व्यक्तिगत मुक्ति की खुशी नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज़ है जिनके लिए भगवा आस्था और अस्मिता का प्रतीक है। वर्षों तक मीडिया ने इस मामले को सनसनीखेज बनाकर 'हिंदू आतंकवाद' को ग्लैमराइज किया। प्राइम टाइम पर भगवा को हिंसा से जोड़ना, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 'संदिग्ध आतंकी' की तरह चित्रित करना और बिना न्यायिक पुष्टि के चरित्रहनन करना, पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ था।

देश दुनिया से

विवाह परंपराएं : इतिहास से आधुनिकता तक

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, यह सार्वभौमिक एवं सर्वमान्य सत्य है। समाज विभिन्न प्रकार के सामाजिक संबंधों की एक जटिल संरचना है जिसमें परिवार को एक मूलभूत एवं महत्वपूर्ण संस्था के रूप में समाजशास्त्रियों ने परिभाषित किया है। परिवार को संस्था के रूप में स्वीकार करना, एक बेहतर, सशक्त और सभ्य समाज के निर्माण में इसकी भूमिका को रेखांकित करता है। मनुष्य अपनी प्रारंभिक सामाजिक शिक्षा परिवार से ही प्राप्त करता है और इसी कारण मां को प्रथम गुरु की संज्ञा दी गई है। इस सामाजिक संरचना में विवाह को भी एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में देखा गया है, जो व्यक्ति को सामाजिक जीवन में प्रवेश का माध्यम प्रदान करती है। विवाह का मूल उद्देश्य संतान-उत्पत्ति और परिवार की स्थापना होता है। इस प्रकार, विवाह समाज की एक अनिवार्य इकाई है जो परिवार रूपी संस्था की नींव रखता है। समय, काल और परिस्थितियों के अनुसार विवाह और परिवार की अवधारणाओं में निरंतर परिवर्तन होता रहा है। एक समय में प्रचलित संयुक्त और संगठित परिवार की परंपरा अब धीरे-धीरे एकल परिवार में परिवर्तित हो गई है। यह बदलाव केवल परिवार तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि समग्र सामाजिक ढांचा भी परिवर्तन की इस धारा से प्रभावित हुआ है। वास्तव में, परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है, जो शाश्वत सत्य है। हमारे समाज में विवाह की विभिन्न प्रणालियां प्राचीन काल से विद्यमान रही हैं। समय के साथ इनमें भी अनेक बदलाव आए हैं। एक समय में बहुपति तथा बहुपत्नी विवाह की प्रथा समाज में व्यापक रूप से प्रचलित थी, किंतु धीरे-धीरे सामाजिक चेतना, धार्मिक मूल्यों तथा कानूनी व्यवस्थाओं के प्रभाव से यह स्वरूप बदलता गया और वर्तमान में एक पत्नी तथा एक पति विवाह प्रणाली को ही सामाजिक रूप से मान्यता प्राप्त है। वहीं, पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण आज 'लिव इन रिलेशनशिप' जैसी अवधारणाएं भी सामने आई हैं। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें बिना विवाह के दो व्यक्ति एक साथ सहजीवन व्यतीत करते हैं। हालांकि, इसमें भावनात्मक व शारीरिक सहभागिता तो होती है, किंतु वैवाहिक प्रतिबद्धता और सामाजिक मान्यता का अभाव रहता है। ऐसे में यह विचारणीय प्रश्न है कि क्या लिव इन जैसी व्यवस्थाएं विवाह संस्था के मूल उद्देश्य- सदैव के लिए प्रतिबद्धता, सामाजिक उत्तरदायित्व, परिवार की स्थापना तथा भावनात्मक स्थायित्व इत्यादि को पूर्ण कर पाने में सक्षम हैं? यह एक गूढ़ और जटिल प्रश्न है जिस पर समाज को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटें तो बहुपत्नी विवाह (एक पुरुष की अनेक पत्नियां) के कई उदाहरण सामने आते हैं। जहां एक तरफ पटियाला के राजा भूपिंदर सिंह की 10 शादियां होने का उल्लेख मिलता है, वहीं रामायण में राजा दशरथ की तीन पत्नियां थीं, जबकि महाभारत में पांडु की दो पत्नियों- कुंती और माद्री का वर्णन मिलता है। यह विवाह की वह प्राचीन परंपरा थी, जो विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और पारिवारिक कारणों से उस काल में प्रचलित रही। हालांकि समय के साथ समाज और कानून दोनों में बदलाव आए। 1955 में लागू हुए हिंदू विवाह अधिनियम के तहत बहुविवाह एवं बहुपत्नी विवाह को अवैध घोषित कर दिया गया। अब एक समय में एक ही वैध पत्नी को मान्यता दी जाती है। यदि किसी विवाहित व्यक्ति ने दूसरा विवाह किया, तो केवल पहली पत्नी को ही कानूनी अधिकार प्राप्त होते हैं। संबंध विच्छेद (तलाक) के उपरांत पुनर्विवाह की स्वतंत्रता भी दी गई है। यह अधिनियम हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्म के अनुयायियों पर लागू होता है, लेकिन मुस्लिम, ईसाई या अन्य धर्मावलंबियों पर इसकी बाध्यता नहीं है। जहां एक ओर बहुपत्नी विवाह का इतिहास व्यापक है, वहीं बहुपति विवाह (एक महिला के अनेक पति) भी कुछ क्षेत्रों में प्राचीन परंपरा का हिस्सा रहा है। हाल के दिनों में हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के शिलाई क्षेत्र में इस प्रथा की चर्चा फिर से सामने आई है जिसमें एक महिला ने स्वेच्छा से दो सगे भाइयों के साथ सहर्ष विवाह किया है। यह वाकया हमें पुराने रीति-रिवाजों की तरफ ले जाता है, जबकि नई पीढ़ी के लिए यह हैरत में डालकर सोचने पर विवश करता है। यद्यपि आज इसका प्रचलन सीमित रह गया है, परंतु यह प्रथा पहले उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों जैसे कि उत्तराखंड का जौनसार बावर, हिमाचल का शिलाई, किन्नौर और शिमला सहित अन्य इलाकों में सामान्य मानी जाती थी। महाभारत में द्रौपदी का विवाह पांच पांडवों से होना इस परंपरा का प्राचीन उदाहरण है। पांडवों के वनवास काल में इन क्षेत्रों में उनके निवास के संकेत मिलते हैं, जिससे माना जाता है कि बहुपति विवाह की परंपरा वहीं से प्रभावित हो सकती है। आज बहुपति विवाह लगभग विलुप्त हो चुका है, किंतु इस प्रथा के समर्थक और विरोधी दोनों ही अपने-अपने तर्क प्रस्तुत करते हैं। समर्थकों का मानना है कि यह प्रथा नारी को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा देती है। कई महिलाएं इसे एक वरदान मानती हैं, वे कहती हैं कि वे 'अक्षय सुहागिन' हैं, उन्हें विधवा होने का डर नहीं रहता, और उनके बच्चों के सिर से पिता का साया नहीं उठता। वहीं इसके विरोधी इसे नारी की स्वतंत्रता, सम्मान और मानसिक स्वास्थ्य के विरुद्ध मानते हैं। उनका मानना है कि यह प्रथा आधुनिक समाज में महिलाओं की गरिमा और समानता के सिद्धांतों के अनुकूल नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि न केवल भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में, बल्कि चीन के सिचुआन प्रांत में रहने वाली गियांग जनजाति में भी यह प्रथा आज भी प्रचलन में है। वहां की महिलाएं इसे अपनी संस्कृति का गौरव मानती हैं और इसे स्वेच्छा से अपनाती हैं। विवाह की प्रथा समय, स्थान और सामाजिक संदर्भ के अनुसार बदलती रही है। चाहे वह बहुपत्नी विवाह हो या बहुपति विवाह, दोनों ही व्यवस्थाओं को समझने के लिए ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोणों की गहराई में जाना आवश्यक है। आज के समय में जहां व्यक्तिगत अधिकार और समानता की बात की जाती है, वहां इन परंपराओं पर पुनः विचार करना एक बौद्धिक विमर्श का विषय बन गया है।

आप का नजरिया

पर्यटन और विकास

पर्यटन एक बहुआयामी और सतत विकास की दृष्टि से अत्यंत प्रभावशाली उद्योग है, जो केवल एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा तक सीमित नहीं है। यह वैश्विक सांस्कृतिक संवाद, सामाजिक समरसता और आर्थिक प्रगति का सशक्त माध्यम बन चुका है। पर्यटन मानव जीवन के विविध पक्षों को जोडने वाला एक ऐसा क्षेत्र है जो न केवल पर्यटकों के लिए अनुभव और आनंद का जरिया है, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम भी बनता है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार पर्यटन उन व्यक्तियों की गतिविधियों को कहा जाता है जो अपने सामान्य वातावरण से बाहर अवकाश, व्यवसाय या अन्य उद्देश्यों से एक वर्ष से कम अवधि के लिए यात्रा करते हैं। यह परिभाषा पर्यटन को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखती, बल्कि इसके भीतर अवकाश पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, ईको-टूरिज्म और व्यावसायिक पर्यटन जैसी विविध श्रेणियों को समाहित करती है। विश्व स्तर पर पर्यटन की स्थिति पर दृष्टि डालें तो फ्रांस 2023 तक, दुनिया का सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने वाला देश रहा है। 2023 में लगभग 8.9 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटक फ्रांस आए। इसके बाद स्पेन, अमरीका, इटली और तुर्की जैसे देश आते हैं। ये देश अपनी ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन अवसंरचना के लिए प्रसिद्ध हैं। वहीं, दुनिया में कुछ स्थल ऐसे हैं जो हर वर्ष करोड़ों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें फ्रांस का एफिल टॉवर, अमरीका का टाइम्स स्क्वायर और ग्रैंड कैन्यन, इटली का कोलोसियम, चीन की ग्रेट वॉल और भारत का ताजमहल प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त धार्मिक स्थलों जैसे वेटिकन सिटी, काशी विश्वनाथ और बौद्ध सर्किट का महत्व भी बहुत अधिक है। पर्यटन का आर्थिक योगदान भी अलग-अलग देशों में भिन्न है। 2024 तक मालदीव, मकाऊ और सेशेल्स जैसे देशों की जीडीपी में पर्यटन का योगदान सबसे अधिक है। उदाहरण के लिए मालदीव की जीडीपी का लगभग 66 फीसदी पर्यटन से आता है, जो विश्व में सबसे अधिक है। इसके बाद मकाऊ (60 फीसदी) और सेशेल्स (40 फीसदी) जैसे छोटे द्वीप राष्ट्र आते हैं। इन देशों की अर्थव्यवस्था लगभग पूर्ण रूप से पर्यटन पर निर्भर करती है। आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो पर्यटन का योगदान किसी भी देश की समग्र प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक पर्यटन क्षेत्र ने 11.1 ट्रिलियन डॉलर का योगदान वैश्विक जीडीपी में किया, जो कि कुल जीडीपी का लगभग 10 फीसदी है। इस क्षेत्र ने लगभग 348 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान किया, अर्थात हर दस में से एक व्यक्ति इस क्षेत्र से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा है। भारत की बात करें तो आंकड़ों के अनुसार, भारतीय पर्यटन उद्योग ने 19.13 लाख करोड़ रुपए का योगदान देश की अर्थव्यवस्था में किया है, जो राष्ट्रीय जीडीपी का 9.1 फीसदी है। यह क्षेत्र करीब 4.3 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। घरेलू पर्यटन के आंकड़े भी उत्साहवर्धक हैं। पर्यटन केवल खुद में एक उद्योग नहीं है, बल्कि यह परिवहन, आतिथ्य, हस्तशिल्प, मनोरंजन और सेवा क्षेत्र जैसे अन्य उद्योगों को भी गति देता है, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर उत्पन्न होते हैं। भारत सरकार की 'स्वदेश दर्शन 2.0' और पीआरएएसएचएडी योजनाएं उल्लेखनीय हैं।

> संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार पर्यटन उन व्यक्तियों की गतिविधियों को कहा जाता है जो अपने सामान्य वातावरण से बाहर अवकाश, व्यवसाय या अन्य उद्देश्यों से एक वर्ष से कम अवधि के लिए यात्रा करते हैं। यह परिभाषा पर्यटन को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखती, बल्कि इसके भीतर अवकाश पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, ईको-टूरिज्म और व्यावसायिक पर्यटन जैसी विविध श्रेणियों को समाहित करती है। विश्व स्तर पर पर्यटन की स्थिति पर दृष्टि डालें तो फ्रांस 2023 तक, दुनिया का सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने वाला देश रहा है। 2023 में लगभग 8 .9 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटक फ्रांस आए। इसके बाद स्पेन, अमरीका, इटली और तुर्की जैसे देश आते हैं। ये देश अपनी ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन अवसंरचना के लिए प्रसिद्ध हैं।

कुछ अलग

खोखा प्रवृत्ति न अपनाएं

कोई पूछे हिमाचल के दिन कैसे गुजर रहे, तो हर कोई अपनी-अपनी सुविधा, अपनी-अपनी सियासत और अपने-अपने स्वार्थ को देखकर बताएगा। दिन, हर दिन कहर बन कर टूट रहा, तो क्या विधानसभा का मानसून सत्र, इस बार पर्वतीय राज्य के अस्तित्व और भविष्य से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा कर पाएगा। हम खोखा प्रवृत्ति का राज्य बन रहे हैं, जहां सरकारें दिहाड़ी पर दिन गुजार कर जनता को सिर्फ मुलायम संदेश दे रही हैं। कांगड़ा जिला परिषद की बैठक में पार्षदों की सोच का अंदाजा लगाया जाए, तो न कभी सुशासन आएगा और न ही राज्य अपने पैरों पर खड़ा हो पाएगा। पार्षद अपने-अपने चुनावी घूंट पीकर बेहतरीन मांग पत्र रखते हैं, लेकिन उन्हें यह मंजूर नहीं कि कहीं राज्य की आत्मनिर्भरता के उसूल कोई शुल्क मांग सकें। धर्मशाला के डीसी आफिस पार्किंग की व्यवस्था में अगर वाहन पार्किंग शुल्क मांग लिया जाए, तो यह अर्थगणित उनकी आंख में चुभता है। आश्चर्य प्रदेश की सहमति, विवेक, विवाद और बहस के बिंदुओं पर भी होता है, जहां अतिक्रमण की गलियों में विमर्श होने लगा है। अब सोशल मीडिया के कुछ ऐसे पैरोकार जो प्रदेश को अपने पांव पर चलते हुए नहीं देखना चाहते। अतिक्रमण के खिलाफ कोई स्थानीय निकाय जुर्रत करता भी है, तो मोबाइल की टॉर्च में सोशल मीडिया की ठोकरें गिनने वालों को यह दर्द है कि शहर में अवांछित रेहडियां क्यों हटा दीं। क्यों अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन सक्रिय होता दिखा।

दृष्टि कोण

रूस में जापान जैसी सुनामी का कहर

तीन साल से भी अधिक समय से यूक्रेन से युद्ध लड़ रहे रूस में 8.8 तीव्रता के भीषण भूकंप ने नई त्रासदी खड़ी कर दी है। रूस के पूरब में स्थित कामचटका प्रायद्वीप में 30 जुलाई 2025 को आए भूकंप के झटकों से कामचटका और उसके आसपास कुरील द्वीप समूह के भूखंड हिल गए। इसे विश्व में आए सबसे तीव्र भूकंपों में दर्ज किया गया है। इस प्राकृतिक आपदा से भारी नुकसान और अनेक लोगों के घायल होने की सूचनाएं हैं, इसके असर से प्रायद्वीप के समुद्र तटों से 16 फीट ऊंची सुनामी जैसी लहरें टकराईं, जिससे तटीय इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। इसकी तुलना मार्च 2011 में जापान में आए 9.0 तीव्रता के भूकंप से की जा रही है। इसे समुद्री सुनामी कहा गया था। इस सुनामी से जापान के फुकुशिमा, दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र का कूलिंग सिस्टम निश्क्रिय करना पड़ा था। कामचटका में चार नवंबर 1992 को आए 9.0 तीव्रता के भूकंप के कारण भारी क्षति हुई थी। इस भूकंप से जनहानि इसलिए नहीं होने पाई, क्योंकि भूकंप क्षेत्र से रूस का बड़ा शहर पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्सकी लगभग 119 किमी की दूरी पर है। यहां की आबादी 18 लाख है। भूकंप के बाद आने वाली सुनामी के खतरे से जापान, चीन, फिलीपींस, इंडोनेशिया, अमेरिका और प्रशांत महासागर के तटवर्ती देशों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। जापानी और अमेरिकी भूकंप वैज्ञानिकों ने बताया कि इस भूकंप की आरंभिक तीव्रता 8.0 थी, किंतु अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस तीव्रता का आकलन 8.8 किया और इसे 20.7 किमी भूगर्भ से आना बताया है। अलास्का स्थित राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केन्द्र के समन्वयक डेव स्नाइडर का कहना है कि सुनामी जैसी लहरों का प्रभाव कई घंटों या एक दिन से भी अधिक समय तक रह सकता है। सुनामी केवल एक लहर नहीं होती, बल्कि यह लंबे समय तक चलने वाली शक्तिशाली लहरों की एक श्रृंखला होती है। सुनामी एक विमान की गति से सैंकड़ों मील प्रति घंटे की रफ्तार से समुद्र पार करती है। किंतु जब लहरें किनारे के निकट पहुंचती हैं, तब उनकी गति धीमी पड़ जाती है। किंतु किनारे पर इनके एकत्रीकरण से जल प्रलावन की आशंका बढ़ जाती है। इस कारण पानी की ये लहरें धरती पर पहुंचती हैं और आगे-पीछे होती रहती हैं। दुनिया में अब तक 8.6 तीव्रता से लेकर 9.5 तीव्रता के भूकंप चिली, अलास्का, सुमात्रा, तोहोकू, कामचटका (1952), चिली (2010), इक्वाडोर, अलास्का (1965), अरुणाचल प्रदेश भारत और सुमात्रा (2012) आए हैं। इन भूकंपों में जान और माल का भारी नुकसान हुआ है। दरअसल दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में हमारा भी हाथ होता है। प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। पहले 13 सालों में एक बार भूकंप आने की आशंका बनी रहती थी, लेकिन अब यह घटकर 4 साल हो गई है। अमेरिका में 1973 से 2008 के बीच प्रति वर्ष औसतन 21 भूकंप आए, वहीं 2009 से 2013 के बीच यह संख्या बढक़र 99 प्रति वर्ष हो गई। यही नहीं, आए भूकंपों का वैज्ञानिक आकलन करने से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली हुई है। 25 अप्रैल 2015 को नेपाल में जो भूकंप आया था, उनसे 20 थर्मान्यूक्लियर हाइड्रोजन बमों के बराबर ऊर्जा निकली थी। यहां हुआ प्रत्येक विस्फोट हिरोशिमा-नागाशाकी में गिराए गए परमाणु बमों से भी कई गुना ज्यादा ताकतवर था। 2011 में जापान और फिर क्वोटो में आए सिलसिलेवार भूकंपों से पता चलता है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रही भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए अधिक खतरनाक साबित हो रही हैं। ये हलचलें भारत, पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की धरती के नीचे भी अंगड़ाई ले रही हैं। इसलिए इन देशों के महानगर भी भूकंप के मुहाने पर हैं। भूकंप आना कोई नई बात नहीं है। जापान, इक्वाडोर और नेपाल समेत पूरी दुनिया इस अभिशाप को झेलने के लिए जब-तब विवश होती रही है।

ट्रंप-पुतिन की बैठक से पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का बड़ा बयान, क्या अमेरिकी राष्ट्रपति के रुख पर होगा असर!

कीव,15 अगस्त (एजेंसियां) । अमेरिका के अलास्का में डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन की बैठक होने जा रही है। दोनों नेताओं की बैठक से कुछ घंटे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से उनके देश को बहुत उम्मीद है। यूक्रेन के लोग उम्मीद कर रहे हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति रूसी हमले रोकने के लिए रास्ता निकालेंगे। पुतिन और ट्रंप की बैठक का मुख्य मकसद यूक्रेन में फरवरी, 2022 से चल रहा युद्ध है। इस बैठक के नतीजे पर यूक्रेन समेत दुनियाभर की नजर है।

ट्रंप-पुतिन मुलाकात से पहले जेलेंस्की ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यूक्रेन में जंग खत्म करने का समय आ गया है। रूस को इसके लिए आवश्यक कदम उठाने होंगे। हम अमेरिका पर भरोसा कर

रहे हैं। जेलेंस्की ने ये भी कहा कि अलास्का की बैठक बेहद अहम है। जेलेंस्की से पहले ट्रंप भी पुतिन के साथ समिट को खास बता चुके हैं। ऐसा कहते हुए जेलेंस्की ने एक तरह से ट्रंप पर यूक्रेनी हितों का ध्यान रखने के लिए दबाव बढ़ाने की कोशिश की है।जेलेंस्की ने कहा, 'वास्तव में आज की बैठक बहुत महत्व-पूर्ण है। इस शिखर सम्मेलन से न्यायपूर्ण शांति की दिशा में वास्तविक रास्ता खु-लेगा। यूक्रेन, अमेरिका और रूस के बीच त्रिपक्षीय बैठक होगी।' उन्होंने कहा कि यूक्रेन रूस को रोकने के लिए अतिरिक्त बल भेज रहा है। इसमें डोनेट्स्क और जापोरिज्जिया क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों पर पुतिन-ट्रंप की वार्ता में भी चर्चा हो सकती है।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शुक्रवार को अलास्का में मिलने वाले हैं। इस बैठक में दोनों नेता रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने पर बातचीत करेंगे। एक तरफ पुतिन की कोशिश यूक्रेन का बड़ा इलाका हासिल करने की है तो वहीं दूसरी ओर ट्रंप इस युद्ध को रुकवाकर दुनिया के सामने अपना कद बढ़ाना चाहते हैं।

भारत की वजह से पुतिन हुए मजबूर... ट्रंप ने बताई रूस के अलास्का सम्मेलन में शामिल होने की वजह

वॉशिंगटन,15 अगस्त (एजेंसियां) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शुक्रवार 15 अगस्त को अलास्का में मिलने वाले हैं, जहां दोनों नेता यूक्रेन में जारी युद्ध को खत्म करने की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। इस मुलाकात के पहले डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति को मुलाकात के लिए तैयार होने के पीछे भारत पर लगाए गए टैरिफ की वजह बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस महीने की शुरुआत में भारत के ऊपर 25 प्रतिशत का बेस टैरिफ लगाया था। इसके बाद ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत के ऊपर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की।यह पूछे जाने पर कि क्या प्रतिबंधों की उनकी धमकियों ने पुतिन के फैसले को प्रभावित किया, ट्रंप ने कहा कि 'हर चीज का असर होता है।' उन्होंने कहा कि मैंने भारत से कहा था कि हम रूसी तेल खरीदने पर आपसे शुल्क लेंगे। इससे उन्हें रूसी तेल खरीदने से हाथ धोना पड़ा। जब आप अपना दूसरा सबसे बड़ा ग्राहण खो देते हैं, तो इसका असर पड़ता है।

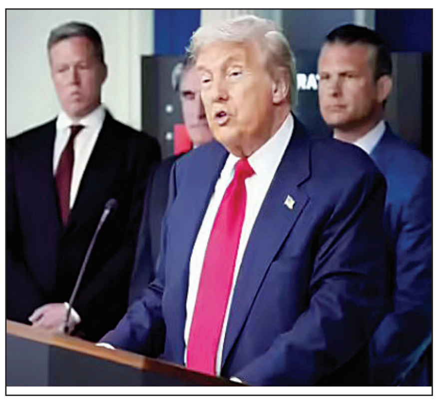

ट्रंप ने इस बात को लेकर पुष्टि करने से इनकार कर दिया कि क्या वह यूक्रेन में युद्ध रोकने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह सार्वजनिक रूप से अपनी चाल नहीं चलेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी प्राथमिकता पुतिन के साथ प्रगति है।ट्रंप ने दूसरी बैठक की संभावना जताई और कहा कि अगर बातचीत अच्छी रही तो वह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को भी अगली बैठक जहां भी होंगे, वहां बुलाएंगे। उन्होंने कहा कि 'हमारे पास तीन अलग-अलग जगहों के बारे में विचार है। इसमें अलास्का में रुकने की संभावना भी शामिल है, क्योंकि यह अब तक का सबसे आसान विकल्प होगा।'

कुत्ते के मांस पर प्रतिबंध से दक्षिण कोरिया में 70 प्रतिशत डॉग फार्म बंद : मंत्रालय

सियोल,15 अगस्त (एजेंसियां) ।

दक्षिण कोरिया में कुत्ते के मांस की खपत पर प्रतिबंध लगने के बाद से देश में 10 में से 7 डॉग फार्म बंद हो गए हैं। यह जानकारी गुरुवार को कृषि मंत्रालय ने दी।

कृषि, खाद्य और ग्रामीण मामलों के मंत्रालय के अनुसार, देश भर में कुल 1,537 डॉग फार्म थे, जिनमें से 1,072 (यानी करीब 70 फीसद) फार्म बंद हो चुके हैं। यह फार्म पिछले साल अगस्त में कुत्ते के मांस पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून के लागू होने के बाद से बंद हुए हैं।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, बंद किए गए डॉग फार्मों में करीब 3.46 लाख कुत्ते पाले जा रहे थे। ये संख्या देश भर में मांस के लिए पाले गए कुल 4.68 लाख कुत्तों का लगभग 74 फीसदी है।

मंत्रालय के अनुसार, 2025 के अंत तक 75 फीसद से ज़्यादा डॉग फार्म बंद होने की संभावना है।मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि कुत्ते का मांस खाना बंद कराना इस पीढ़ी की ज़िम्मेदारी है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार की मदद और प्रोत्साहनों की वजह से यह काम उम्मीद से तेज़ी से हो रहा है।

यह खास कानून मांस के लिए कुत्तों को पालने, मारने, बेचने और उनके व्यापार पर रोक लगाता है। साथ ही, यह कानून कुत्ते के मांस से जुड़े लोगों को दूसरी नौकरी में जाने के लिए आर्थिक मदद (सब्सिडी) देने का प्रावधान भी करता है।

यह कानून मांस के लिए कुत्तों को पालने, मारने, बेचने और उनके वितरण पर रोक लगाता है। साथ ही, इस व्यवसाय से जुड़े लोगों को दूसरी नौकरी अपनाने में मदद के लिए आर्थिक सहायता (सब्सिडी) देने की बात करता है।तीन साल की छूट अवधि के बाद, जो लोग इस कानून का उल्लंघन करेंगे, उन्हें 2027 से दो साल तक की जेल या 30 मिलियन वॉन (करीब 20,583 अमेरिकी डॉलर) तक जुर्माना हो सकता है।कृषि मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, हम 2027 तक सभी डॉग फार्मों को उनका काम बदलने या बंद करने में मदद करेंगे।उन्होंने बताया कि सरकार दक्षिण कोरिया को एक ऐसा देश बनाना चाहती है, जहां जानवरों की भलाई का अच्छे से ध्यान रखा जाए।

भारत की तरह अब जापान में फंसा F-35B फाइटर, एक सप्ताह बाद भी नहीं भर पाया उड़ान

टोक्यो,15 अगस्त (एजेंसियां) । ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के ऋ-35इ लड़ाकू जहाज को पिछले सप्ताह जापान में आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी। हालांकि, एक सप्ताह बाद भी अमेरिका निर्मित यह स्टील्थ फाइटर अभी तक उड़ान नहीं भर सकता है। हाल के हफ्तों में यह दूसरा एफ-35बी फाइटर है, जिसे तकनीकी खराबी के चलते आपात लैंडिंग करनी पड़ी है। इसके पहले भी ब्रिटेन के एक ऋ-35इ ने भारत के तिरुवनंतपुरम में आपात लैंडिंग की थी और लगभग एक महीने तक खड़ा रहा था। इस बार यह ब्रिटिश फाइटर के किरिशिमा शहर के हवाई अड्डे पर उतरा है। कुछ ही समय में दो ऋ-35इ की आपात लैंडिंग ने अमेरिकी विमान की क्षमता पर सवाल उठा दिए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, रॉयल नेवी के विमान वाहक पोत क्वड प्रिंस ऑफ वेल्स से उड़ान भरने वाला यह ऋ-35इ लड़ाकू विमान ने उड़ान के दौरान आई खराबी के चलते 10 अगस्त को सुबह लगभग 11.30 बजे

लैंडिंग की थी। पायलट के पूरी तरह ठीक होने की बात कही गई, लेकिन कागोशिमा से आने-जाने वाली छह उड़ानों में देरी होने की बात कही गई। विमान को रनवे से हटाकर टैक्सीवे पर ले जाया गया। हवाई अड्डे पर अभी इसकी सही स्थिति ज्ञात नहीं है। 'मरने वाले हो तुम', कितने चक्रवर्ती सम्राट आए, गए... प्रेमानंद महाराज ने शिल्पा शेट्टी-राज कुंद्रा से क्यों कहातीन टीचरों से परेशान थी 12वीं की छात्रा! अकेले घर में कर लिया 'कांड', सड़कों पर उतरे परिजनअर्चना तिवारी के साथ हुआ है कोई बड़ा हादसा... भोपाल पहुंचा परिवार, ऋठझ से जताई आशंकादानिया खान ने खुद मांग भरी फोटो वायरल करवाई, अब कह रहीं शादी नहीं की, कहीं 'भगवा लव ट्रैप' का डर तो नहीं!द वॉर जोन (ढथन) से ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि विमान अभी भी जापान में खड़ा है। हालांकि, ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने विमान में आई तकनीकी समस्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी, लेकिन बताया कि यह क्रूज में पहले आई खराबी से जुड़ा नहीं है, जिसके चलते एक अन्य ऋ-35इ को भारत में आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी।रक्षा मंत्रालय ने ढथन से पुष्टि की कि रायल नेवी और रॉयल एयरफोर्स के इंजीनियरों ने विमान की पड़ताल की है और पार्ट्स का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद ही इसकी मरम्मत की जा सकेगी। एफ-35 के पुर्जों की वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। ब्रिटेन के साथ ही अमेरिकी मरीन कॉर्प्स और जापान दोनों के पास ऋ-35इ फाइटर हैं।

भारत से टैरिफ तनाव के बीच अमेरिका ने दी स्वतंत्रता दिवस की बधाई, दोनों देशों के संबंधों को बताया ऐतिहासिक

वॉशिंगटन,15 अगस्त (एजेंसियां) । अमेरिका ने शुक्रवार 15 अगस्त को भारत को उसके 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बधाई संदेश भेजा है, जिसमें नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच संबंधों को बहुत महत्वपूर्ण बताया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने बधाई संदेश में लिखा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से मैं भारत के लोगों को 15 अगस्त को उनके स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।' भारत 15 अगस्त को अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस गर्व और देशभक्ति के जोश के साथ मना रहा है।

रुबियो ने आगे कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र के बीच ऐतिहासिक संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी हैं। हमारे दोनों देश एक अधिक शांतिपूर्ण, समृद्ध और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए

अपने साझा दृष्टिकोण से एकजुट हैं। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारत और अमेरिका की औद्योगिक साझेदारी का जिक्र किया और कहा कि यह इनोवेशन को बढ़ावा देती है।

भारत-अमेरिका मिलकर करेंगे चुनौती का सामना

रुबियो ने भारत-अमेरिका के बीच अंतरिक्ष साझेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने लिखा, अमेरिका और भारत मिलकर आज की आधुनिक चुनौतियों का सामना करेंगे और दोनों देशों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करेंगे। यह बधाई संदेश ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के चलते भारत और अमेरिका के संबंधों में तनाव आया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के बाद युद्धविराम कराने का क्रेडिट लेने के बाद हाल के हफ्तों में नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। भारत इस दावे को सिरे से खारिज करता रहा है और जोर देकर कहा है कि इसमें कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं था। इस बीच ट्रंप ने भारत पर रूसी तेल खरीदने के बदले में 50 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा कर दी, जिससे तनाव और गहरा हो गया।

पाकिस्तान के कराची में स्वतंत्रता दिवस पर जश्न के दौरान फायरिंग में 3 की मौत, 60 से अधिक घायल

कराची,15 अगस्त (एजेंसियां) । 14 अगस्त को पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कराची में जश्न के दौरान की गई हवाई फायरिंग ने जश्न को मातम में बदल दिया। शहर में विभिन्न स्थानों पर हुई गोलीबारी की घटनाओं में 3 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 8 साल की बच्ची और एक वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। इस दौरान 60 से अधिक लोग घायल हो गए हैं।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटनाएं कराची के कई हिस्सों में हुईं, जिनमें लियाकताबाद, कोरंगी, लियारी, महमूदाबाद, अख्तर कॉलोनी, केमारी, जैक्सन, बाल्डिया, ओरंगी टाउन और पापोश नगर शामिल हैं। अजीजाबाद में एक बच्ची को गोली लगी, जबकि कोरंगी में स्टीफन नाम के व्यक्ति की मौत हुई।

पुलिस ने इन घटनाओं को लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये का नतीजा बताते हुए कहा है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एआरवाई न्यूज के अनुसार, कुछ मामलों में गोलीबारी के पीछे व्यक्तिगत दुश्मनी, मतभेद, और डकैती के प्रयासों का विरोध जैसे कारण भी सामने आए हैं।

पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे स्वतंत्रता दिवस शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से मनाएं। गौरतलब है कि कराची में हर साल स्वतंत्रता दिवस के दौरान इस तरह की घटनाएं होती रही हैं। 2024 में भी फायरिंग की घटना में एक बच्चे की जान गई थी और 95 से अधिक लोग घायल हुए थे।

इस बार की घटनाओं ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या उत्सव के नाम पर हवाई फायरिंग जैसी खतरनाक परंपराओं पर रोक लगाने का समय आ गया है?

पाकिस्तान में बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई तबाही, 24 लोगों की मौत, कई लापता

पेशावर/इस्लामाबाद,15 अगस्त (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता हो गए. अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. बचाव अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार रात हुई मूसलाधार बारिश के कारण खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लोअर दीर, बाजौर और एबटाबाद समेत कई जिलों में अचानक आई बाढ़ व भूस्खलन में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

छत गिरने से 5 की मौत, उफान पर पंजकोरा नदी

लोअर दीर के मैदानी इलाके सोरी पाओ में एक मकान की छत गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई और महिलाओं व बच्चों समेत चार अन्य घायल हो गए. बचावकर्मियों ने मलबे से सात लोगों को निकाला, जिनमें से पांच को मृत घोषित कर दिया गया. अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण पंजकोरा नदी का जलस्तर खतरनाक रूप से

बढ़ गया है. बाजौर जिले में, जबरारी और सालारजई इलाकों में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से व्यापक तबाही हुई।

जबरारी गांव में बादल फटने से भीषण बाढ़

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अब तक नौ शव और चार घायल व्यक्ति बरामद किए गए हैं, जबकि कम से कम 17 अन्य लापता बताए जा रहे हैं. जबरारी गांव में बादल फटने से भीषण बाढ़ आ गई, जिससे कई लोग घायल हो गए।

बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे, पांच शव बरामद किए और घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद स्थानीय अस्पताल पहुंचाया. बाजौर के जिला आपातकालीन अधिकारी अमजद खान बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

उपायुक्त शाहिद अली ने पुष्टि की है कि सालारजई की घटना में नौ लोग मारे गए हैं और दो गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को खार अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

एपीएचएमईएल को बीएचईएल की तरह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनना चाहिए : उपमुख्यमंत्री

मंचेरियाल, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड की सहायक कंपनी आंध्र प्रदेश हेवी मशीनरी एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड) को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली कंपनी बनने का लक्ष्य रखने की सलाह दी है।उपमुख्यमंत्री ने सिंगरेनी के सीएमडी बलराम के साथ विजयवाड़ा के पास इब्राहिमपट्टनम स्थित एपीएचएमईएल संयंत्र का दौरा किया और श्रमिकों से मुलाकात की।श्री विक्रमार्क ने कहा कि मशीनरी और मानव संसाधन के मामले में एपीएचएमईएल दुनिया की बेहतरीन इंजीनियरिंग कंपनियों के बराबर है। यह

नई मशीनों के लिए स्पेयर पार्ट्स बनाने और मौजूदा मशीनों की मरम्मत करने में सक्षम है।

उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की कि कंपनी की संभावनाओं का अध्ययन करने और उस पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए जल्द ही एक सलाहकार (कंसल्टेंसी) नियुक्त किया जाएगा। इस रिपोर्ट के आधार पर, तेलंगाना सरकार कंपनी के विकास के लिए आगे की रणनीति तय करेगी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों के बेहतर प्रदर्शन से कंपनी को अधिक मुनाफा मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और दोनों राज्यों की प्रगति सुनिश्चित होगी।

श्री विक्रमार्क ने एपीएचएमईएल से आग्रह किया कि वह केवल सिंगरेनी के लिए मशीनरी बनाने और मरम्मत तक ही सीमित न रहे। उन्होंने कहा कि कंपनी को भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (इक्एङ) की तरह पूरे देश से ऑर्डर प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

इन्नाणी परिवार ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

मदनूर, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, इन्नाणी परिवार ने रामसुख बालमुकुंद तेलंगाना आवासीय विद्यालय और कॉलेज के मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह हर साल आयोजित किया जाता है।

इन पुरस्कारों में दसवीं कक्षा के लिए: प्रथम स्थान: 5,000/-, द्वितीय स्थान: 3,000/-, तृतीय स्थान: 2,000/- और गणित में सर्वाधिक अंक: 2,000/- शामिल हैं।

12वीं कक्षा (सेठ रामप्रसाद इन्नाणी जूनियर कॉलेज) के लिए: प्रथम स्थान: 5,000/-, द्वितीय स्थान: 3,000/-, तृतीय स्थान: 2,000 शामिल हैं।

इस अवसर पर इन्नाणी परिवार के सदस्य श्रीकुमार इन्नाणी, केशव इन्नाणी, अमरेश इन्नाणी और उनकी पत्नी के साथ-साथ विद्यालय के शिक्षक भी उपस्थित थे। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना है।

राठौड़ श्रावण को 79वें स्वतंत्रता दिवस पर सर्वश्रेष्ठ प्राध्यापक सम्मान

आदिलाबाद / आसिफाबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुड़ीहतनूर तहसील केंद्र स्थित शासकीय महाविद्यालय के वरिष्ठ हिंदी प्राध्यापक राठौड़ श्रावण को 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ प्राध्यापक (प्रशंसा पुरस्कार) से सम्मानित किया गया है। इस समारोह में तेलंगाना राज्य सरकार के सलाहकार मो. शब्बीर अली, आदिलाबाद जिला कलेक्टर राजर्शी, जिला एससी अधिकारी अखिल महाजन और जिला माध्यमिक शिक्षा अधिकारी जादव गणेश कुमार ने उन्हें पुरस्कार प्रदान किया।

इस अवसर पर राठौड़ श्रावण ने कहा कि उन्हें अपने सेवाओं के लिए सम्मानित किए जाने पर अत्यंत खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनकी जिम्मेदारी और बढ़ा गया है और वे कॉलेज की प्रगति के लिए और अधिक मेहनत करेंगे। इस पुरस्कार से सभी कॉलेज प्राध्यापक गण बहुत खुश हैं।यह अवसर कॉलेज के समस्त स्टाफ के लिए गर्व का पल रहा।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एस. निरंजन ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया

निज़ामाबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में शुक्रवार को 79वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सवी आयोजन बड़ी धूमधाम के साथ किया गया। इस समारोह के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएँ की थीं। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एस. निरंजन ने करकमलों से राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद पुलिस की सलामी ली गई।

अध्यक्ष ने ग्राम प्रधानों और अधिकारियों से मुलाकात की, उन्हें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं, और जिले की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों और उपलब्धियों को दर्शाने वाले स्टालों का निरीक्षण किया। इनमें कृषि, बागवानी, जिला ग्रामीण विकास संगठन, डेयरी, पशुपालन, वन, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण, मिशन भगीरथ, सिंचाई और मत्स्य पालन विभागों के फोटो प्रदर्शनी स्टॉल शामिल थे। उत्कृष्ट सेवाएँ देने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, पुलिस अधिकारियों को पदक और स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिवारों को सम्मानित किया गया। साथ ही, सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को वित्तीय सहायता भी वितरित की गई।

मुख्य अतिथि बीसी आयोग के अध्यक्ष एस. निरंजन और जिला अधिकारियों ने बच्चों को बधाई दी। इस कार्यक्रम में शहरी विधायक धनपाल सूर्यनारायण, आर भूपति रेड्डी, पैदी राकेश रेड्डी, कलेक्टर टी विनय कृष्ण रेड्डी, पुलिस आयुक्त पी साई चैतन्य, राज्य सहकारी समिति संघ लिमिटेड के अध्यक्ष मानाला मोहन रेड्डी, राज्य कृषि आयोग के सदस्य गडगु गंगाधर, अतिरिक्त कलेक्टर अंकित, किरण कुमार, प्रशिक्षु कलेक्टर कैरोलिन चिंगटियन मावी, नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार, निजामाबाद आरडीओ राजेंद्र कुमार सहित अनेक विभागीय अधिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, स्थानीय लोग और छात्र बड़ी संख्या में इस समारोह में भाग लिए।

मछली के बच्चों को छोड़ने में देरी से मछुआरे परेशान, आजीविका पर संकट

मंचेरियाल, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में लगातार दूसरे साल मछली के बच्चों (फिंगरलिंग्स) को छोड़ने में हो रही देरी से हजारों मछुआरों की आजीविका प्रभावित हो रही है। यह देरी मछुआरों के लिए एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा कर रही है।जलाशयों की संख्या: 363 (श्रीपदा येल्लमपल्ली, सुंडिल्ला, अन्नाराम, रल्लावगु, और गोल्लावगु परियोजनाएं सहित), मछुआरों की संख्या: 7,500 सदस्य (128 मछुआरा सहकारी

समितियों के), सामान्य प्रक्रिया: पारंपरिक रूप से जून-जुलाई में टेंडर बुलाए जाते हैं और अगस्त-सितंबर तक लगभग 2 करोड़ फिंगरलिंग्स जलाशयों में छोड़े जाते हैं।पिछले साल यह प्रक्रिया नवंबर में शुरू हुई थी, जिससे मछुआरों को भारी नुकसान हुआ। इस साल भी अब तक केवल 13% फिंगरलिंग्स ही छोड़े जा सके हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि पिछले साल की आपूर्ति के भुगतान में देरी के चलते आपूर्तिकर्ताओं ने इस साल स्टॉक देने से इनकार कर दिया है।मछुआरों का कहना है कि एक महीने की देरी भी मछली के विकास में बाधा डालती है और इस तरह की लगातार देरी उनकी आजीविका को पूरी तरह से खत्म कर सकती है।

कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में जलाशयों की संख्या: 254 (चार प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं सहित) है। मछुआरों की संख्या: लगभग 5,000 परिवार है और 2022 तक हर साल 1.50 करोड़ फिंगरलिंग्स छोड़े जाते थे, जिससे हर मछुआरे को सालाना 25,000 से 50,000 तक की कमाई होती थी।इस जिले में भी पिछले एक महीने से यह प्रक्रिया रुकी हुई है। जिला मत्स्य अधिकारी आर. अविनाश ने बताया कि मछली पालन के लिए कार्य योजना तैयार कर ली गई है और सरकार को प्रस्ताव भेज दिए गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि एक-दो दिन में दिशानिर्देश जारी कर दिए जाएंगे और फिंगरलिंग्स को छोड़ने में देरी से बचने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

रामदेवरा मंदिर में आस्था के नाम पर लूट का आरोप, भक्तों से वसूली जा रही है एंट्री फीस !

मंचेरियाल, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थान में स्थित बाबा रामदेव के मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से एंट्री फीस के नाम पर कथित तौर पर अवैध वसूली की जा रही है। एक वायरल वीडियो के अनुसार, भक्तों की धार्मिक भावनाओं का फायदा उठाकर स्वयंभू ठेकेदार करोड़ों रुपये की कमाई कर रहे हैं।यह आरोप लगाया गया है कि बिना किसी सरकारी आदेश या कानूनी अधिकार के, ये ठेकेदार भक्तों को बाकायदा रसीदें देकर मनमाना शुल्क वसूल रहे हैं।

श्रद्धालुओं का कहना है कि यह उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ है, क्योंकि बाबा के दर्शन के लिए उन्हें पहले अपनी जेब खाली करनी पड़ रही है। इस मामले पर स्थानीय प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। यह पूछा जा रहा है कि आखिर कब तक इस तरह की अवैध वसूली जारी रहेगी और इन तथाकथित ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?

यह मुद्दा केवल पैसों का नहीं, बल्कि करोड़ों भक्तों की आस्था और विश्वास से जुड़ा है। यदि इस मामले पर जल्द ही कार्रवाई नहीं की गई, तो यह धार्मिक स्थल आस्था की जगह विवाद का केंद्र बन सकता है।

स्वतंत्रता दिवस पर 79 मीटर लंबे राष्ट्रीय ध्वज के साथ छात्र रैली

मंचेरियाल, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले में 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज की अद्भुत उपलब्धि देखने को मिली।

नेनेला मंडल केंद्र में छात्रों ने 79 मीटर लंबे राष्ट्रीय ध्वज के साथ रैली निकाली। स्थानीय निजी स्कूल लोटस के छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय नारे लगाते हुए इस रैली में भाग लिया।

रैली में कई स्कूलों के बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा में भाग लेकर लोगों का मनोहर मनोरंजन किया। मंडल के विभिन्न गाँवों में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराए गए। अधिकारियों ने सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण किया और सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

वक्ताओं ने कहा कि हमें स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले महापुरुषों को याद करना चाहिए और उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए। इस कार्यक्रम ने स्वतंत्रता दिवस का उत्साह और देशभक्ति की भावना को और भी मजबूत किया।

मंचेरियाल में किसान ने पुलिस पर रिश्वत न देने पर हमला करने का आरोप लगाया

मंचेरियाल, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के वेमनपल्ली मंडल के सुम्पुतम गाँव के एक किसान अलगाम किश्तैया ने नीलवई पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। किसान का दावा है कि रिश्वत देने से इनकार करने पर सब-इंस्पेक्टर सुरेश और दो कांस्टेबलों ने उसके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया।इस मामले में, किश्तैया ने रामागुंडम के पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा को एक लिखित शिकायत दी है, जिसमें उन्होंने तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।किसान किश्तैया के अनुसार, 10 अगस्त को उनके ससुर ने उनके और उनकी पत्नी के बीच घरेलू विवाद को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद, 11 अगस्त को एसआई सुरेश ने उन्हें और उनकी पत्नी को थाने बुलाया। किश्तैया का आरोप है कि वहां एसआई और कांस्टेबलों ने उन्हें इस मामले को सुलझाने के लिए 10,000 की रिश्वत देने के लिए कहा।जब उन्होंने पैसे देने में असमर्थता जताई, तो पुलिसकर्मियों ने उनके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और उन्हें पीटा। किश्तैया ने कहा, मैंने पैसे देने से मना किया तो दरोगा नाराज हो गया और कहा कि पुलिस थाने पति-पत्नी के झगड़े सुलझाने के लिए नहीं हैं।किश्तैया का दावा है कि यह घटना गाँव के कुछ बुजुर्गों की मौजूदगी में थाने में हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले को मीडिया के सामने लाने के कारण अब उन्हें पुलिस से जान का खतरा है। उन्होंने पुलिस आयुक्त से इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

मंत्री कोंडा सुरेखा ने यदागिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में की पूजा-अर्चना

यदागिरिगुट्टा, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने सरकारी सचेतक बिड़ला इलैया और एमएलसी चिंतापंडु नवीन के साथ यदागिरिगुट्टा के श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की।मंदिर पहुंचने पर, पुजारियों ने पूर्ण कुंभ के साथ उनका स्वागत किया। मंत्री ने गर्भगृह में स्वामी के दर्शन किए और विशेष पूजा में भाग लिया। पूजा के बाद, मंदिर के पुजारियों ने उन्हें वैदिक आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर मंदिर के कार्यकारी अधिकारी वेंकट राव ने उन्हें प्रसाद भेंट किया, जबकि मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ने स्वामी की तस्वीर भेंट की।बाद में, मंत्री कोंडा सुरेखा ने विधायक और एमएलसी के साथ मंदिर के मुखमंडपम में 'यदागिरि आध्यात्मिक मासिक पत्रिका' का विमोचन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मंदिर कैंप कार्यालय में ई-ऑफिस का भी उद्घाटन किया।

अलेरु में स्वतंत्रता दिवस का भव्य समारोह आयोजित

यदादद्रि भुवनगिरि, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

यादाद्रि भुवनगिरि जिले के अलेरु निर्वाचन क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस का उल्लासपूर्वक आयोजन किया गया। मंडल के सरकारी कार्यालयों में तिरंगा झंडा फहराकर इस स्वतंत्रता दिवस को विशेष रूप से मनाया गया।

तेलंगाना के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के सामने के अतिथि गृह में, मंदिर के ईओ आईएएस वेंकट राव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सलामी ली। इस कार्यक्रम में मंदिर के कर्मचारी और अध्यक्ष नरसिम्हा मूर्ति ने भी भाग लिया।

इसके अतिरिक्त, यादागिरिगुट्टा नगर पालिका कार्यालय में नगरपालिका अध्यक्ष ने, और मंडल प्रजा परिषद कार्यालय में एमपीपी ने भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसी तरह, मंडल के विभिन्न सरकारी कार्यालयों और पार्टी कार्यालयों में अधिकारियों और पार्टी अध्यक्षों ने तिरंगा झंडा फहराया और ध्वज सलामी दी। इस समारोह ने देशभक्ति की भावना को जागरूक किया और स्वतंत्रता के महत्व का स्मरण कराया।

स्वतंत्रता दिवस का गौरवशाली समारोह

चेन्नूर , 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

79वें स्वतंत्रता दिवस का समारोह चेन्नूर में उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न जाति संघों, सरकारी और निजी कार्यालयों, राजनीति पार्टी कार्यालयों, पुलिस थाना, सरकारी स्कूल, कॉलेज, प्रेस क्लब और न्यायालय में भव्य समारोह का आयोजन किया गया।चिन्ना मुंशी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने इस विशेष अवसर पर देशभक्ति से भरपूर कार्यक्रम आयोजित किए। विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन स्कूल के सचिव जलाल सर, प्रिंसिपल त्रिषा मेडम और विद्यालय के शिक्षकों की देखरेख में किया गया। इस समारोह ने देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया और सभी उपस्थित लोगों में स्वतंत्रता के महत्व का एहसास जागरूकता बढ़ाई।

स्वतंत्रता दिवस पर मेडिकवर हॉस्पिटल्स ने लॉन्च किया वंदे मातरम स्वास्थ्य जांच पैकेज

निजामाबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, येलम्मागुट्टा स्थित मेडिकवर हॉस्पिटल्स ने 'वंदे मातरम स्वास्थ्य जांच पैकेज' नामक एक विशेष योजना की घोषणा की है। यह पैकेज आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को कम लागत पर व्यापक स्वास्थ्य जांच कराने का अवसर प्रदान करेगा।

यह पहल उन जरूरतमंद लोगों के लिए है जो महंगी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते हैं। इस पैकेज के तहत, लोग एक महीने तक अपने स्वास्थ्य की कई महत्वपूर्ण जांचें और विशेषज्ञों से परामर्श ले सकते हैं।

आसिफाबाद एएसपी ने गोलकुंडा किले में स्वतंत्रता दिवस परेड का नेतृत्व किया

हैदराबाद / आसिफाबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । आसिफाबाद के सहायक पुलिस अधीक्षक एस. चित्तरंजन आईपीएस ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक गोलकुंडा किले के परिसर में आयोजित परेड का नेतृत्व किया। तेलंगाना कैडर के 2022 बैच के अधिकारी श्री चित्तरंजन ने इसके अलावा 17 सितंबर, 2024 को तेलंगाना लोक प्रशासन दिवस के दौरान भी परेड का नेतृत्व किया, और उनके नेतृत्व एवं अभ्यास कौशल की काफी

सराहना की गई। वर्तमान में आसिफाबाद के एएसपी के रूप में कार्यरत, वे अपने जन-केंद्रित पुलिसिंग दृष्टिकोण और कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के उप-मंडल के आदिवासी युवाओं के साथ घनिष्ठ संबंध के लिए जाने जाते हैं।

संत श्री आशारामजी बापू आश्रम द्वारा हैदराबाद में देश भक्ति यात्रा का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। संत श्री आशारामजी बापू आश्रम और युवा सेवा संघ की शापुर शाखा ने मिलकर हैदराबाद में 'देश भक्ति यात्रा' का भव्य आयोजन किया। यह यात्रा आईडीपीएल, चिंतल से शुरू हुई और शापुर नगर, उषामुलपुड़ी रोड और श्रीनगर रोड से होते हुए जगदगिरीगुट्टा में समाप्त हुई। इस यात्रा में हैदराबाद के सभी साधक परिवारों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।यह यात्रा संत श्री आशारामजी बापू के इस संकल्प को दर्शाती है कि भारत को पुनः विश्वगुरु बनाया जाए। बापू अपने अनुयायियों को राष्ट्रहित में समर्पित होकर चरित्रवान और सक्षम नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। इसी भावना के साथ यात्रा में शामिल सभी साधक भारत माता की जय के नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे, जिससे आम जनता में भी देशभक्ति का जोश भर गया। पूरे रास्ते पर गूंजते राष्ट्रीय गीतों से वातावरण पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर हो गया।यात्रा के समापन पर, सभी साधकों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का उद्घोष किया। इसके बाद, देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों और अमर सैनिकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनकी सद्गति के लिए प्रार्थना करने के बाद, सभी ने मिलकर भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

बजरंग सेना तेलंगाना की हर घर तिरंगा बाइक रैली सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बजरंग सेना तेलंगाना ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना का जश्न मनाने के लिए आज हर घर तिरंगा बाइक रैली का सफल आयोजन किया।यह रैली सुबह 10:30 बजे गवलीगुडा स्थित राम मंदिर से शुरू हुई और आबिड्स जीपीओ पर समाप्त हुई। रैली गवलीगुडा चमन, सिद्दीअम्बर बाजार, बेगम बाजार, अजीज प्लाजा, मोअज्जम जाही मार्केट, आबिड्स और चिराग अली लेन से गुजरी।

रैली में सैकड़ों देशभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए और अनुशासन के साथ बाइक चलाकर एकता, गौरव और राष्ट्र के प्रति सम्मान का संदेश फैलाया। एक साउंड व्हीकल पर देशभक्ति के गीत बज रहे थे, जिससे माहौल में और भी जोश भर गया।बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने रैली को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में सहयोग के लिए सभी प्रतिभागियों, हैदराबाद सिटी पुलिस और ट्रैफिक विभाग का धन्यवाद किया।

उन्होंने जनता के भारी समर्थन के लिए भी आभार व्यक्त किया, जिसने इस रैली को एक बड़ी सफलता बना दिया।रैली का समापन जय हिंद और वंदे मातरम के जोरदार नारों के साथ हुआ, जिसने इस स्वतंत्रता दिवस समारोह पर एक अविस्मरणीय छाप छोड़ी।

क्षत्रिय राजपूत सभा (तेलंगाना) ने कुतबीगुडा में मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। क्षत्रिय राजपूत सभा (तेलंगाना) ने कुतबी गुडा स्थित अपने कार्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस तिरंगा फहराकर मनाया। इस अवसर पर एक सभा का भी आयोजन किया गया।

श्री ठाकुर प्रेम सिंह (पूर्व अध्यक्ष और ट्रस्टी) ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

ठाकुर जयवीर सिंह (अध्यक्ष) ने पिछले वर्ष किए गए कार्यों के बारे में बताया।

ठाकुर संतोष सिंह (महासचिव) ने बीते वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया और कार्यक्रम का संचालन किया।

इस अवसर पर राजेंद्र नगर बस्ती कमेटी के सचिव के रूप में ठाकुर विपिन राज सिंह को और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में ठाकुर रंधीर सिंह को चुना गया। इसके अलावा, महिला विभाग का भी पुनर्गठन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

कार्यक्रम में ट्रस्टी मनोहर सिंह, अतिथि ठाकुर साकेत सिंह, ठाकुर महेंद्र सिंह, और ठाकुर अर्जुन सिंह सहित कई सदस्य मौजूद थे। उपस्थित सदस्यों में कोषाध्यक्ष ठाकुर नरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष ठाकुर एस. नरेंद्र सिंह, सचिव टी. अरुण सिंह, टी. भवानी सिंह, टी. मुरली मोहन सिंह, और ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी टी. सुनीता भाई और टी. नर्सिंग भान सिंह शामिल थे। नगर की सभी बस्ती कमेटियों के सदस्यों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अत्तापुर में नामदेव छिपूलु समाज समिति ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पांडुरंगा नगर, अत्तापुर स्थित नामदेव छिपूलु समाज समिति के कार्यालय में आज, 15 अगस्त को, स्वतंत्रता दिवस का उत्सव बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया।इस कार्यक्रम में बीआरएस नेता वनम श्रीराम रेड्डी और विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पांडे सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस मौके पर काशीराम शर्मा, राजेश रोहिल्ला, महावीर पूर्वा, छगनलाल वर्मा, विमल कुमार रोहितास, पंकज जी, अपूर्वा, दिलीप तारवांन, प्रमोद जी, अजय वर्मा, विकास छापरवाल, कृष्ण मुरारी, पंकज नागर, मनोज कुमार, संतोष कुमार, हनुमान रोहिल्ला, अशोक कुमार, सुरेश पिपलिया, रवि, सतीश, कृष्णा और यशोदा ने मिलकर झंडा वंदन किया और इस राष्ट्रीय पर्व को मनाया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सुल्तान बाजार में स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ध्वजारोहण और उन वीरों के बलिदान को याद किया, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा नेता गोविंद राठी, पूर्व कॉरपोरेटर रामचंद्र राजू और दिलीप गनाते भी मौजूद थे। सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया और तिरंगे को सलामी दी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएम मोदी का ...

पाकिस्तान को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है और रोज नये नये खुलासे हो रहे हैं।श्री मोदी ने ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस संबोधन में शुक्रवार को कहा आपरेशन सिंदूर 140 करोड़ देशवासियों की आक्रोश की अभिव्यक्ति है।प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरे देश की सेना ने दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है जिसको वे लंबे समय तक नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान में सैंकड़ों किलोमीटर घुसकर कार्रवाई की। आतंकवादियों के ठिकानों को मटियामेट कर दिया गया।उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि आज मुझे लाल किले की प्राचीर से आपरेशन सिंदूर के वीर जवानों को सैलूट करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है।प्रधानमंत्री ने कहा 22 अप्रैल को पहलगाम में सीमा पार से आतंकवादियों ने आकर जिस प्रकार का कत्लेआम किया, धर्म पूछकर लोगों को मारा, पत्नी के सामने उसके पति को गोलियां मार दी गईं, बच्चों के सामने उनके पिता मौत के घाट उतार दिया गया उससे पूरा हिन्दुस्तान आक्रोश से भरा हुआ था। पूरा विश्व भी इस प्रकार के नरसंहार से चौंक गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल को संविधान का गला घोंटने और उसकी पीठ में छुरा घोंपने वाला पाप बताते हुए शुक्रवार को लाल किले की प्राचीर से कहा कि देश की किसी भी पीढ़ी को ऐसा करने वाले पापियों को नहीं भूलना चाहिए।श्री मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 50 साल पहले, भारत के संविधान का गला घोंटा गया था। पीठ में छुरा घोंपा गया। देश को जेलखाना बना दिया गया।आपातकाल लगा दिया गया था। देश की किसी भी पीढ़ी को संविधान की हत्या के इस पाप को नहीं भूलना चाहिए।प्रधानमंत्री ने ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में कहा, उन्हें (देश के लोगों को) संविधान की हत्या करने वाले पापियों को नहीं भूलना चाहिए। हमें भारत के संविधान के प्रति अपने समर्पण को और मजबूत करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। यही हमारी प्रेरणा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों पर देश का रुख एक बार फिर स्पष्ट किया और कहा कि 'खून और पानी' साथ-साथ नहीं बहेंगे।श्री मोदी पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का नाम लिये बिना सिंधु नदी जल समझौता और जम्मू कश्मीर में आतंकी गतिविधियों पर कहा, भारत ने ठान लिया है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बेहेंगे।श्री मोदी ने पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' समेत अन्य कड़े कदमों की चर्चा कर भारतीय सेना के सामर्थ्य को नमन किया।उन्होंने भारत की बढ़ती सैन्य ताकत का जिक्र करते हुए कहा, भारत अब परमाणु ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगा। अगर दुश्मन ने कोई और दुस्साहस करने की हिम्मत की तो भारतीय सशस्त्र बल उसे मुंहतोड़ जवाब देंगे। सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के अगले चरण के सुधारों के तहत कर स्लैबों की संख्या चार से घटाकर दो करेगी ओर आम लोगों के इस्तेमाल में आने वाली चीजें सस्ती होंगी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को लाल किले की प्राचीर से 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नयी पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की घोषणा की। उन्होंने इसे दिवाली का तोहफा बताते हुए कहा कि इससे आम लोगों के लिए चीजें सस्ती होंगी और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) को फायदा पहुँचेगा।वित्त मंत्रालय ने इन सुधारों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यतः तीन तरह के सुधार प्रस्तावित हैं। जीएसटी में संरचनात्मक, दरों से संबंधित और जीवनयापन की आसानी से जुड़े सुधार होंगे।दरों से संबंधित सुधारों के तहत स्लैबों की संख्या मौजूदा चार से घटाकर दो की जायेगी। इसके अलावा कुछ वस्तुओं पर विशेष दरें लगाई जायेंगी। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में जीएसटी के तहत कर के चार स्लैब पाँच प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत हैं। इसके अलावा आम लोगों के इस्तेमाल में आने वाली चीजें और आकांक्षी वस्तुओं पर कर की दरें कम की जायेंगी।संरचनात्मक सुधारों के तहत इनपुट टैक्स और आउटपुट टैक्स को सरेखित किया जायेगा जिससे इनपुट टैक्स का बकाया ज्यादा नहीं होगा। वर्गीकरण के मुद्दों का समाधान किया जायेगा ताकि विवादों में कमी आये, अनुपालन प्रक्रिया आसान हो और समता बढ़े। क्षतिपूर्ति उपकर को समाप्त किया जायेगा।जीवनयापन की आसानी के तहत पंजीकरण, रिटर्न और रिफंड प्रक्रियाओं को आसान बनाया जायेगा। पंजीकरण को समयबद्ध किया जायेगा और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल बढ़ाया जायेगा। इससे विशेष रूप से छोटे कारोबारियों को स्टार्टअप को ज्यादा फायदा होगा। पहले से भरे हुये रिटर्न को लागू किया जायेगा ताकि इंसानी दखल कम हो और गलतियों की संभावना कम हो। रिफंड की प्रोसेसिंग स्वचालित की जायेगी जिससे रिफंड में लगने वाला समय कम होगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने 01 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू किया था। पिछले आठ साल में इसमें कई तरह के बदलाव किये गये हैं। इससे नये सिरे से संरचनात्मक और अन्य सुधारों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

हाईकोर्ट से...

सुप्रीम कोर्ट सिर्फ नामों की सिफारिश करता है और हाईकोर्ट कॉलेजियम से उन पर विचार करने का अनुरोध करता है। उन्हें हुक्म नहीं दे सकता। सीजेआई ने कहा, 'सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय से उच्च न्यायालय नहीं है; सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय दोनों ही संवैधानिक न्यायालय हैं। वे न तो एक-दूसरे से निम्न हैं और न ही उच्च। हम सिर्फ उच्च न्यायालय के कॉलेजियम को नामों की सिफ़ारिश करते हैं और उनसे उन पर विचार करने का अनुरोध करते हैं, और यदि वे उन्हें मंज़ूरी देते हैं, तो ही इसे आगे बढ़ाया जाता है। सीजेआई संजीव खन्ना ने अपने कार्यकाल के दौरान कैंडिडेट्स के साथ बातचीत की प्रक्रिया शुरू की थी, जो बहुत मददगार रही है।

वोट चोरी के...

हालांकि हम धार्मिक आधार पर दो राष्ट्रों में विभाजित हुए, और भारत में हिंदू बहुमत होने के बावजूद, हमारी संस्कृति सभी धर्मों के लोगों का सम्मान करती है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय संस्कृति में ही निहित है, हमें यह सिद्धांत सिखाने के लिए बाहरी लोगों या यूरोपीय लोगों की आवश्यकता नहीं है।पवन कल्याण ने सुशासन और विकास के लिए अपनी दृष्टि भी बताई। उन्होंने उम्मीद जताई कि एनडीए गठबंधन आंध्र प्रदेश में स्थिरता और वादे किए गए सुपर सिक्स पहलों को लागू करने के लिए 15 साल तक शासन करेगा।

उन्होंने आर्थिक विकास के लिए कानून और व्यवस्था के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, निवेश के प्रवाह के लिए मजबूत कानून और व्यवस्था की आवश्यकता होती है। इसके बिना, निवेशक दूर रहते हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल का उदाहरण दिया, जहां मजबूत कानून और व्यवस्था स्थापित होने के बाद राज्य ने 15 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया।कल्याण ने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर सार्वजनिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, मेरी इच्छा है कि हमारी गठबंधन सरकार लोगों को स्थिर शासन प्रदान करने के लिए डेढ़ दशक तक जारी रहे। मुझे केवल व्यक्तिगत आनंद के लिए पद पर बने रहने की कोई इच्छा नहीं है।

हर नागरिक अपनी ...

क्योंकि आतंकवाद को देश किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है। ललन सिंह के इस बयान से साफ है कि केंद्र सरकार नागरिकता और मताधिकार को जोड़ने के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाए हुए है, जबकि विपक्ष इसे लेकर जनसमर्थन जुटाने में लगा हुआ है। इसके अलावा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने देशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए देश की सुरक्षा में लगे जवानों के साहस और बलिदान को सलाम किया। उन्होंने कहा कि आज देश की सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में लड़कर हमारे देश को सुरक्षित रखा है और इसके लिए हम सेना को भी बधाई देते हैं।पीएम मोदी द्वारा जीएसटी रिफॉर्म्स की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में लागू जीएसटी ने देश के हर वर्ग को जोड़ा है। आज गरीब आदमी भी कहता है कि हम देश चला रहे हैं। इस व्यवस्था में हम समय-समय पर सुधार करते रहेंगे।

स्वतंत्रता को कायम ...

एक नई दुनिया का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में पर्यावरणीय मुद्दे और झगड़े हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में, भारत का कर्तव्य है कि वह दूसरों का मार्गदर्शन करे, समस्याओं का समाधान करे और 'विश्व गुरु' के रूप में दुनिया को शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाए।

बता दें कि इससे पहले आज सुबह लाल किले से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तारीफ की है। उन्होंने ठडड की स्थापना के 100 साल पूरा होने का उल्लेख किया और कहा कि इस संगठन की राष्ट्रसेवा की यात्रा पर देश गर्व करता है। उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ है और यह प्रेरणा देता रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। 100 साल की राष्ट्र की सेवा एक बहुत ही गौरवपूर्ण कार्य है। व्यक्ति निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण का लक्ष्य लेकर मां भारती के कल्याण के लिए लाखों स्वयंसेवकों ने अपना जीवन समर्पित किया।यह एक प्रकार से दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ है। 100 साल का समर्पण का इतिहास है। मोदी ने कहा, आज लाल किले की प्राचीर से 100 साल की इस राष्ट्रसेवा की यात्रा में योगदान करने वाले सभी स्वयंसेवकों को आदरपूर्वक स्मरण करता हूं। उन्होंने कहा कि आरएसएस की 100 साल की भव्य, समर्पित यात्रा पर देश गर्व करता है।

मिसाइलें-रडार-एआई ...

बीच तुरंत समन्वय बनाएगा, ताकि हवाई खतरों पर तेजी से कार्रवाई हो सके। यह सुरक्षा कवच इजरायल के आयरन डोम की तरह सभी हवाई खतरों से बचाएगा।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने इसे बनाया है। यह देशभर में फैले कई एयर डिफेंस सेंटरों को जोड़ता है और हाई-स्पीड एएफएनईटी फाइबर नेटवर्क पर चलता है। इससे सेंसर, फाइटर जेट, मिसाइल सिस्टम (जैसे आकाश, बराक-8, एमआर सैम, एस -400) और फैसले लेने वालों के बीच तुरंत डेटा शेयर होता है।इस नेटवर्क से सेना दुश्मन के विमान, ड्रोन और मिसाइलों को जल्दी पहचानकर सही हथियार से जवाब दे सकती है। खास बात यह है कि इसमें -ख तकनीक भी जोड़ी गई है, जो खतरों को ट्रैक करने और हथियार चुनने में मदद करती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसी सिस्टम ने पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को तुरंत नष्ट करके अपनी ताकत साबित की।सुदर्शन चक्र मिशन के तहत बनाई जाने वाली इंटीग्रेटेड रॉकेट फोर्स भारत के आईएसीसीएस एयर डिफेंस नेटवर्क को और ताकत देगी। यह फोर्स दुश्मनों पर जवाबी हमले करने के लिए लंबी दूरी तक मार करने वाली सटीक मिसाइलें, जैसे हाइपरसोनिक और बैलिस्टिक मिसाइलें, शामिल कर सकती है।इस मिशन का टारगेट एक ऐसा नेटवर्क बनाना है, जिसमें आईएसीसीएस का रियल-टाइम निगरानी सिस्टम और रॉकेट फोर्स की अटैक क्षमता एक साथ काम करें। इससे खतरे जल्दी पकड़े जाएंगे, कई परतों वाली एयर डिफेंस तैनात होगी और सटीक जवाबी वार किया जा सकेगा। यह भारत को हवाई और मिसाइल हमलों से मजबूत सुरक्षा प्रदान करेगा।साल 2035 तक यह सिस्टम भारत के अहम ढांचों और कई अहम इलाकों की रक्षा करेगा। पीएम मोदी के मुताबिक, यह सुरक्षा कवच लगातार फैलता जाएगा, ताकि हर नागरिक सुरक्षित महसूस करे। सुदर्शन चक्र मिशन भारत की फ्यूचर की हवाई रक्षा रणनीति का अहम बुनियाद है।

अब तक 60 ...

30 मीटर लंबा पुल बाढ़ में बह गए। बस स्टैंड पर खड़ी कई गाड़ियां और एक सुरक्षा चौकी भी बह गई।

यह घटना माचेल माता यात्रा के बेस कैंप चिसोटी में हुई, जहां बड़ी संख्या में तीर्थयात्री मौजूद थे। यात्रा को शुक्रवार को दूसरे दिन भी स्थगित रखा गया।

जम्मू और कश्मीर स्वास्थ्य विभाग ने त्रासदी के मद्देनजर बेहतर चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। पीजीआई-चंडीगढ़ से विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भेजी जा रही है। जिला अस्पताल किश्तवाड़ और जीएमसी डोडा में भी अतिरिक्त डॉक्टरों की तैनाती की गई है। जीएमसी जम्मू में 50 आपदा बेड, 20 वेंटिलेटर बेड और 5 ऑपरेशन थिएटर पूरी तरह से तैयार रखे गए हैं।अधिकारियों ने बताया कि बारिश के बावजूद शुक्रवार सुबह से बचाव और राहत अभियान फिर से शुरू कर दिया गया है। घटनास्थल पर जेसीबी मशीनों को भी लगाया गया है ताकि मलबे को हटाया जा सके और दबे हुए लोगों को बाहर निकाला जा सके।

हुमायूं मकबरे के परिसर में दर्दनाक हादसा, पांच लोगों की मौत, रेस्क्यू जारी

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में स्थित हुमायूं का मकबरा में शुक्रवार (15 अगस्त) को हादसा हो गया । इसमें पांच लोगों की मौत हो गई।मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं । दरअसल, मकबरे के परिसर में पीछे की तरफ फतेह शाह दरगाह का एक हिस्सा गिर गया। बारिश की वजह से कुछ लोग रुके हुए थे और हादसे में दब गए। 10-12 लोगों को मलबे से निकाला गया। घायलों को एम्स और एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती किया गया।

बता दें कि दिल्ली में हुमायूं का मकबरा मशहूर है। छुट्टियों के दिनों में यहां लोग घूमने भी आते हैं। ऐसे में यहां पर भीड़ होती है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इस मकबरे का देखरेख करती है।

हुमायूं का मकबरा, जिसे मकबरा-ए-हुमायूं भी कहते हैं, मुगल सम्राट हुमायूं की याद में बनाया गया एक भव्य स्मारक है। इसे उनकी पहली पत्नी बेगा बेगम, जिन्हें हाजी बेगम के नाम से भी जाना जाता है, ने 1569-70 में बनवाया था। इस शानदार मकबरे का डिज़ाइन फ़ारसी वास्तुकार मिर्क मिर्ज़ा गियास और उनके बेटे सय्यद मुहम्मद ने तैयार किया था।

पश्चिम बंगाल के बर्धमान में बस हादसा, 10 यात्रियों की मौत हुई

बर्धमान, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बर्धमान में दर्दनाक सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है, जबकि करीब 35 लोग घायल हैं। सभी घायलों को बर्धमान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूर्वी बर्धमान के पुलिस अधीक्षक संयुक्त दास ने इसकी पुष्टि की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ, जब यात्रियों से भरी हुई एक बस रास्ते में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। गंगा सागर में स्नान करके यात्री लौट रहे थे। बस दुर्गापुर की ओर जा रही थी। यह दुर्घटना पूर्वी बर्धमान में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-19 पर नाला फेरी घाट पर हुई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।स्थानीय लोगों ने सबसे पहले बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को भी सूचना दी गई। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने राहत व बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना की खबर मिलने पर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अर्क बनर्जी और जिलाधिकारी आयशा रानी अस्पताल पहुंचे।इस बीच, पूर्वी बर्धमान के पुलिस अधीक्षक सायक दास ने बताया कि यह बस किसी तीर्थ यात्रा पर जा रही थी। इसी दौरान, रास्ते में बस का ट्रक के साथ एक्सीडेंट हुआ। पुलिस अधिकारी ने पुष्टि करते हुए कहा कि भीषण बस दुर्घटना में 10 लोगों की मौत हुई है। 35 लोग घायल हुए। कुछ लोगों की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक सायक दास के मुताबिक, सभी यात्री बिहार के निवासी हैं। बस में 5 बच्चों सहित 45 यात्री सवार थे।

गौरी योग का अनुपम संयोग, कर्क सहित अन्य राशियों का चमकेगा भाग्य

आज यानी 16 अगस्त शनिवार है और आज के दिन चंद्रमा का गोचर मेष उपरांत वृषभ राशि में होगा। इस पर आज शनिवार होने से दिन के ग्रह स्वामी शनि होंगे। आज के दिन चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में प्रवेश करेंगे और गौरी योग का निर्माण करेंगे। इसके साथ ही आज के दिन कृतिका नक्षत्र के संयोग में ध्रुव योग और सुनफा योग का भी संयोग बनने जा रहा है। यही नहीं आज बुधादित्य और गजलक्ष्मी योग भी बन रहा है। इस पर आज शनिवार होने से दिन के देवता शनि महाराज होंगे जबकि आज की तिथि भगवान कृष्ण को समर्पित होगी। वैदिक पंचांग के अनुसार, आज भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि है और आज जन्माष्टमी मनाई जाएगी। ऐसे में आज का दिन गौरी योग के संयोग और भगवान कृष्ण की कृपा से कर्क सहित 5 राशियों के लिए भाग्यशाली रहने वाला है। इन राशियों को अपने-अपने क्षेत्र में भाग्य का साथ मिलेगा और इनकी जमकर कमाई होगी। आज आपके घर में धार्मिक माहौल रहेगा। इसके साथ ही आज कृष्ण भगवान की पूजा करने से आपको अतिरिक्त फल मिल सकता है। ऐसे में जानते हैं, आज शनिवार का दिन इन राशियों के लिए किन-किन मामलों में भाग्यशाली रहेगा।

कर्क राशि –कर्क राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन उम्मीद से बेहतर परिणाम दिलाने वाला रहेगा। आज आपको कारोबार में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। अच्छी बात यह है कि आप इन मौकों को बेहतर तरीके से भुनाने में सफल होंगे। सरकारी सेवाओं से जुड़े जातकों के लिए आज दिन बेहतर रहने वाला है। आज आपके काम समय पर पूरे होंगे। आपको उच्च अधिकारियों का साथ मिलेगा। इसके अलावा अगर आपका कोई काम अटक रहा था तो आज के दिन उसमें तेजी आ सकती है। आज आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। परिवार में आपके सुख शांति रहेगी। जीवनसाथी के साथ आपकी अच्छी जमेगी। आपको कदम कदम पर पार्टनर का साथ मिलेगा।

उपाय : आज भगवान कृष्ण को मोर पंख अर्पित करें। वहीं आज पीपल के पेड़ की जड़ पर जल दें और सरसों के तेल का दीया लाल बाती से जलाएं।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन मंगलकारी रहने वाला है। आज आपको किस्मत का साथ मिलने वाला है। किस्मत के मेहरबान रहने से आपके काम तेजी से पूरे होंगे। अप्रत्याशित रूप से आपको धन लाभ होने के भी आसार हैं। खासकर आपका भारी मात्रा में अटका हुआ धन आज के दिन निआज सकता है। इससे आप तनाव मुक्त होंगे। इसके साथ ही आज आपको कारोबार के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी जाने का मौका मिल सकता है। यात्रा आपके लिए सुखद और लाभकारी रहने वाली है। आपको इच्छित सफलता मिलने के आसार हैं। परिवार में आपके अनुकूल माहौल रहेगा। पिता या पिता तुल्य लोगों को सहयोग मिलने से आपके आत्मबल में बढ़ोतरी होगी। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

उपाय : आज जन्माष्टमी का व्रत रखें और जरूरमंदों को भोजन कराएं। इसके साथ ही आज शनि मंदिर में शनिदेव को काले तिल, शमी के पत्ते और उड़द की दाल चढ़ाएं।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन शानदार रहने वाला है। आज आप अपने कार्यों को लेकर अतिरिक्त गंभीर नजर आएंगे। आप उन्हें पूरा करने या नई योजनाओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करेंगे। आपको इसका फायदा भी मिलेगा। आपकी मेहनत रंग लाएगी और आप अच्छा लाभ कमाने में सफल होंगे। कार्य विस्तार की योजनाएं सही दिशा में आगे बढ़ेंगी। इससे आपके आत्मविश्वास में इजाफा होगा। पार्टनरशिप में काम करने का मन बना रहे हैं तो आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको आज परिवार में जीवनसाथी का भी पूरा साथ मिलेगा। आप जीवनसाथी के नाम पर नया निवेश कर सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिहाज से आज का दिन उम्मीद से बेहतर रहेगा। बाहर घूमने के लिए जा सकते हैं।

उपाय : आज राधा-कृष्ण के नामों का अधिक से अधिक बार जप करें। वहीं आज के दिन एक पात्र में सरसों का तेल डालकर उसमें अपनी परछाई देखें और इस तेल को दान कर दें।

रोहिणी नक्षत्र को पूजा के लिए शुभ और शक्तिशाली क्यों माना जाता है? जानें इसके पीछे के कारण

भारतीय ज्योतिष में, 27 नक्षत्रों का एक विशेष स्थान है। इन सभी में, रोहिणी नक्षत्र को सबसे शुभ और शक्तिशाली माना जाता है, खासकर धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ के लिए। यह सिर्फ एक खगोलीय घटना नहीं, बल्कि कई धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण समय है।

पौराणिक महत्व और भगवान कृष्ण से संबंध

रोहिणी नक्षत्र का सबसे बड़ा महत्व भगवान कृष्ण से जुड़ा है। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, भगवान विष्णु के आठवें अवतार, भगवान कृष्ण का जन्म इसी नक्षत्र में हुआ था। इस कारण से, रोहिणी नक्षत्र को प्रेम, सौंदर्य, और मातृत्व का प्रतीक माना जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी के दौरान, जब यह नक्षत्र पड़ता है, तो पूजा और व्रत का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा, रोहिणी नक्षत्र को चंद्रमा की सबसे प्रिय पत्नी भी माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, चंद्रमा को अपनी 27 पत्नियों में से रोहिणी सबसे अधिक प्रिय थी। इसी वजह से रोहिणी नक्षत्र को चंद्रमा का विशेष आशीर्वाद प्राप्त है। यह माना जाता है कि इस नक्षत्र में की गई पूजा, चंद्रमा के आशीर्वाद से शुभ फल देती है और मन को शांति प्रदान करती है।

ज्योतिषीय महत्व

ज्योतिष के अनुसार, रोहिणी नक्षत्र वृषभ राशि के अंतर्गत आता है और इसका स्वामी ग्रह चंद्रमा है। चंद्रमा को मन, भावनाओं, और मातृत्व का कारक माना जाता है। जब चंद्रमा रोहिणी नक्षत्र में होता है, तो उसकी सकारात्मक ऊर्जा अपने चरम पर होती है। माना जाता है इस समय किए गए सभी धार्मिक कार्य और पूजा-पाठ का जल्दी फल मिलता है। वहीं रोहिणी नक्षत्र को स्थिर और दृढ़ माना जाता है। इसलिए, इस समय किए गए कार्य लंबे समय तक चलने वाले और सफल होते हैं।

विवाह और गृह प्रवेश: यह नक्षत्र विवाह और नए घर में प्रवेश जैसे महत्व-पूर्ण कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इस नक्षत्र में किया गया विवाह जीवन भर सुख और समृद्धि लाता है।

शुभ फलदायी योग : जब किसी धार्मिक अनुष्ठान का मुहूर्त रोहिणी नक्षत्र में तय किया जाता है, तो पूजा के फल कई गुना बढ़ जाते हैं।

शक्ति और उन्नति का कारक : इस नक्षत्र में पूजा करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं जल्दी पूर्ण होती हैं और जीवन में उन्नति के अवसर बढ़ते हैं।

कैसे करें रोहिणी नक्षत्र में पूजा?

रोहिणी नक्षत्र के दिन पूजा करने के लिए कुछ विशेष नियम हैं।

जल्दी उठें: इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें।

देवी-देवताओं की पूजा: भगवान कृष्ण, माता रोहिणी और चंद्रमा की पूजा करें। उन्हें फूल, फल और मिठाई चढ़ाएं।

मंत्र जाप: इस दिन 'ॐ रोहिण्यै नमः' या भगवान कृष्ण के मंत्रों का जाप करना बहुत लाभकारी होता है।

दान-पुण्य: इस दिन गरीबों और जरूरतमंदों को दान करने से पुण्य मिलता है।

राधा जी से असीम प्रेम करने वाले भगवान कृष्ण ने उन्हें क्यों दिया कभी संतान न होने का शाप, जानिए इसका रहस्य

जन्माष्टमी के मौके पर कान्हा जी के साथ साथ राधा जी का पूजन भी किया जाता है। वैसे भी राधा नाम बिना कृष्ण अधूरे हैं और राधा नाम मिल जाए तो कृष्ण भी पूरे हो जाते हैं। राधा और कृष्ण की प्रेम कहानी के बारे में न जाने कितने बार कहा, लिखा और सुना गया है। भगवान कृष्ण हमारी किशोरी जी को अगाध प्रेम करते हैं लेकिन एक बार एक ऐसी भी घटना हुई कि भगवान कृष्ण ने राधा जी को शाप दे दिया। वो भी ऐसा वैसा शाप नहीं दिया, उन्हें कभी संतान न होने का शाप दिया। आइये जानते हैं, भगवान कृष्ण ने ऐसा शाप क्यों दिया। इसके पीछे की वजह क्या थी।

राधाजी के मन में आई पुत्र की इच्छा

बताया जाता है कि एक समय की बात है, जब दिव्य लोग में राधा जी और भगवान कृष्ण रास विलास कर रहे थे। तभी राधा जी के मन में पुत्र

पैदा करने की इच्छा उत्पन्न हुई। अब जब राधा जी खुद सभी इच्छाओं से परिपूर्ण हैं तो उनके मन में ये इच्छा क्यों आई? किसी के मन में ये सवाल भी आ सकता है, तो क्रीड़ा तो आनंद के ही निमित्त होती है। इसका कोई उद्देश्य तो होता नहीं है। ऐसे में क्रीड़ा क्रीड़ा में इच्छा पैदा हो गई। अब जब राधा जी को इसकी इच्छा हुई तो उन्हें एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है। जब राधा रानी जी इतनी सुंदर हैं तो उनका पुत्र भी बहुत सुंदर हुआ।

राधाजी के आचरण के बाद कान्हा ने दिया शाप

कथा बताती है कि एक दिन पुत्र ने जम्हाई ले ली। कहते हैं जब उन्होंने जम्हाई ली तो उनके पेट में पंचभूत, आकाश, पाताल, वन, पर्वत, पेड़, अहंकार, प्रकृति, पुरुष सभी दिखाई देने लगे। राधिका जी को बड़ा खराब सा लगा कि कैसी अलाई बलाई सब इनके मुंह में हैं और कैसा ही ये विराट छोकरा हुआ है। इस पर उन्होंने जल में रख दिया। वही विराट पुरुष हुए और उन्हीं से सभी ब्रह्मांड की उत्पत्ति हुई। वहीं जब राधाजी का इस तरह का अजीब व्यवहार भगवान श्रीकृष्ण ने देखा तो उन्होंने किशोरी जी को शाप दे दिया। श्रीकृष्ण ने राधाजी को शाप दिया कि अब उन्हें कभी भी संतान का लाभ नहीं मिलेगा। वह संतानहीन रहेंगी। इसी वजह से राधा जी का एक नाम कृशोदरी भी पड़ा है।

श्राद्ध पक्ष में लगेंगे दो ग्रहण

भारत में दिखेगा 7 सितंबर का चंद्र ग्रहण, 21 सितंबर को सूर्य ग्रहण

साल की शुरुआत में मार्च माह में एक बार चंद्र ग्रहण लग चुका है। लेकिन सितंबर महीने में साल का दूसरा चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। बड़ी बात यह है कि इसे भारत में देखा जा सकेगा। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य एवं चंद्र ग्रहण का विशेष महत्व है। इस दौरान शुभ कार्य और पूजा-पाठ करने की मनाही होती है। लापरवाही करने या बरतने से शारीरिक और मानसिक सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण पितृ पक्ष की शुरुआत में लगेगा और यह भारत में दिखाई देगा, जिससे इसका सूतक काल मान्य होगा। जिन जगहों पर ग्रहण दिखाई देता है, वहां-वहां चंद्र ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले सूतक शुरू हो जाता है। चंद्र ग्रहण के सूतक के समय में पूजा-पाठ नहीं किए जाते हैं, मंदिर बंद रहते हैं। ग्रहण खत्म होने के बाद सूतक खत्म होता है। मंदिरों का शुद्धिकरण होता है और फिर पूजा-पाठ आदि धर्म-कर्म किए जाते हैं।

चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण पितृ पक्ष की शुरुआत में लगेगा और यह भारत में दिखाई देगा, जिससे इसका सूतक काल मान्य होगा। सूर्य ग्रहण 21 सितंबर 2025 को लगेगा और यह भी भारत में नहीं दिखेगा। यह भी आंशिक सूर्य ग्रहण होगा और न्यूजीलैंड, पैसिफिक व अंटार्कटिका में दिखाई देगा।

वर्ष का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को भाद्रपद मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह रात्रि 21:57 बजे शुरू होकर 1:26 बजे तक प्रभावी रहेगा और भारत समेत संपूर्ण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका के पूर्वी क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह चंद्र ग्रहण भारत में भी नजर आएगा इसलिए इसका सूतक काल मान्य होगा और धार्मिक दृष्टि से इसका महत्व होगा। इस ग्रहण का सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12:57 बजे से आरंभ होगा और ग्रहण की समाप्ति तक रहेगा। यह ग्रहण अंटार्कटिका, पश्चिमी प्रशांत महासागर, ऑस्ट्रेलेशिया, एशिया, हिंद महासागर, युरोप पूर्वी अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। रुस और प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में चन्द्रास्त के समय उपच्छाया का प्रारम्भ दिखाई देगा। आइसलैंड, अफ्रीका के पश्चिमी हिस्से और अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में उपच्छाया का अन्त चन्द्रोदय के समय दिखाई देगा।

7 सितंबर से पितृ पक्ष का आरंभ

इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 7 सितंबर से हो रहा है और 21 सितंबर तक चलेगा। लेकिन पूर्णिमा का श्राद्ध 7 सितंबर को होगा और उसी दिन साल का अंतिम चंद्र ग्रहण भी लगेगा। भारत में चंद्र ग्रहण दिखाई देगा इस कारण सूतक लगेगा। ये चंद्र ग्रहण भारत में दिखेगा। यूरोप, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत, अटलांटिक, हिंद महासागर, आर्कटिक और अंटार्कटिका में भी यह दिखेगा।

बृहत्संहिता के अनुसार दो ग्रहणों का असर

वराहमिहिर द्वारा रचित ग्रंथ बृहत्संहिता के राहुच-ाराध्याय में लिखा है कि जब दो-दो ग्रहण एक साथ एक ही महीने में होते हैं तो तूफान, भूकंप, मानवीय भूल से बड़ी संख्या में जनहानि होने के योग बनते हैं। एक ही महीने में सूर्य और चंद्र ग्रहण होते हैं तो सेनाओं की हलचल बढ़ती है। सरकारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्राकृतिक आपदा आने के योग रहते हैं।

1979 में भी हुए थे ऐसे ही हादसे

43 साल पहले 11 अगस्त 1979 को भी मोरबी में डैम टूटने से बाढ़ आ गई थी और हजारों लोग मारे गए थे। उस साल 22 अगस्त को सिंह राशि में सूर्य ग्रहण हुआ था। इसके बाद 6 सितंबर को कुंभ राशि में चंद्र ग्रहण हुआ था। अक्टूबर-1979 में फिलीपींस में तूफान आया था, जिसमें बड़ी जनहानि हुई थी। ठीक ऐसे ही हादसे 2022 में भी हो रहे हैं।

7 सितंबर को दूसरा चंद्र ग्रहण (पूर्ण चंद्र ग्रहण)

वर्ष का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को भाद्रपद मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह रात्रि 21:57 बजे शुरू होकर 1:26 बजे तक प्रभावी रहेगा और भारत समेत संपूर्ण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका के पूर्वी क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह चंद्र ग्रहण भारत में भी नजर आएगा इसलिए इसका सूतक काल मान्य होगा और धार्मिक दृष्टि से इसका महत्व होगा। इस ग्रहण का सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12:57 बजे से आरंभ होगा और ग्रहण की समाप्ति तक रहेगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में लगेगा, जिसमें चंद्रमा के साथ राहु और सप्तम भाव में सूर्य, केतु और बुध

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

विराजमान होंगे। इस संयोजन का कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में जन्मे व्यक्तियों पर विशेष प्रभाव पड़ सकता है। इन जातकों को सावधानी बरतने का आवश्यकता रहेगी।

उपच्छाया प्रवेश रात्रि 08:57,
ग्रहण प्रारम्भ (स्पर्श) :- रात्रि 09:57,
पूर्णता प्रारम्भ : मध्यरात्रि 11:00,
ग्रहण मध्य: मध्यरात्रि 11:41,
पूर्णता समाप्त मध्यरात्रि 12:23,
ग्रहण समाप्त (मोक्ष):-मध्यरात्रि 01:27,
उपच्छाया अन्त: मध्यरात्रि 02:27,
ग्रहण की अवधि:- 03 घंटे 30 मिनट,
पूर्णता की अवधि:- 01 घंटे 23 मिनट

भारत में दिखाई देगा चंद्र ग्रहण

यह चंद्र ग्रहण मुख्य रूप से भारत सहित एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफ्रीका, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका तथा दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में भी देखा जा सकेगा। यह पूर्ण चंद्रग्रहण भारत के सभी हिस्सों से दिखाई देगा। पूरे देश में ग्रहण की शुरुआत से लेकर अंत तक उपच्छाया सहित ग्रहण के सभी चरण दिखेंगे।

सूतक काल का समय

चंद्र ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले हमेशा सूतक काल लगाता है। ऐसे में 7 सितंबर 2025 को लगने वाला चंद्र ग्रहण रात 9:57 मिनट से शुरू होगा। इसलिए इससे 9 घंटे पहले से सूतक काल लग जाएगा। इसका सुतक दोपहर 12:57 पर प्रारम्भ हो जायेगा।

21 सितंबर को दूसरा सूर्य ग्रहण (पूर्ण सूर्य ग्रहण)

दूसरा सूर्य ग्रहण 21 सितंबर की रात्रि में लगेगा, जो आश्विन मास की कृष्ण पक्ष अमावस्या के दिन रात 22:59 बजे से शुरू होकर 22 सितंबर की सुबह 03:23 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस पूर्ण ग्रहण को न्यूजीलैंड, फिजी, अंटार्कटिका और ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भागों में देखा जा सकेगा। यह ग्रहण भी भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए यहां इसका धार्मिक प्रभाव भी नहीं होगा और न ही इसका सूतक काल मान्य होगा। साल का दूसरा ग्रहण कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में आकार लेगा। इस दौरान सूर्य, चंद्रमा और बुध के साथ कन्या राशि में स्थित होंगे और उन पर मीन राशि में बैठे शनि देव की पूर्ण दृष्टि रहेगी। इससे दूसरे भाव में तुला राशि में मंगल होंगे, छठे भाव में कुंभ राशि में राहु, दशम भाव में बृहस्पति और द्वादश भाव में शुक्र और केतु की युति होगी। कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए यह सूर्य ग्रहण विशेष रूप से प्रभावशाली हो सकता है।

न करें ये काम

ग्रहण लगने पर मंदिरों में मूर्तियों को स्पर्श करने से बचें। कैंची, सुई-धागे और धारदार वस्तुओं का उपयोग न करें। यात्रा करने से बचें। ग्रहण को देखने की भूल न करें। महिलाएं ग्रहण के दौरान श्रृंगार न करें। गर्भवती स्त्रियों को ग्रहण के दौरान घर के अंदर रहना चाहिए। ग्रहण समाप्त होने के बाद ही ताजा बना हुआ भोजन करें।

ग्रहण योग का पड़ेगा व्यापक प्रभाव

विश्व के नजरिए से देखा जाए तो इस दौरान ग्रहों के प्रभाव से दो राष्ट्रों के मध्य तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। राष्ट्र अध्यक्षों के मध्य वाक् युद्ध की स्थिति बन सकती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के दृष्टिकोण से बड़ी नकारात्मक सूचना प्राप्त हो सकती है। लेकिन पद प्रतिष्ठा के लिए यह समय महिलाओं के लिए ठीक है। बौद्धिकता , नए अन्वेषण, व्यापारिक दृष्टिकोण से यह अवधि शुभ फल प्रदायक साबित होगा । ग्रहण से तीन महीने तक की अवधि में आम जनमानस के स्वास्थ्य में अवरोध, सुख में कमी ,नए रोगों का उत्पन्न होना , नए रोगों के आने से या होने से सुख में कमी होना ,आपसी मतभेद मनमुटाव, राजनीतिक दलों में कटुता का भाव। बड़े वाहन की दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। भारतीय रुपए का ह्रास हो सकता है। व्यापारिक दृष्टिकोण से यह समय ठीक रहेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से समय ठीक रहेगा एवं बौद्धिक दृष्टिकोण से भी यह समय उपयुक्त रहेगा।

शुभ-अशुभ प्रभाव

प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। दुर्घटनाएं आगजनी आतंक और तनाव होने की संभावना। आंदोलन धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

करें पूजा-पाठ और दान

ग्रहण के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भगवान शिव और माता दुर्गा की आर-ाधना करनी चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए।

जब शानदार अभिनय ने देशभक्ति को किया जीवंत: कैसे इन प्रमुख अभिनेताओं ने फिल्मों को बनाया अविस्मरणीय

जैसे ही भारत 15 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है, यह सही समय है उन फ़िल्मों को याद करने का, जिन्होंने बड़े पर्दे पर देशभक्ति, साहस और बलिदान की भावना को बखूबी पेश किया। वर्षों से, बॉलीवुड ने ऐसी प्रेरणादायक कहानियाँ दी हैं जो न केवल मनोरंजन करती हैं बल्कि देश के प्रति गर्व का एहसास भी जगाती हैं। यहाँ छह अविस्मरणीय देशभक्ति फ़िल्में हैं, जिन्हें उनके मुख्य कलाकारों के दमदार प्रदर्शन ने यादगार बना दिया।

गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल शीर्षक भूमिका में जान्हवी कपूर द्वारा अभिनीत यह प्रेरणादायक बायोग्राफिकल ड्रामा, फ्लाइट लेफ्टिनेंट गुंजन सक्सेना की सच्ची कहानी कहता है-जो कारगिल युद्ध के दौरान लड़ाई के क्षेत्र में उड़ान भरने वाली भारतीय वायुसेना की पहली महिला अधिकारियों में से एक थीं। जान्हवी ने इस किरदार में एक सहज लेकिन असरदार उपस्थिति दी, जिसमें उन्होंने गुंजन के शांत संकल्प, लैंगिक भेदभाव के ख़िलाफ़ उनकी जंग, और भावनात्मक नाज़ुकता को बड़ी ख़ूबसूरती से निभाया। उनका प्रदर्शन सच्चा लगा, जिसने दर्शकों को उनकी यात्रा से जोड़ दिया।

लगान: आशुतोष गोवारिकर के निर्देशन में बनी यह महाकाव्य खेल-ड्रामा औपनिवेशिक भारत में सेट है और एक गांव के लोगों की कहानी कहती है, जो ब्रिटिश अधिकारियों को कर से बचने के लिए क्रिकेट मैच की चुनौती देते हैं। आमिर ख़ान ने भुवन के रूप में एक निडर और दृढ़ नेता का किरदार निभाया, जो असीम आशा और साहस से भरा था। उन्होंने एक बिखरी हुई टोली को एकजुट टीम में बदलकर असंभव जीत को विश्वसनीय बना दिया।

बॉर्डर: जेपी दत्ता द्वारा निर्देशित, बॉर्डर भारतीय सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित युद्ध फ़िल्मों में से एक है। 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान लोंगेवाला की लड़ाई पर आधारित इस फ़िल्म में सनी देओल और जैकी श्रॉफ ने मुख्य भूमिका निभाई। हर अभिनेता का प्रदर्शन जोश, वीरता और अटूट देशभक्ति से भरा था।

रंग दे बसंती: आधुनिक क्लासिक कही जाने वाली रंग दे बसंती में आमिर ख़ान, सिद्धार्थ और कुणाल कपूर ने अभिनय किया है। फ़िल्म में बेफ़िक्र कॉलेज दोस्तों की ज़िंदगी को भारत के स्वतंत्रता सेनानियों की क्रांतिकारी भावना के साथ जोड़ा गया है। आमिर ने 'डीजे' के किरदार में ऊर्जा और सहजता से एक ऐसे युवक का बदलाव दिखाया जो मज़ाक-मस्ती से गंभीर बलिदान तक की यात्रा करता है। सिद्धार्थ ने गंभीरता और कुणाल कपूर ने शांत दृढ़ता से अभिनय किया, जिसने फ़िल्म की भावनात्मक गहराई को और बढ़ा दिया।

द लेजेंड ऑफ भगत सिंह: अजय देवगन ने इस शक्तिशाली बायोपिक में अपने करियर का एक बेहतरीन प्रदर्शन दिया। यह फ़िल्म क्रांतिकारी भगत सिंह के साहस, विचारधारा और 23 वर्ष की आयु में उनके बलिदान की कहानी कहती है। अजय ने इस किरदार को संयमित लेकिन तीखे अंदाज़ में निभाया, जिससे भगत सिंह की विचारधारा दर्शकों के दिल में गहराई से उतर गई।

उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक: यह रोमांचक सैन्य ड्रामा विक्की कौशल को मेजर विहान सिंह शेरगिल के रूप में दिखाता है, जो 2016 के उरी हमले के जवाब में एक गुप्त ऑपरेशन का नेतृत्व करते हैं। फ़िल्म के प्रभावशाली एक्शन दृश्यों, भावनात्मक गहराई और विक्की की मशहूर लाइन-हाउज़ द जोश?-ने इसे तुरंत देशभक्ति का ब्लॉकबस्टर बना दिया। उनका प्रदर्शन शारीरिक दमखम, भावनात्मक भार और कच्ची देशभक्ति का बेहतरीन मिश्रण था।

कमल हासन से राम चरण तक, साउथ इंडियन स्टार्स ने मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

देश में 79वां स्वतंत्रता दिवस का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस मौके पर भला सेलेब्स कैसे पीछे रह सकते हैं। साउथ इंडियन सिनेमा के बड़े सितारों ने भी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। मशहूर अभिनेता-नेता कमल हासन ने एक्स पर लिखा, सपने देखने, नया करने और उन्नति करने की आजादी। हल से कण तक, नमक यात्रा से अंतरिक्ष युग तक, हम उन आजादियों का विस्तार करते रहें जो भारत को मजबूत बनाती हैं। जिस साहस ने हमें आजादी दिलाई, वही साहस अब हमें हर गांव, हर शहर, हर मन में प्रगति दिलाए। स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं। जय हिंद।

रजनीकांत ने इस मौके पर एक खत एक्स पर शेयर किया है। उन्होंने इसमें लोगों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही इस पत्र के जरिए भारतीय सिनेमा में अपने 50 साल पूरे होने पर लोगों से मिले बधाई संदेश और प्यार के लिए आभार व्यक्त किया है। एक्टर चिरंजीवी ने लिखा, सभी भारतीयों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, अपने पूर्वजों द्वारा अर्जित अनमोल स्वतंत्रता का जश्न मनाएं, जो हमे उन्होंने हमें दी। यह स्वतंत्रता हमारी व्यक्तिगत उत्कृष्टता, विकास और हमारे राष्ट्र की निरंतर प्रगति को शक्ति प्रदान करे। जय हिंद। प्रकाश राज ने लिखा, स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं। अपने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए, आइए हम भी प्रेरित हों, जब हमारी स्वतंत्रता पर खतरा आए, तो निडर होकर अपनी आवाज उठाएं। मौन कोई विकल्प नहीं है।

अभिनेत्री-फिल्ममेकर मांचू लक्ष्मी ने इस दिवस को महसूस करने की सलाह देते हुए लिखा, हम तन, मन और आत्मा में स्वतंत्रता का अनुभव करें और इस मूल्य को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। जय हिंद, जय भारत।'आरआरआर' स्टार रामचरण ने अपने घर के ऊपर लहराते हुए तिरंगे की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं। जय हिंद।मॉलीवुड स्टार मोहन लाल ने तिरंगे को सलाम करते हुए एक फोटो शेयर की और देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

शोले के 50 साल पूरे, सचिन पिलगांवकर ने सुनाया अपने किरदार से जुड़ा किस्सा

बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' को 50 साल पूरे हो गए हैं। फिल्म में अभिनेता सचिन पिलगांवकर ने रहीम चाचा के बेटे का किरदार निभाया था, जिसे लेकर उन्होंने खास किस्सा सुनाया है।

अभिनेता ने बताया कि निर्देशक रमेश सिप्पी ने फिल्म में उनका खास सीन हटा दिया था और इसके पीछे की कई वजह बताई थी।सचिन ने बताया, मुझे मारने वाला जो सीन था, वो गब्बर के अड्डे पर शूट हुआ था, लेकिन रमेश ने इस सीन को कुछ वजहों से एडिटिंग में हटवा दिया था। पहली वजह तो ये थी कि फिल्म बहुत लंबी हो रही थी, जिस वजह से इसको हटवाना पड़ा था, और दूसरी ये कि निर्देशक रमेश को लगा था कि एक 16-17 साल के लड़के की हत्या को दिखाना बहुत अजीब लगेगा। फिर फाइनल सीन में एक काली चींटी गब्बर के हाथ में चल रही होती है, जिसे देख गब्बर कहता है, रामगढ़ का बेटा आया है, और फिर वह उस चींटी को मार देता है। इसके बाद गांव में मेरे किरदार की लाश दिखाई जाती है, जिससे पता चलता है कि मेरा किरदार मारा गया है। सचिन ने बताया कि उस समय एक अभिनेता के तौर पर उन्हें यह सीन कटने का दुख हुआ था। अभिनेता ने बताया, उस समय मुझे बहुत बुरा लगा था, क्योंकि मेरा एक खास सीन था गब्बर के साथ, और वो हटा दिया गया था। हर अभिनेता को ऐसा लगेगा। लेकिन आज, जब मैं खुद एक निर्देशक हूं, तो मैं समझता हूं कि रमेशजी ने जो किया, वो सही था। सचिन का कहना है कि एक निर्देशक और निर्माता के नजरिए से वह रमेश सिप्पी के फैसले की सराहना करते हैं। फिल्म 'शोले' में सचिन का किरदार गब्बर (जिसे अमजद खान ने निभाया था) द्वारा मारा जाता है।

जब इस खास वजह से 'छोटे नवाब' के हाथ से निकल गई थी पहली फिल्म

बॉलीवुड के 'छोटे नवाब' का नाम सुनते ही शाही अंदाज और बेमिसाल अभिनय की तस्वीर उभरती है। 16 अगस्त को सैफ अली खान का 55वां जन्मदिन है। सैफ ने न केवल अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता, बल्कि जिंदगी के उतार-चढ़ाव से भी सुर्खियां बटोरीं।

पटौदी खानदान से ताल्लुक रखने वाले सैफ ने एक इंटरव्यू में एक्टिंग करियर में आने वाले स्ट्रगल के साथ ही पहली फिल्म से बाहर किए जाने का किस्सा भी साझा किया था।

एक पुराने इंटरव्यू में सैफ ने खुलासा किया था कि उनकी पहली फिल्म 'बेखुदी' (1992) से उन्हें निकाल दिया गया था, जब निर्देशक ने उन्हें गर्लफ्रेंड और फिल्म के बीच एक का चयन करने का अल्टीमेटम दिया था। सैफ ने माना था कि इस 'धर्मसंकट' ने उनके करियर की शुरुआत को नाटकीय बना दिया था। सैफ अली खान का जन्म 16 अगस्त 1970 को दिल्ली में हुआ, वह एक शाही और सिनेमाई परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता मंसूर अली खान पटौदी भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान थे, और मां शर्मिला टैगोर हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री। सैफ ने अपनी पढ़ाई लॉरेंस स्कूल, सनावर और बाद में यूके के लॉकर पार्क स्कूल और विनचेस्टर कॉलेज में की। हालांकि, उन्होंने खुद स्वीकार किया कि वह पढ़ाई में ज्यादा रुचि नहीं रखते थे।

सैफ का फिल्मी करियर 1993 में यश चोपड़ा की फिल्म 'परंपरा' से शुरू हुआ, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। इससे पहले, वह राहुल रवैल की फिल्म 'बेखुदी' में काजोल के साथ डेब्यू करने वाले थे। इंटरव्यू में सैफ ने बताया था कि निर्देशक ने उनसे स्पष्ट कहा था, या तो गर्लफ्रेंड छोड़ो या फिल्म छोड़ो। हालांकि, सैफ ने फिल्म को छोड़ दिया और गर्लफ्रेंड को चुना, यह घटना उनके करियर की शुरुआत में एक बड़े झटके की तरह थी। सैफ के अभिनय का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा। साल 1990 के दशक में सैफ का करियर कई असफल फिल्मों जैसे 'आशिक आवारा' और 'पहचान' के साथ डगमगाई। लेकिन, 1994 में 'ये दिल्लगी' और 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' ने उन्हें एक खास पहचान दिलाई। साल 1999 में 'कच्चे धागे' और 'हम साथ-साथ हैं' ने उनके करियर को नई दिशा दी। साल 2001 में आई 'दिल चाहता है' फिर 2003 में 'कल हो ना हो' और साल 2004 में आई 'हम तुम' ने उन्हें रोमांटिक हीरो के रूप में स्थापित किया, जिसमें 'हम तुम' के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड भी मिला।हालांकि, इन किरदारों से परे साल 2006 में आई 'ओमकारा', जिसमें उनके नकारात्मक किरदार को काफी पसंद किया गया।

सैफ की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही। साल 1991 में उन्होंने अभिनेत्री अमृता सिंह से शादी की, जिनसे उनकी बेटी सारा और बेटा इब्राहिम हैं। हालांकि, यह शादी ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी और साल 2004 में दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद, 2012 में सैफ ने करीना कपूर से शादी की, और उनके दो बेटे तैमूर और जहांगीर हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन का काम जल्दी ही निपट जाएगा. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिव जी का पंचाक्षर मंत्र जप करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यस्तता ज्यादा रहेगी थकावट भी रहेगी.परन्तु सफलता भी हैं कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है. मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. विवाह सम्बन्ध मे बाधा रहेगी , दुर्गा जी का मंत्र जप करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कार्य सिद्ध होंगे आप मे उत्साह भरपूर रहेगा। राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है. बच्चों के साथ शाम के वक्त समय जरुर बिताए ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का दीप प्रज्वलित करें काम पूरे होंगे खर्च पर नियंत्रण रखें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा. उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. शाम तक पूरे काम निपट जांएगे आप रिलैक्स महसूस करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी माता पिता का जरुरी कार्य पहले पूरा करेंगे. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है. आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान–पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. छोटी कन्या को दूध की मिठाई जरुर दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज व्यापार मे निवेश करना बढ़ीया रहेगा । अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता हैं काम से फूर्सत मिलते ही आराम करें नये काम का बोझ मत डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज व्यापार का लिए समय अनुकूल है साझेदारी भी कर सकते हैं भविष्य मे लाभदायक रहेगा अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. यात्रा पर प्रस्थान करने से पहले दही का सेवन जरुर करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज छात्रों का दिन अच्छा और सफलता वाला रहेगा नये कोर्स मे सफलता भी मिलेगी सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.मछलियों को आटा डाले मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज धन का लाभ बनेगा आय के स्त्रोत बढेंगे । शाम को जीवनसाथी के साथ घूमने जरुर जाए . इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. लक्ष्मी जी को पद्मपुष्प चढाए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

व्यापार के लिए समय आज अनूकूल नही हैं विचार प्रूवक निवेश करें कर्ज लेने से बचें पैसा भी रुक सकता है. दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आपको किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद–विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा. डिनर हल्का लेवें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज मौसमी बीमारियों से परिवार के बच्चे परेशान रहेंगे घर मे गाय के धूप को जलाए . किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे. किसी मित्र के यहां शाम का वक्त बितेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी दिनचर्या मे बदलाव लाना होगा जिससे उन्नति होगी स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा परेशानियों से स्थायी निजात मिलेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन–देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा का योग नही हैं फिलहाल यात्रा टालदें । छात्रों को सफलता बन रही हैं अध्यापक शिक्षक पूरा सहयोग करेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 अगस्त 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 09:36 तक
नक्षत्र : भरणी प्रातः 06:06 तक
योग : वृद्धि प्रातः 07:21 तक
करण : बालव प्रातः 10:43 तक
चन्द्रराशि : मेष प्रातः 11:44 तक
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51 ,सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत वैष्णवानाम् , मन्वादि तिथि , मघा में रवि सिंह संक्रांति रात्रि 01:52 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत लिख रहा आत्मनिर्भरता की नई कहानी : भजनलाल

जोधपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, खुशहाल और समृद्ध बना है, यहां हर व्यक्ति के पास तरक्की के भरपूर अवसर हैं। उनके नेतृत्व में आज भारत की न केवल दुनिया में साख बढ़ी है बल्कि विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। अब देश आत्मनिर्भरता की एक नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। राज्य सरकार विकास और सुशासन के संकल्प पर कार्य करते हुए समृद्ध और विकसित राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शर्मा शुक्रवार को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी और स्वाधीनता के लिए जीवन भर पीड़ाएं–यातनाएं झेलने वाले ज्ञात–अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने इस राष्ट्रीय पर्व पर बहादुर जवानों को स्मरण करते हुए कहा कि वे देश की सीमाओं पर दिन–रात मुस्तैदी के साथ डटे हुए हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपनी अमूल्य सेवाएं देने वाले सभी पुलिसकर्मियों और नागरिक संगठनों व समाजसेवी संस्थाओं को भी धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बीते 11 वर्ष में ऐतिहासिक निर्णय एवं कार्य किए हैं। स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और किसान सम्मान निधि जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन के सपने पूरे हो रहे हैं। शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत 140 करोड़ भारतीयों का सपना, दृढ़ निश्चय और एक जन आंदोलन है। इस सपने को साकार करने में सभी सक्रिय रूप से देश की प्रगति में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' से प्रेरणा लेते हुए हमें स्वदेशी उत्पादों को गर्व के साथ अपनाना है। 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' में अब जय अनुसंधान जोड़ने की आवश्यकता है। खादी का धागा आजादी की लड़ाई में हमारी ताकत बना था, और आज वही धागा हमें विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। आज, 'मेक इन इंडिया' के तहत हम स्वदेशी युद्धपोत, विमान और अत्याधुनिक हथियार प्रणालियां बना रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक ताकत ही नहीं बल्कि सैन्य ताकत के रूप में भी उभरा है, जिसकी बानगी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के रूप में सारी दुनिया ने देखी है। ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि हमारे देश की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि अब सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है जिसका नेतृत्व ऐसे प्रधानमंत्री के हाथ में है जो कहने में नहीं, करने में विश्वास रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को लेकर हम काम कर रहे हैं। रामजल सेतु लिंक परियोजना और यमुना जल समझौते पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। नवनेरा बैराज का कार्य पूर्ण हो गया है और यमुना जल समझौते के तहत टास्क फोर्स ने धरातल पर सर्वे का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत भामाशाहों एवं प्रवासी राजस्थानियों की मदद से हजारों जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन हरियालो राजस्थान में हम 5 साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं और अब तक 15 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति–2024 जारी की गई है, जो 2030 तक प्रदेश के अक्षय ऊर्जा उत्पादन को 125 गीगावाट के स्तर तक ले जाने में बड़ी भूमिका निभाएगी। 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है और सभी किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 5 साल में 53 हजार किलोमीटर सड़क नेटवर्क तैयार करेगी।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के सान्निध्य में राजभवन में एट होम आयोजित

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

राजभवन में 15 अगस्त, शुक्रवार सायं एट होम का आयोजन हुआ। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के सानिध्य में आयोजित हुए एट होम में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट जनों सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित हुए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आगंतुकों से मुलाकात कर सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। एट होम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधिगण, कुलगुरु, प्रशासन और पुलिस के अधिकारी, न्यायाधीपतिगण, समाजसेवी, मीडिया के प्रतिनिधि और आम नागरिक उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में किया ध्वजारोहण, कहा–राष्ट्र सेवा का संकल्प लें

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को प्रातः यहां विधान सभा में स्वतन्त्रता दिवस के मौके पर ध्वज–ारोहण किया। विधान सभा अध्यक्ष ने स्वतंत्रता दिवस की सभी लोगो को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि आज का दिन हम सभी भारतीयों के लिए गौरव का दिन है। यह अवसर हमें उन अमर बलिदानियों का स्मरण कराता है जिनके अदम्य साहस, संघर्ष और बलिदान से हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। यह 90 वर्षों के आन्दोलन के बाद हमें देश को आजादी दिलाने में सफलता मिली। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए नए भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान दे।

वासुदेव देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता की आस्था और विश्वास है, जिसे सशक्त करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। विधानसभा जनभावनाओं का पवित्र मंदिर है और हमें मिलकर इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित के निर्णयों का केंद्र बनाए रखना है। हमारा कर्तव्य है कि हम देश की प्रगति में भागीदार बने। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप देश के चारों और की सामयिक स्थितियों के दृष्टिगत हम सभी को राष्ट्र रक्षा और राष्ट्र सेवा का संकल्प लेना होगा। इस मौके पर विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण, पूर्व विधायकगण मौजूद थे। विधान सभा के प्रमुख सचिव श्री भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा सहित विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारीगण समारोह में उपस्थित थे।

विधान सभा भवन प्रांगण में आयोजित समारोह में राष्ट्रगान राजस्थान पुलिस बैंड ने प्रस्तुत किया। समारोह के आरम्भ में वन्देमातरम प्रस्तुत किया गया। राजकीय आवास पर ध्वजारोहण– विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने शुक्रवार को प्रातः सिविल लाइन्स स्थित राजकीय निवास पर भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी की पत्नी इन्द्रा देवनानी, सुपुत्र महेश देवनानी व परिजन सहित अधिकारी व कर्मचारीगण तथा आमजन मौजूद थे।

हमारे वीर जवान ही हमारी ताकत, हमारी पहचान और हमारी शान : बड़ौली

चंडीगढ़, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर शुक्रवार को सोनीपत के राई हलके के ताजपुर और जैनपुर गांव में ध्वजारोहण किया। बड़ौली ने इस अवसर पर देश के ज्ञात व अज्ञात शहीदों को नमन किया और प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अपने संबोधन में मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि देश की एकता, अखंडता की रक्षा के लिए हमारे वीर जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया तब जाकर हमें आजादी मिली। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवान ही हमारी ताकत, हमारी पहचान और हमारी शान हैं। बड़ौली ने कहा कि सैनिकों के कल्याण हेतु भाजपा सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हरियाणा की नायब सरकार शहीदों के परिवारों के सम्मान और भलाई के लिए निरंतर काम कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज देश हर्षोल्लास और उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, पूरा भारत तिरंगामय है और तिरंगा ही हमारे इतिहास, संघर्ष और सपनों का जीवंत प्रतीक है। बड़ौली ने कहा कि वीर सैनिकों के कारण ही हम चैन की नींद सो पाते हैं और इन्हीं की वजह से एक सूत्र भारत का निर्माण आज हो रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या की और हमारी बहनों के सिंदूर को उजाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना के बाद कड़ा एक्शन लिया और हमारे वीर जवानों ने पाकिस्तान में आतंकवाद के 9 ठिकानों को ध्वस्त किया। बड़ौली ने कहा कि यह केवल प्रतिशोध नहीं था, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का संदेश है।

पंचकूला में सतर्कता ब्यूरो ने मनाया स्वतंत्रता दिवस उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी सम्मानित

पंचकूला, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आज अपने मुख्यालय और सभी रेंज कार्यालयों में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर, ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मचारियों ने देशभक्ति की भावना के साथ समारोह में भाग लिया। समारोह के दौरान, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा ने उन अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने ब्यूरो में उत्कृष्ट कार्य किया है। यह सम्मान उनकी कड़ी मेहनत और ईमानदारी के प्रति ब्यूरो की सराहना को दर्शाता है।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर किया ध्वजारोहण

चंडीगढ़, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने आज राज्य स्तरीय 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में पुलिस लाइन, अंबाला में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। समारोह की शुरुआत शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देने से हुई। राज्यपाल ने आकाश में गुब्बारे छोड़कर प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर युद्ध वीरांगनाओं, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों, आपातकालीन व हिंदी आंदोलन में भाग लेने वाले महानुभावों को सम्मानित किया गया। अपने संदेश में राज्यपाल ने 79 वर्ष पूर्व मिली आजादी को बलिदानियों की अमर गाथा बताया और देश की एकता, प्रगति व भाईचारे के संकल्प को दो–हराया। उन्होंने हरियाणा के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान, कृषि, उद्योग, खेल और तकनीकी उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। राज्यपाल ने कहा कि हरियाणा ने न केवल स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई बल्कि आजादी के बाद भी सीमाओं की रक्षा, औद्योगिक विकास, खेलों और शिक्षा के क्षेत्र में देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता सेनानियों व उनकी विधवाओं की पेंशन बढ़ाकर 40 हजार रुपये मासिक कर दी गई है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह : मुख्यमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के लिए किया वोकल फॉर लोकल का आह्वान

रोहतक, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रोहतक में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण किया। उन्होंने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत आज चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसे विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना है। इसके लिए उन्होंने नागरिकों से 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल फॉर ग्लोबल' को जन–आंदोलन बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने शहीदी स्मारक पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी हरियाणा के जवानों ने देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन बढ़ाकर ₹40,000 मासिक कर दी है और युद्ध में शहीद सैनिकों के परिवारों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को बढ़ाकर 1 करोड़ किया गया है।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने के लक्ष्य में हरियाणा का अहम योगदान होगा। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े 10 वर्षों में सरकार ने भेदभाव वाली व्यवस्था को खत्म कर भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार किया है। इस दौरान 1 लाख 80 हजार युवाओं को बिना खर्ची–पर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

प्रमुख घोषणाएं और उपलब्धियां: किसानों की सभी फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है और अब तक ₹1.48 लाख करोड़ से अधिक की राशि किसानों के खातों में डाली गई है। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण को दो वर्गों में बांटा गया है और पिछड़ा वर्ग की क्रीमिलेयर आय सीमा बढ़ाकर ₹8 लाख की गई है। 'मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना' के तहत गरीब बेटियों को ₹71,000 का शगुन दिया जा रहा है।आयुष्मान भारत–चिरायु योजना में लगभग 22 लाख लोगों का मुफ्त इलाज हुआ है। राज्य के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने का लक्ष्य रखा गया है। महिलाओं को 'लखपति दीदी' और 'ड्रोन दीदी' जैसी योजनाओं से सशक्त किया जा रहा है। 21 नए राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए गए हैं और रिठाला से कुंडली मेट्रो कॉरिडोर का शिलान्यास किया गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का बड़ा बयान

65.64 लाख वोटरों को मताधिकार से वंचित करना वोटों की डकैती

औरंगाबाद (एजेंसियां)।
बिहार के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने एसआईआर को लेकर बड़ा बयान दिया है। गुरुवार देर शाम आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि एसआईआर के बहाने बिहार में 65.64 लाख वोटरों को मताधिकार से वंचित करना वोटों की चोरी नहीं, बल्कि सीधी-सीधी डकैती है। उन्होंने कहा कि इस डकैती के खिलाफ कांग्रेस पार्टी का विरोध और आंदोलन सड़क से लेकर सदन तक जारी रहेगा।

राजेश कुमार ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि एसआईआर में गड़बड़ी के जिन सवालों को हमारी पार्टी और हमारे नेता राहुल गांधी उठा रहे हैं, उनका जवाब चुनाव आयोग को देना चाहिए लेकिन आयोग चुप है। इसके उलट भाजपा नेता आयोग के प्रवक्ता बनकर हमारे सवालों के उल्टे-सीधे जवाब दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि डखठ के नाम पर वोटरों का अधिकार छीने जाने के विरोध और मतदाताओं के अधिकार सुरक्षित करने के लिए इंडी गठबंधन 17 अगस्त से राज्यव्यापी 'वोटर अधिकार यात्रा' शुरू करेगा। यह यात्रा रोहतास जिले के सासाराम से शुरू होगी। इसमें इंडी अलायंस के सभी 6 घटक दल राजद, भाकपा, माकपा, भाकपा माले, वीआईपी और कांग्रेस के सभी नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे।

राजेश कुमार ने कहा कि यात्रा 17 अगस्त को सासाराम से चलकर औरंगाबाद पहुंचेगी, जहां रमेश चौक पर राहुल गांधी और बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जनसभा को संबोधित करेंगे। यात्रा का रात्रि विश्राम कुटुम्बा प्रखंड के बभंडीह स्पोर्ट्स ग्राउंड में होगा। 18 अगस्त को अम्बा चौक पर सभा के बाद यात्रा तेलहारा, पाताल गंगा, देव बाइपास रोड, पुराना थाना मोड़ होते हुए देव पहुंचेगी। यहां राहुल गांधी देव सूर्य मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद यात्रा शिवगंज, वार बाजार होते हुए रफीगंज पहुंचेगी और फिर गया जिले में प्रवेश करेगी। औरंगाबाद में तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह यात्रा चुनावी नहीं है। इसमें केवल वोटरों के अधिकार की बात होगी, कोई चुनावी वादा नहीं किया जाएगा। एसआईआर के नाम पर हो रहे खेल को उजागर किया जाएगा और मतदाताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के चुनाव बहिष्कार संबंधी बयान पर राजेश कुमार ने कहा कि ऐसा निर्णय इंडी अलायंस की को-ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक में ही लिया जा सकता है फिलहाल ऐसा होने की संभावना नहीं है। उन्होंने बताया कि इंडी अलायंस के सभी छह घटक दलों के बीच सीट शेयरिंग पर सहमति बन चुकी है, केवल औपचारिक घोषणा बाकी है, जो वोटर अधिकार यात्रा के बाद की जाएगी। प्रेसवार्ता में औरंगाबाद सदर विधायक आनंद शंकर सिंह, कांग्रेस की औरंगाबाद जिला कमिटी के कार्यकारी जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह, मृत्युंजय कुमार सिंह, अरविंद शर्मा, शैलेंद्र कुमार दूबे उर्फ शैलू दूबे, चुलबुल सिंह, धीरेंद्र सिंह, रामपति राम, रामनरेश पांडेय, राशिद अली खान और महिला नेत्री गायत्री देवी सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

सीवान में वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस का मशाल जुलूस

राहुल गांधी 29 अगस्त को पहुंचेंगे

सीवान (एजेंसियां)।
स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कांग्रेस ने सीवान में लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ के नारों के साथ मशाल जुलूस निकाला।

कांग्रेस ने भाजपा और चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए खासकर कमजोर तबकों के मतदाताओं के वोटों के कटने की बात कही। जुलूस बबुनिया मोड़ से शुरू होकर जेपी चौक तक गया।

इसमें शामिल कार्यकर्ताओं ने वोट चोर, गद्दी छोड़, कमजोर तबके का वोट काटना बंद करो, और भाजपा-चुनाव आयोग का गंदा खेल बंद करो जैसे नारे लगाए।

जिला अध्यक्ष सुशील कुमार ने कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से लोकतंत्र कमजोर हो रहा है और एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा आधार को मान्यता देने और 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाने का स्वागत करते हुए इस मामले में पारदर्शिता की मांग की। पूर्व जिलाध्यक्ष विधुशेखर पांडेय ने कहा कि कांग्रेस बिहार में मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी 17 अगस्त से इस मुद्दे को लेकर यात्रा शुरू करेंगे और 29 अगस्त को सीवान पहुंचेंगे।

जुलूस में जिला समन्वयक मो. चांद शेख, अशोक सिंह, कमलेश सिंह बच्चू, शशि कुमार, इंदु देवी, मेराज अहमद, वृज किशोर सिंह, हाफिज जुबैर, संदीप शर्मा, मो. हक, कमल किशोर ठाकुर, सेराज आलम, अलाउद्दीन अहमद, अजीत उपाध्याय, आफताब आलम, नबी रसूल अंसारी, अमित कुशवाहा, इमाम सफर, संजय कुमार, शहाबुद्दीन, मो. जाहिद, धर्मेंद्र कुमार, मो. सोहैल, वैधनाथ महतो, मो. जहुर, बब्लू सिंह, मो. बेलाल, रवि सिंह समेत दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे।

भागलपुर में जदयू सांसद-विधायक आमने-सामन

गोपाल मंडल ने अजय मंडल पर लगाया एचआईवी पॉजिटिव होने का आरोप

भागलपुर (एजेंसियां)।
जदयू के दो दिग्गज नेताओं सांसद अजय कुमार मंडल और गोपालपुर से विधायक गोपाल मंडल के बीच चल रही तनातनी अब खुली जंग का रूप ले चुकी है। विवाद चार दिन पहले शुरू हुआ था, जब विधायक गोपाल मंडल ने सांसद अजय मंडल और पार्टी की प्रदेश महासचिव पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके जवाब में सांसद अजय मंडल ने घोघा थाना में विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

लेकिन मामला थमने के बजाय और भड़क गया। गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में विधायक गोपाल मंडल ने सांसद अजय मंडल पर गंभीर और आपत्तिजनक आरोप लगाए।

उन्होंने दावा किया कि सांसद एचआईवी पॉजिटिव हैं और उन्हें संसद जाने से रोका जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने पुराने आपराधिक मामलों का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने हत्या और पाकेटमारी जैसी घटनाओं में सांसद का नाम जोड़ा।

विधायक ने कहा कि अजय मंडल खुद बिहार के मुख्यमंत्री बनने की इच्छा रखते थे और इसके लिए उन्होंने कुछ लोगों को मंत्रालय देने और कुछ को पैसे देने की योजना बताई थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सांसद ने गंगा किनारे 40 बीघा जमीन पर अफीम की खेती की और ट्रैक्टर-टेलर के जरिए शराब की सप्लाई करवाई। हालांकि सांसद ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि जमीन उनके चाचा-भतीजे की है।

गोपाल मंडल ने अपर्णा नामक महिला का भी सवाल उठाया और कहा कि सांसद को स्पष्ट करना चाहिए कि यह महिला कौन है।इन बयानों के बाद जदयू के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है और पार्टी के अंदर गुटबाज़ी के संकेत और स्पष्ट हो रहे हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि यह विवाद न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि पार्टी के प्रदेश स्तर की राजनीति को भी प्रभावित कर सकता है।

स्वतंत्रता दिवस और कृष्ण जन्माष्टमी पर सीएम नीतीश कुमार ने दी बधाई

पटना (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वतंत्रता दिवस और कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर राज्यवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। साथ ही चेहल्लुम के लिए उन्होंने हजरत इमाम हुसैन तथा मैदान-ए-कर्बला के तमाम शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उन्होंने राज्य एवं देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारा, मेल-जोल, सद्भाव, सहिष्णुता का वातावरण बनाये रखें। देश की आजादी को अक्षुण्ण रखने के लिये आज के दिन हम सब यह संकल्प लें कि हम अपनी एकता और अखण्डता को बनाये रखेंगे और देश को प्रगति, समृद्धि एवं विकास की नई ऊँचाई पर पहुँचायेंगे। देश का नाम दुनिया में रौशन करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्यवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों को नमन किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राष्ट्रभक्तों के साहस, त्याग एवं बलिदान के फलस्वरूप ही 15 अगस्त 1947 को हमारा देश आजाद हुआ। हम उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों की आहूति दी। उनके उच्च आदर्श आज भी हम सबों के लिये प्रेरणा के स्रोत हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति और परम्परा में पर्व-त्योहारों की एक लंबी श्रृंखला है, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं विविधता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा है कि प्रतिवर्ष भादो माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी के त्योहार के रूप में बड़े धूमधाम से पारम्परिक रीति रिवाज के अनुसार मनाया जाता है। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और उनके कर्मयोग के उपदेश को लोग आत्मसात करने का संकल्प लेते हैं तथा अपने सुख, समृद्धि एवं सफलता की कामना करते हैं।

मुख्यमंत्री ने चेहल्लुम के अवसर पर हजरत इमाम हुसैन तथा मैदान-ए-कर्बला के तमाम शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चेहल्लुम के अवसर पर हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के तमाम शहीदों को याद करते हुये उन्हें अपनी श्रद्धांजलि पेश की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी अमर है। हम सबको इससे प्रेरणा लेकर नफरत के विरूद्ध इंसाफ, सच्चाई, भलाई और हक के परचम को बुलंद रखने का संकल्प लेना चाहिये। यही हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के तमाम शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

50 फीट गहरी खाई में गिरा सेब से लदा ट्रक, बाल-बाल बचा ट्रक चालक

पटना (एजेंसियां)।
कैमूर जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर डहला मोड़ के पास उत्तर लेन में यूपी की ओर से आ रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पुल से करीब 50 फीट नीचे खाई में गिर गया। हादसे में ट्रक चालक को हल्की चोट आई है, जबकि ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही दुर्गावती पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग की टीम मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भीषण था कि चालक का बच पाना मुश्किल था, लेकिन वह चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गया। घायल चालक की पहचान पंजाब के थाना जूरी, उल्लरहेड़ी गांव निवासी परगत सिंह के पुत्र गुरप्रीत सिंह (26) के रूप में हुई है। गुरप्रीत सिंह हिमाचल से सेब की पेटियां लादकर बंगाल जा रहा था। उत्तरप्रदेश से बिहार की सीमा में प्रवेश करते ही दुर्गावती थाना क्षेत्र के डहला मोड़ के पास उसका ट्रक अनियंत्रित होकर पुल के नीचे जा गिरा।

हादसे के प्रत्यक्षदर्शी डहला गांव निवासी सोनू यादव ने बताया कि मैं ऑफिस के लिए घर से निकल रहा था, तभी अचानक देखा कि एक ट्रक अनियंत्रित होकर पुल के नीचे गिर गया। तुरंत स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और चालक को सुरक्षित बाहर निकाला।

दुर्गावती थानाध्यक्ष गिरीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि चालक को प्राथमिक उपचार के लिए दुर्गावती प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। ट्रक में लदा सेब सुरक्षित है और उसकी देखरेख के लिए पुलिस टीम तैनात कर दी गई है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

पटना (एजेंसियां)।
पटना में पत्नी से झगड़ा करने के बाद एक युवक ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान रामाधार साव के पुत्र सियाराम साव (45) के रूप में बताई जा रही है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। घटना पालीगंज अनुमंडल के रानी तालाब थानाक्षेत्र अंतर्गत काब गांव की है। घटना के संबंध में मृतक के पिता रामाधार साव ने बताया कि पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान दोनों के बीच मारपीट भी हुई थी। आज महिला ने बच्चों को खाना खिलाकर स्कूल भेज दिया। बच्चों के स्कूल जाने के बाद घर में कोई नहीं था। जब दोपहर बाद परिवार के अन्य सदस्य घर लौटे तो देखा कि घर के अंदर सियाराम साव फंदे से लटका हुआ है। इसके बाद परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस की सूचना दी। सियाराम साव ने अपनी बेटी की शादी में कुछ रुपया कर्ज लिया था और कुछ पैसा बाकी था जिसको

लेकर आए दिन विवाद हो रहा था। शांति देवी ने बताया कि बड़ी बेटी की शादी के लिए लगभग 50हजार रुपया कर्ज लिया था। उसमें बहुत कुछ अदा कर चुका था, कुछ रुपया बाकी था इसी को लेकर विवाद हुआ था।

घटना के संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा सूचना मिली कि काब गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस का कहना है कि घटना के पीछे के कारण पति-पत्नी का विवाद सामने आ रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। फिलहाल परिजनों के तरफ से कोई भी आरोप नहीं लगाया गया है।

नौकरी से लौट रहे बाइक सवार की गोली मारकर हत्या, परिवार में मातम

सुपौल (एजेंसियां)।
सुपौल जिले के जदिया थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात अपराधियों ने बाइक सवार एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बघेली-कुपाड़ी मोड़ के पास एनएच-327 ई मुख्य मार्ग पर हुई, जब बाइक से घर लौट रहे युवक को अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां मार दीं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने गंभीर रूप से घायल युवक को स्थानीय लोगों के सहयोग से आनन-फानन में अनुमंडलीय अस्पताल त्रिवेणीगंज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान जदिया थाना क्षेत्र के कोरियापट्टी गांव निवासी भागवत पासवान के पुत्र 32 वर्षीय सुबोध पासवान के रूप में हुई है।

परिजनों ने बताया कि सुबोध अपने परिवार का इकलौता पुत्र था और अररिया के एक चिप्स फैक्ट्री में सेल्समैन के रूप में काम करता था। गुरुवार देर रात वह काम खत्म कर अररिया से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान बघेली-कुपाड़ी मोड़ के पास घात लगाए बैठे बदमाशों ने उस पर गोली चला दी। गोली लगने से वह सड़क पर गिर गया और बदमाश मौके से फरार हो गए। बता दें कि सुबोध के परिवार में उनकी पत्नी, एक पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। अचानक हुई इस घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इधर वारदात की सूचना मिलते ही त्रिवेणीगंज एसडीपीओ विभाष कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर सुनील कुमार और जदिया थानाध्यक्ष राजीव कुमार पुलिस टीम के साथ अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर आवश्यक सुराग जुटाने की कोशिश शुरू कर दी है। एसडीपीओ विभाष कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com